RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 276
नई दिल्ली, शनिवार, 12 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

डाक विभाग को विकसित होना होगा

राष्ट्रीय-11

मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर मौत की सजा

गृह मंत्री अमित शाह ने ब्रिटिश कालीन आईपीसी, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले तीन विधेयक लोकसभा में किए पेश

- राजद्रोह के कानून को पूरी तरह समाप्त किया जा रहा, कहीं भी अपराध हो प्राथमिकी कहीं से भी दर्ज करा सकेंगे
- तीनों विधेयकों को व्यापक विचार- विमर्श के लिए संसदीय स्थाई समिति को भेजा जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में शुक्रवार को बोलते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में ब्रिटिश कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने के लिए तीन नए विधेयक पेश किए और कहा कि अब राजद्रोह के कानून को पूरी तरह समाप्त किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मॉब लिचिंग (भीड़ द्वारा पीट पीटकर हत्या करना) के लिए सात साल या आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि नाबालिगों से दुष्कर्म के मामले में अधिकतम मृत्युदंड का प्रावधान भी है। शाह ने सदन में भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को पेश करते हुए कहा कि देश में गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के पांच प्रण के अनुरूप इन विधेयकों को लाया गया है जो जनता के लिए न्याय प्रणाली को सुगम और सरल बनाएंगे। गृह मंत्री के प्रस्ताव पर तीनों विधेयकों को संसदीय स्थाई समिति को भेजा जाएगा ताकि इन पर व्यापक विचार-विमर्श हो सके। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने राजद्रोह पर कानून बनाया था लेकिन हम राजद्रोह के कानून को पूरी तरह समाप्त करने जा रहे हैं।

शाह ने कहा, यह लोकतंत्र है, सभी को बोलने का अधिकार है। शाह ने कहा कि भगोड़े आरोपियों की अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चलाने का ऐतिहासिक निर्णय भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में दाऊद इब्राहिम वांछित है, वह देश छोड़कर भाग गया, लेकिन उस पर मुकदमा नहीं चल सकता। शाह ने कहा, आज हमने तय किया है कि सत्र अदालत जिसे भगोड़ा घोषित करेगी, उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलेगा और सजा सुनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मॉब लिचिंग (भीड़ द्वारा पीट पीटकर हत्या करना) के लिए सात साल या आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान होगा। उन्होंने कहा कि नाबालिगों से दुष्कर्म के मामले में अधिकतम मृत्युदंड का प्रावधान भी है। उन्होंने कहा कि पहले आतंकवाद की कोई परिभाषा नहीं थी और पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार शून्य प्राथमिकी की प्रणाली ला रही है जिसके तहत देश में कहीं भी अपराध हो, उसकी (शेष पेज 9)

पहचान छिपाकर युवती से विवाह करना प्रस्तावित कानून के तहत अपराध होगा: केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। पहचान छिपाकर किसी महिला से शादी करने या विवाह, पदोन्नति और रोजगार के झूठे वादे की आड़ में यौन संबंध बनाने पर 10 साल तक की कैद हो सकती है। शुक्रवार को एक विधेयक पेश किया गया, जिसमें इन अपराधों से निपटने के लिए पहली बार एक विशिष्ट प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1860 की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) को बदलने के लिए लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक पेश किया और कहा कि इसमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित प्रावधानों पर विशेष ध्यान दिया गया है। शाह ने कहा, इस विधेयक में महिलाओं के खिलाफ अपराध और उनके सामने आने वाली कई सामाजिक समस्याओं का समाधान किया गया है। शादी, रोजगार, पदोन्नति का वादा और झूठी पहचान की आड़ में महिलाओं के साथ संबंध बनाना पहली बार अपराध की श्रेणी में आएगा। शादी का झांसा देकर बलात्कार का दावा करने वाली महिलाओं के मामलों से अदालतें निपटती हैं, लेकिन आईपीसी में इसके लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है। इस विधेयक की अब एक स्थाई समिति द्वारा जांच की जाएगी।

विधेयक में कहा गया है, जो कोई भी, धोखे से या बिना विवाह के इरादे से किसी महिला से शादी करने का वादा करता है और उसके साथ यौन संबंध बनाता है, तो यह यौन संबंध बलात्कार के अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, लेकिन अब इसके लिए 10 साल तक की कैद की सजा दी जाएगी और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। फौजदारी मामलों की वरिष्ठ वकील शिल्पी जैन ने कहा कि यह प्रावधान लंबे समय से लंबित था और इस तरह के प्रावधान की अनुपस्थिति (शेष पेज 9)

उच्चतम न्यायालय ने कहा नफरती भाषण अस्वीकार्य

- हरियाणा में दंगों के मद्देनजर दर्ज मामलों की जांच के लिए राज्य के डीजीपी द्वारा समिति गठित किए जाने पर शीर्ष अदालत ने विचार किया
- कहा-समुदायों के बीच सद्भाव और भाईचारा आवश्यक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने समुदायों के बीच सौहार्द और भाईचारा बरकरार रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए हरियाणा में हाल में हुए सांप्रदायिक दंगों के मद्देनजर दर्ज मामलों की जांच के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा समिति गठित किए जाने पर शुक्रवार को विचार किया। राज्य में हुई हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी।

उच्चतम न्यायालय हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों में हुई रैलियों में एक विशेष समुदाय के सदस्यों की हत्या और उनके सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्कार के आह्वान संबंधी कथित घोर नफरत भरे भाषणों को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहा था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से निर्देश लेने और 18 अगस्त तक समिति के बारे में सूचित करने को कहा। पीठ ने कहा, समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए। सभी समुदाय जिम्मेदार हैं। नफरती भाषण की समस्या अच्छी नहीं है और कोई भी इसे स्वीकार नहीं कर सकता।

पीठ ने कहा, हम डीजीपी से उनके द्वारा नामित तीन या चार अधिकारियों की एक समिति गठित करने के लिए कह सकते हैं, जो एसएचओ से सभी जानकारियां प्राप्त करेगी और उनका अवलोकन करेगी और यदि जानकारी प्रामाणिक है, तो संबंधित पुलिस अधिकारी को उचित निर्देश जारी करेगी। एसएचओ और पुलिस स्तर पर पुलिस को संवेदनशील बनाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को वीडियो सहित सभी सामग्री एकत्र करने और (शेष पेज 9)

चौधरी के निलंबन पर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

- खरगे, राहुल भी शामिल हुए, कांग्रेस नेताओं ने कहा: चड्ढा का भी निलंबन अनुचित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अधीर रंजन चौधरी के निलंबन के विरोध में संसद भवन परिसर में प्रदर्शन करते विपक्षी सांसद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के नेताओं ने लोकसभा से अधीर रंजन चौधरी के निलंबन के मुद्दे पर शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के राज्यसभा से निलंबन को 'अनुचित' करार दिया।

राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि चड्ढा पर झूठा आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी गलती क्या है? (चयन समिति के लिए सांसदों के नाम प्रस्तावित करने से पहले) सहमति की कोई आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी सांसद का नाम शामिल कर सकते हैं। हालांकि, संबंधित सांसद को समिति का हिस्सा बनने से इनकार करने का अधिकार है। तिवारी ने कहा कि संजय सिंह और चड्ढा को अगले सत्र तक निलंबित करने का फैसला गलत है।

विपक्ष के नेता उनके पक्ष में पत्र लिखेंगे। मैं भी उनका समर्थन करूंगा। विपक्षी सांसद संसद परिसर में मार्च करते हुए बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचे और वहां प्रदर्शन किया। विपक्ष के सांसदों ने लोकतंत्र की हत्या बंद करो के नारे लगाए। कई सदस्यों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर सेव डेमोक्रेसी (लोकतंत्र बचाओ) लिखा हुआ था। खरगे ने आरोप लगाया, संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, भाजपा सरकार और खासकर प्रधानमंत्री मोदी, संविधान के तहत सदन नहीं चलने देन चाहते।

नियमों को अलग रखकर हर सदस्य को धमकी दे रहे हैं। सदस्यों को निलंबित करके विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जा रहा है ताकि सदस्य कार्य मंत्रणा समिति में भी शामिल न (शेष पेज 9)

बेड बॉक्स में मिला नाबालिग का शव

- दिल्ली की घटना, पिता की महिला मित्र का हाथ होने का शक, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई महिला की तस्वीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी एक बार फिर सनसनीखेज वारदात सामने आई है। इंद्रपुरी इलाके में एक 11 साल के बच्चे की गला दबाकर हत्या कर शव को बेड बॉक्स के अंदर छिपाने का मामला सामने आया है। आशंका है कि बच्चे की हत्या एक महिला ने की है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 8.30 बजे इंद्रपुरी थाना पुलिस को बीएलके अस्पताल से एक मासूम को मृत हालत में अस्पताल में लाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। बच्चे की गला घोटकर हत्या की गई थी और उसकी गर्दन पर नाखून के निशान थे। पुलिस ने उसकी शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो फुटेज में एक महिला घर (शेष पेज 9)

डांस क्लास नहीं आने पर टीचर ने किया फोन

मासूम इंद्रपुरी इलाके में परिवार के साथ रहता था। वह निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा छात्र का था और नृत्य भी सीखता था। बृहस्पतिवार शाम को वह डांस क्लास नहीं पहुंचा तो उसके टीचर ने उसकी मां को फोन कर बताया कि उनका बेटा क्लास में नहीं आया है। वह घर पहुंची तो देखा कि बाहर से ताला लगा हुआ है। घर की चाबी दोनों के पास होती है। अपनी चाबी से दरवाजा खोला। आसपास कई जगहों पर उसकी तलाश की, मगर उसका कुछ नहीं पता चला।

आरोपी महिला ने दी फोन कर धमकी

परिजनों के अनुसार, मासूम को तलाशने के दौरान आरोपी महिला ने लड़के के पिता को फोन कर धमकी दी थी कि जिसे वह और उनकी पत्नी सबसे ज्यादा प्यार करते है, उसे उसने खत्म कर दिया है। इसके बाद उसने फोन काट दिया। उन्होंने उससे दोबारा संपर्क करने की (शेष पेज 9)

राहुल का प्रधानमंत्री पर फिर हमला

नई दिल्ली में शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते राहुल गांधी। फोटो: रंजन डिमरी

- कहा-मणिपुर में आग लगी है, ऐसे में हंसी-मजाक करना मोदी को शोभा नहीं देता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जब मणिपुर में आग लगी है, हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, तो ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के भीतर जिस प्रकार से हंसी-मजाक किया, वह उन्हें शोभा नहीं देता। राहुल गांधी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि मणिपुर को दो हिस्सों में बांट दिया गया है और वहां भारत की अवधारणा (आइडिया ऑफ इंडिया) और हिंदुस्तान की हत्या कर दी गई है तथा प्रधानमंत्री नहीं चाहते कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में लगी आग बुझे। लोकसभा में विपक्ष के अविवश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी (शेष पेज 9)

भारत माता नहीं असंसदीय शब्दों को हटाया गया: जोशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा में कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी के भाषण से भारत माता शब्द नहीं बल्कि असंसदीय शब्दों को हटाया गया और उनके बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के बयान के बारे में एक सवाल के जवाब में जोशी ने कहा, राहुल गांधी का आज का बयान देशहित में नहीं है, उन्हें समझ नहीं है और ऐसा प्रतीत होता है कि वह मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि तथाकथित ग्रैंड ओल्ड पार्टी गैर जिम्मेदाराना आचरण कर रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जब मणिपुर में आग लगी है, हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, तो ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के भीतर जिस प्रकार से हंसी-मजाक किया, वह उन्हें शोभा नहीं देता। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि यह अच्छा संकेत है कि विपक्षी पार्टी भारत माता के बारे (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

कोलंबो में चीनी युद्धपोत पर भारत की नजर

नई दिल्ली। श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर एक चीनी युद्धपोत के ठहरने के एक दिन बाद, भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने सुरक्षा हितों पर असर डालने वाले किसी भी घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नजर रखता है और सभी आवश्यक उपाय करता है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नौसेना का युद्धपोत हाई यांग 24 हाओ बृहस्पतिवार सुबह औपचारिक यात्रा पर कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया से अपनी साप्ताहिक बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैंने वहां एक चीनी जहाज के होने की खबरें देखी है। मै आश्वस्त नहीं हूं कि वह युद्धपोत है या नही। उन्होंने कहा, इन खबरों के मद्देनजर मै इस बात पर जोर दूंगा कि सरकार देश के सुरक्षा हितों पर असर डालने वाले किसी भी घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नजर रखती है और उनकी रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है।

भारत ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द नाइजर छोड़ने की सलाह दी

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने नाइजर में व्यापक हिंसा के मद्देनजर वहां रहने वाले अपने नागरिकों को देश छोड़ने की शुक्रवार को सलाह दी। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में लगभग 250 भारतीय नाइजर में रह रहे हैं, जहां पिछले महीने के तख्तापलट के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन और हिंसा देखी गई है। विदेश मंत्रालय ने एक परामर्श में कहा कि जो लोग नाइजर की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें स्थिति सामान्य होने तक अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत नाइजर में जारी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, जिन भारतीय नागरिकों के लिए वहां रहना आवश्यक नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा, वे यह ध्यान रखें कि हवाई क्षेत्र फिलहाल बंद है। वहां से लौटते समय अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा, उन सभी भारतीय नागरिकों जिन्होंने नियामी में भारतीय दूतावास में पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें शीघ्रता से ऐसा करने की सलाह दी जाती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिक किसी भी सहायता के लिए भारतीय दूतावास, नियामी में संपर्क कर सकते हैं। बागची ने कहा कि नियामी में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के संपर्क में है और वह भारतीयों को देश से बाहर निकलने की सुविधा प्रदान करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, हमें बताया गया है कि भारतीय (वहां) सुरक्षित हैं। कई यूरोपीय देशों ने अपने नागरिकों को नाइजर से निकाला है। जनरल अब्दुर्हमान त्चियानी ने 26 जुलाई को नाइजर में तख्तापलट करके राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

जो जन्म से चांदी के चम्मच में खाने के आदी, वे गरीब की समस्या क्या समझेंगे

- योगी ने विधानसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर किया करारा हमला
- उप्र विधानमंडल के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश प्रदेश विधानमंडल के मॉनसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सारी विधायी कार्य पूरे करने के बाद दोनों सदन (विधानसभा-विधानपरिषद) अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गए।

शुक्रवार बाढ़ और सूखे पर आयोजित चर्चा में भाग लेते हुए विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता विरोधी दल अखिलेश यादव पर चुन-चुनकर हमला बोला। सदन के आखिरी दिन

शुक्रवार को उप्र विधानसभा में बोलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

शुक्रवार को सीएम योगी जैसे ही बोलने खड़े हुए उन्होंने मशहूर शायर दुष्यंत कुमार के शेर, तुलसीदास की चौपाई और साहित्यकार रामकुमार वर्मा की पंक्तियों के माध्यम से नेता विरोधी दल पर करारे प्रहार किए। सबसे करारा प्रहार उन्होंने यह कहकर किया की 2024 में जीत का फैसला तो गुरुवार को ही लोकसभा में हो गया। यूपी में भी अभी 2027 और 2032 में यही सरकार रिपीट होने वाली है। सीएम योगी विधान सभा में बाढ़ और सूखा पर हुई चर्चा पर विपक्षी दलों के नेताओं को जवाब दे रहे थे।

सीएम योगी ने दुष्यंत कुमार का शेर पढ़ते हुए कहा 'तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं' फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।' सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जो जन्म से चांदी के चम्मच में खाने के आदी हैं वे गरीब की समस्या को क्या समझेंगे। वे गांव के लोगों और किसानों की पीड़ा कभी नहीं समझ पाएंगे। तुलसीदास की चौपाई का जिक्र करते हुए सीएम ने अखिलेश को घेरा। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी ने कहा भी है कि 'समरथ को नहीं दोष गोसाईं' ऐसे ही लोगों पर बातें अक्षरश: ठीक बैठती हैं, क्योंकि जो लोग जन्म से चांदी के चम्मच से खाने के आदी हैं वो गरीब-किसान-दलित की समस्या और उसकी पीड़ा को क्या समझेंगे। उन्होंने अति पिछड़ों और पिछड़ों के साथ क्या व्यवहार किया था, ये पूरा देश जानता है।

सीएम योगी ने आगे कहा कि महान किसान नेता और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की प्रगति का मार्ग इस देश के गांवए गलियोंए खेत और खलिहानों से होकर जाता है। चौधरी चरण सिंह की बातों को वास्तव में समाजवादी पार्टी ने अपने कालखंड में थोड़ा भी ध्यान में रखा होता तो उत्तर प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक किसानों ने उनके कालखंड में आत्महत्या नहीं की होती। सीएम योगी ने कहा कि मुझे महान साहित्यकार राम (शेष पेज 9)

हर घर तिरंगा : स्वतंत्रता दिवस पर बांटे जाएंगे 5 लाख झंडे

● गाजियाबाद नगर निगम खर्च करेगा डेढ़ करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हर घर तिरंगा अभियान का लेकर नगर निगम को टारगेट मिल गया। इस बार नगर निगम को 15 अगस्त के दिन पूरे शहर में पांच लाख तिरंगे की खरीदकर उनका वितरण करना है। झंडा खरीद पर ही निगम करीब डेढ़ करोड रूपये खर्च करेगा।

तिरंगा झंडा खरीद के लिए इस बार नगर निगम के निर्माण विभाग को डेढ़ लाख तिरंगा झंडा खरीदने टारगेट दिया गया। इसी तरह से नगर निगम के हेल्थ विभाग को एक लाख, जलकल विभाग को एक लाख, हाउस टैक्स विभाग और 50 हजार झंडें की व्यवस्था नगर निगम के उद्यान विभाग को करना है। हर घर तिरंगा के टारगेट को पूरा करने और

दिल्ली-यूपी को बॉडर का फाइल फोटो

विभागवार टारगेट को फि क्स करने के लिए अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव ने गुरूवार को सभी विभागों की बैठक की है।

बैठक में उन्होंने सभी विभागों को हर घर तिरंगे वितरण के लिए टारगेट दिया साथ ही निर्देश दिया कि समय से पहले सभी विभाग दिए गए टारगेट के हिसाब से झंडा तैयार कर उनके वितरण की व्यवस्था करे। हर घर तिरंगे के वितरण का टारगेट पूरा करने के लिए बने बनाए झंडे खरीदना इस बार आसान होगा। इसके लिए नगर निगम के सभी विभागों को किस संस्था और विभाग द्वारा बनाए गए झंडे खरीदने है उनके नाम यूपी सरकार की ओर से दिए गए है। ताकी विभागों को तिरंगा खरीदने में किसी तरह की समस्या नहीं हो।

निगम द्वारा की गई इस बैठक में बताया गया कि प्रति तिरंगे का साइज 30 गुणा 20 होना अनिवार्य है। इस झंडे की कीमत बीस रूपये बताई जा रही है। अब नगर निगम के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि कैसे तैयार झंडा खरीदा जाए। इसके लिए ही अब नगर निगम के तमाम विभागों के अधिकारी अभी से ही जुट गए है।

दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर कल रात से रूट डायवर्जन

गाजियाबाद। दिल्ली में राजपथ पर स्वतंत्रता दिवस की परेड को लेकर रूट डायवर्ट रहेंगे। सभी प्रकार के कॉमर्शियल वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। दिल्ली पुलिस के इनपुट के बाद गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। ये प्लान 13 अगस्त को रिहर्सल परेड और 15 अगस्त को मुख्य परेड कार्यक्रम के वक्त लागू रहेगा। अपर पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया, एक्सप्रेसवे के रास्ते मेरठ से दिल्ली की तरफ आने वाले कॉमर्शियल वाहन गाजियाबाद में सिर्फ कॉलेज तक ही आ सकेंगे। यहां से उन्हें वापस या दूसरे रास्तों पर मोड़ दिया जाएगा। ये डायवर्जन 12 अगस्त की रात 10 बजे से 13 अगस्त की परेड समाप्ति तक और 14 अगस्त की रात 10 बजे से 15 अगस्त की परेड समाप्ति तक लागू रहेगा।

किसानों ने निकाली तिरंगा यात्रा

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन के आह्वहन पर गाजियाबाद की जिला इकाई ने भी दुहाई से जिला मुख्यालय तक ट्रैक्टर पर तिरंगा यात्रा निकाली। किसानों को रोकने के लिए दुहाई पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंचे। लेकिन किसान यात्रा निकालने पर अड़े रहे। दोनों पक्षों के बीच बहस भी हुई, लेकिन फिर किसानों की तिरंगा यात्रा को निकालने की अनुमति दी गई। दुहाई से ट्रैक्टर पर किसानों की तिरंगा यात्रा शुरू हुई तो वहीं कई किसान भैंसा बुग्गी के साथ यात्रा में शामिल हुए। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता बाढ़ क्षेत्र के लिए मुआवजा की मांग रहे हैं। भाकियू के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चौधरी ने कहा कि बाढ़ से किसानों की फसलें चौपट हो गई है। किसानों की हालात दयनीय है। ऐसे में किसानों को उनकी बर्बाद हुई फ सल का उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इसके अलावा आवारा पशु, निजी नलकूपों पर मीटर न लगाने, सिंचाई के लिए निशुल्क बिजली, गन्ने का भाव बढाने, चीनी मिलों पर बकाया भुगतान कराने, एमएसपी पर कानून बनवाने, किसानों को केन्द्रों पर उर्वरक उपलब्ध कराने, भूमि अधिग्रहण की नीतियों को किसानों के अनुरूप बनाने, लखीमपुर खीरी कांड के दोषियों को सजा दिलाने, बाढ व सूखे की चपेट में आए जिलों का मैदानी सर्वे कर किसानों की नष्ट हुई फसलों का तत्काल मुआवजा देने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन करने वालों में सुनील बालियान, राजकुमार चौधरी, ब्रहमपाल चौधरी, कपिल चौधरी, कुसुमपाल सिंह, राजेन्द्र सिंह, यशवीर सिंह, सुबोध, जयकुमार सिंह, यशवीर सिंह, अंकित नेहरा, वीरेन्द्र, यशपाल, सतेन्द्र त्यागी, दिनेश, अनिल पंवार आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

एलजी गोलचक्कर पर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते एसीपी ट्रैफिक।

नगर आयुक्त ने सुनी जनसमस्याएं

गाजियाबाद। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ ने आज जन सुनवाई की। इस दौरान लोगों से बात की और तत्काल उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए। नगर आयुक्त आज सुबह ही नगर निगम ऑफि स पहुंचे। वहां बड़ी संख्या में अपनी समस्याओं को लेकर लोग आए। जहां नगर आयुक्त ने सभी से बात की ओर उनकी समस्याओं को समझा। कई समस्याओं को नगर आयुक्त ने तत्काल मौके पर ही दूर करने के निर्देश दिए। इस दौरान कई ऐसे भी लोग नगर आयुक्त के पास पहुंचे जिन्होंने नगर आयुक्त को पूर्व में दर्ज कराई गई शिकायत का समाधान कराने पर बधाई भी दी। नगर निगम में प्रत्येक मंगलवार के दिन संभव दिवस का आयोजन किया जाता है। इस में शिकायतों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा अब यूपी सरकार ने आम लोगों की समस्याओं के समाधान को ओर अच्छे से कराने के लिए प्रति दिन ऑफि स में दस से बारह बजे तक जन सुनवाई के निर्देश दिए है। इसी क्रम में आज नगर आयुक्त ने जन सुनवाई की।

गश्त के दौरान पकड़े गए दो शातिर लुटेरे

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने बीती रात को गश्त के दौरान दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों में एक नाबालिक है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को एक सूचना के आधार पर पुलिस ने दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसमें एक नाबालिक है। दूसरे बदमाश का आशू पुत्र रामसहाय है। उन्होंने बताया कि उनके पास से पुलिस ने लूटा हुआ मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त दुपहिया वाहन आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने लूटपाट की कई वारदातें करनी स्वीकार की है।

कंस्ट्रक्शन साइट से ट्रैक्टर और जनरेटर चोरी

नोएडा। थाना कासना क्षेत्र के सिरसा पॉइंट के पास से अज्ञात बदमाशों ने एक कंस्ट्रक्शन साइट से ट्रैक्टर, जनरेटर आदि चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि बदमाशों की जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना कासना में धरमवीर नगर निवासी गांव दुजाना ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सिरसा पॉइंट के पास उसका आरसीसी का काम चल रहा है। जहां पर लेबर के कुछ लोग रह रहे थे। उनके अनुसार बृहस्पतिवार की देर रात को अज्ञात चोर वहां पर आए तथा उनका ट्रैक्टर और जनरेटर वहां से चोरी करके ले गए। उन्होंने बताया कि चोर चोरी करके जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोदीनगर में पेड़ पर चढ़ा अजगर

गाजियाबाद। मोदीनगर के तिबड़ा मार्ग पर गांव गढ़ी गदाना स्थित एक निर्माणाधीन कॉलोनी में सुबह 15 फीट लंबा अजगर मिलने से ग्रामीणों की सांसे अटक गई। अजगर शिकार की तलाश में वहां खड़े पड़े पर चढ़ गया। कुछ ही देर में सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने एक निजी संस्था के सहयोग से दो घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को पकड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।सुबह करीब आठ बजे निर्माणाधीन कॉलोनी के पास से गुजर रहे ग्रामीणों को एक विशालकाय अजगर दिखा। अजगर देखते ही हड़कंप मच गया।

लिफ्ट में 30 मिनट तक फंसे चार लोग

● 10वीं मंजिल पर रहने वाले बुजुर्ग दंपति लिफ्ट में सवार हुए थे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित चार्म्स कैसल सोसाइटी की लिफ्ट में चार लोग करीब 30 मिनट फ ंस गए। इसके बाद सभी को मैनुअल तरीके से लिफ्ट खोलकर बाहर निकाला गया।

इसे लेकर सोसाइटी के लोगों में गुस्सा और दहशत है। इधर, लिफ्ट में लगातार आ रही समस्याओं को देखते हुए ऑनर ऑफ एसोसिएशन ने लिफ्ट एक्ट बनाए जाने की मांग तेज कर दी है। सोसाइटी निवासी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 8 बजे

10वीं मंजिल पर रहने वाले बुजुर्ग दंपति लिफ्ट में सवार हुए।

उन्हें ग्राउंड फ्लोर पर आना था। इसके बाद छठे फ्लोर से एक महिला और एक बच्चा लिफ्ट में सवार हुए। लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर की बजाय बेसमेंट.2 में पहुंच गई और गेट भी लॉक हो गया। पीड़ितों ने लिफ्ट में लगा इंटरकॉम बटन दबाया, लेकिन वो भी काम नहीं कर रहा था। इसके बाद पीड़ितों ने शोर मचाना शुरू किया। इधर, जब लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर पर नहीं पहुंची तो वहां से ऊपर जाने का इंतजार कर रहे लोगों को चिंता हुई। तब पता चला कि लिफ्ट बेसमेंट में फ ंसी हुई है। इसके बाद किसी तरह लिफ्ट खोलने के प्रयास शुरू हुए। लकड़ी की सीढ़ी मंगाकर किसी तरह लिफ्ट में बुजुर्ग दंपति सहित चारों को बाहर निकाला गया।

सोसाइटी के लोगों ने बताया कि कुछ महीनों पहले भी लिफ्ट में दिक्कत आई थी। रेजिडेंट्स ने लिफ्ट की समस्या को लेकर 21 अगस्त को मेंटिनेंस दफ्तर पर प्रोटेस्ट करने की बात कही है। बता दें कि नोएडा में भी बीते दिनों लिफ्ट का तार टूटकर गिरने से एक महिला की मौत हो गई थी। गाजियाबाद-नोएडा की हाउसिंग सोसाइटीज की लिफ्ट में लगातार दिक्कतें सामने आ रही हैं। जिसे लेकर रेजिडेंट्स में आक्रोश है।

जिला प्रशासन करेगा वेव ग्रुप की 38 दुकानों की नीलामी

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

● रेरा का 55 करोड़ है बकाया, 48 लाख से 2.7 करोड़ की है कीमत

वेव मेगा सिटी सेंटर प्राइवेट लिमिटेड की सेक्टर.18 स्थित सिल्वर टावर की दुकानों को नीलाम करेगा। जिला प्रशासन इसके लिए खुली बोली लगाई जाएगी।

एसडीएम दादरी आलोक गुप्ता ने बताया कि वेव ग्रुप की इन दुकानों की नीलामी 28 अगस्त को रखी गई है, जिसमें दादरी तहसील में आकर कोई भी इच्छुक व्यक्ति दुकानों की बोली लगाकर उन्हें प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि वेव ग्रुप पर रेरा का 55 करोड़ से अधिक का बकाया है। इसकी 111 संपत्तियों को जिला प्रशासन जब्त कर चुका है और इनमें से 38 दुकानों की नीलामी पहले रखी गई है और उसके बाद अन्य संपत्तियों को भी नीलाम किया जाएगा। वेव ग्रुप को बकाया जमा करने के लिए इसके पहले भी नोटिस भेजे गए थे, लेकिन उन्होंने बकाया जमा नहीं किया, जिसके चलते इन संपत्तियों को नीलाम किया जा रहा है। ये दुकानें 165 से 1240 वर्ग मीटर तक की हैं। इन दुकानों की रिजर्व प्राइस 48 लाख से 2.7 करोड़ रुपए के बीच है। ये दुकानें नोएडा के सबसे पॉश और कॉमर्शियल हब में है। बकायादार बिल्डरों पर शिकंजा जिला प्रशासन बकायादार बिल्डरों पर शिकंजा कसा जा रहा है।

21 को होगी जीडीए बोर्ड की बैठक, प्रस्ताव तैयार करने में जुटे अफसर

गाजियाबाद। जीडीए बोर्ड की बैठक 21 को हो सकती है। इसके लिए जीडीए के सभी विभागों में तैयारी तेज हो गई है। माना जा रहा है कि बोर्ड की इस बैठक में कई खास प्रस्ताव पेश हो सकते हैं।

लंबे समय बाद जीडीए बोर्ड की बैठक होने जा रही है। नगर निगम चुनाव से पहले ही बोर्ड की बैठक मेरठ मंडलायुक्त कार्यालय में हुई थी। बोर्ड की इस बैठक को कराने के लिए हाल ही में मेरठ मंडलायुक्त की ओर से एक पत्र जीडीए वीसी आरके सिंह को लिखा गया था। यह पत्र इसी महीने की तीन तारीख को जीडीए में मिला था। इसी के बाद ही माना जा रहा था कि जल्दी ही जीडीए में बोर्ड की बैठक होगी। अभी तक जीडीए बोर्ड की बैठक को लेकर किसी तारीख की घोषणा नहीं हुई थी। अब जीडीए बोर्ड की तारीख की घोषणा हो गई है। जीडीए के प्रॉपर्टी अफसर सीपी त्रिपाठी का कहना है कि अभी तक बोर्ड की बैठक के लिए तारीख तय कर ली गई है।

बैठक 21 अगस्त को होगी। बैठक में क्या प्रस्ताव शामिल होंगे इसके लिए सभी विभागों को निर्देश दिए गए है कि वह अपने अपने प्रस्ताव तैयार कर ले। ताकी अजेंडे में शामिल किए जा सके।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Ms. Anita Rani is the owner of Plot admeasuring 100 Sq. Yds., out of Old Khasra No. 421 & New Khasra No. 932, situated at Agrasen Colony Kasba Dadri, Pargana, Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh vide Sale Deed dt. 19.01.2018, Doc No.1277. All persons are hereby informed that Ms. Anita Rani wants to mortgage the said property & intend to obtain a loan from our client against the said property. For the said property, two Original Sale Deeds dt.09.01.2006 in favour of Mr. Mukesh Kumar Goyal and Sale Deed dated 03.04.2006 in favour of Mrs. Kumkum Bansal are also missing, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Leela Devi is the owner of Third Floor with roof rights of built on Built-up Property bearing No. J23, (New No. RZ-3/342), Admeasuring 100 Sq. Yds., Out of Khasra No. 342, Gali No.1, Situated in Shiv Puri, Abadi Known as west Sagarpur, New Delhi, vide Sale Deed dated 07.12.2021, duly reg. as doc. No. 12446. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who intends to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said floor, its sale/mortgage/litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, शाल टावर, प्लॉट नंबर-23, न्यू रोहतक रोड करोल, बाग, नई दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्ज़दार और डीएचएफएल के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंज़ूर की गई आवास ऋण सुविधा के संबंध और प्रतिभूति के प्रवर्तन के संबंध में निम्न वर्णित कर्ज़दारों को (बुनियादी समूह दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित किए जाने पर) माँग सूचनाएँ जारी की थीं, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर करने की माँग की गई थी।

कर्ज़दार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद् द्वारा कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का कब्ज़ा निम्न वर्णित तिथि को प्राप्त कर लिया है।

कर्ज़दार को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभाराधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार का नाम/(ऋण खाता नंबर) (डीएचएफएल पुराना ऋण खाता नंबर एवं आईसीआईसीआई नया ऋण खाता नंबर)	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	माँग सूचना की तिथि/ माँग सूचना में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	चाँद कुरैशी/ मुवीन/ (19600044083 एवं QZGRN00005005938)	संपत्ति संख्या एस-221/77-78, ऊपरी भूतल, प्लॉट संख्या 77-78 का हिस्सा, खसरा संख्या 20/13, ग्राम खयाला, विष्णु गार्डन, गली नंबर 1, दिल्ली/ अगस्त 08, 2023	मार्च 28, 2023 रु. 21,79,793/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	हरिकिशन राय/ बीनू राय/ (09600001820 एवं QZDEL00004997807)	क्रम संख्या 2:- प्लॉट नंबर-आरजेड-147, दूसरी मंजिल, केएच नं. 904 से 911, ग्राम नवादा, ब्लॉक-ए, गुलाब बाग, उत्तम नगर, नई दिल्ली/ अगस्त 08, 2023	मार्च 28, 2023 रु. 12,06,587/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अगस्त 11, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुर विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस

फ्रांक मीमों/ग्राम पंचायत/मनरेगा/वित्त आयोग मद/टेन्डर/2023-24 दिनांक 12.08.2023

।। अति अल्पकालीन निविदा ।।

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मनरेगा/पंचम पंचम राज्य वित्त आयोग/15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2023-24 में उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नलिखित कार्यों हेतु उसके सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्य स्थल पर आपूर्ति महुर बन्द निविदाये दिनांक 09.08.2023 को दिन के 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन साय 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जाएगी। यदि उसके निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिन को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिन होगा। निवेदक खोलने के स्थल समय एवं वैधता में कई परिवर्तन नहीं होगा। निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जाएगी। निविदा की निम्नवत निर्धारित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुर से कार्यालय एवं समय में दिनांक 16,08,2023 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र के साथ 2 प्रतिशत की धरोहर राशि की एफ0डी0आर0 नगद अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी, जमा करनी होगी।
3. निविदा सशर्त अथवा निर्धरित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नही होंगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण के स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. निविदाय दरों की वैधता तीन माह अधिकतम होगी। इसके लिए निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडीशियल स्टाम्प एक सौ रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अविार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मलित करते हुए 2 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी।
6. दिलों के भुगतान में नियमानुसार आयकर वेद एवं रॉयल्टी आदि की कटौती की जाएगी। सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। कोई भी निवेदा दाता जो राज्य विधिक बार कोसी में पंजीकृत होने देने से प्रतिबंधित होगा।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिये।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होगे।

क्रम संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामग्री) रु0 में	धरोहर धनराशि रु0 में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि माह में
01.	विवेक सचिव के मकान से KMR स्कूल तक U टाइप नाली मरम्मद कार्य	136260	2725	GST+100	3 माह
02.	के0 एम0आर0 स्कूल से पोखर तक U टाइप नाली	192992	3859	GST+100	3 माह
03.	सतीश ठेकेदार के घर से बरात घर तक U टाइप नाली	375878	7517	GST+100	3 माह
04.	पप्पू ठेकेदार के घर से गोपीराम के घर तक इंटर लॉकिग व नाली निर्माण	243798	4875	GST+100	3 माह
05.	गोपीराम के घर से सचिन कारपेन्टर के घर तक इ0ला0व नाली निर्माण	344386	6887	GST+100	3 माह
06.	भवासी राम मास्टर के घर से ललित के घर तक ठ0ला0 व नाली	113871	2277	GST+100	3 माह
07.	वीरेद्र पावे वाले के घर से वकील सहाव के घर तक इ0ला0 व नाली	180235	3604	GST+100	3 माह

अध्यक्ष/प्रधान ग्राम पंचायत — सचिव ग्राम पंचायत

सुनील हेल्थकेयर लिमिटेड

SUNLOC

पंजीकृत कार्यालय :- 38ई/252-ए, विजय टावर, शाहपुरजाट, नई दिल्ली-110049
ई-मेल :- info@sunilhealthcare.com, वेबसाइट :- www.sunilhealthcare.com
सीआईएन :- एल24302डीएल1973पीएलसी189662

30जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु पृथक्कृत एवं समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रु. लाख में)

क्र सं	विवरण	पृथक्कृत				समेकित			
		3 माह समाप्त 30-06-2023 अलेखापरिक्षित	3 माह समाप्त 31-03-2023 लेखापरिक्षित (नोट 3 देखे)	3 माह समाप्त 30-06-2022 अलेखापरिक्षित	वर्ष समाप्त 31-03-2023 लेखापरिक्षित	3 माह समाप्त 30-06-2023 अलेखापरिक्षित	3 माह समाप्त 31-03-2023 लेखापरिक्षित (नोट 3 देखे)	3 माह समाप्त 30-06-2022 अलेखापरिक्षित	वर्ष समाप्त 31-03-2023 लेखापरिक्षित
1	परिचालन से कुल आय	2,294.83	2,078.68	3,441.64	11,345.87	2,369.76	2,221.75	3,432.32	11,498.74
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	(98.60)	0.37	610.00	975.86	(86.89)	51.10	582.43	948.33
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(98.60)	0.37	610.00	975.86	(86.89)	51.10	582.43	948.33
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(75.61)	(5.42)	446.75	697.69	(64.17)	45.00	418.50	668.21
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय खजिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है,	(75.61)	(9.53)	446.75	693.58	(84.43)	17.63	407.38	604.20
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/-प्रत्येक)	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48
7	संचेय (पुनर्मूल्य संचेय छोड़कर) जैसाकि पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलनपत्र में दर्शाया गया है	-	-	-	5,147.07	-	-	-	4,574.21
8	प्रति शेयर अर्जन (असाधारण मदों के बाद) (रू. 10/- प्रत्येक का)								
	(क) मूल (रू.)	(0.74)	(0.05)	4.36	6.80	(0.63)	0.44	4.08	6.52
	(ख) तनुकृत (रू.)	(0.74)	(0.05)	4.36	6.80	(0.63)	0.44	4.08	6.52

नोट्स :-

1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए समाप्त तिमाही/वर्ष के वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। समाप्त तिमाही/वर्ष के वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट (www.bseindia.com) पर तथा कम्पनी की वेबसाइट (www.sunilhealthcare.com) पर उपलब्ध है।
2. चूंकि कम्पनी का व्यवसाय एकल प्राथमिक व्यवसाय खण्ड नामतः कैप्सूल की बिक्री के अंतर्गत आता है, अतः कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के साथ पठित तदधीन जारी प्रासंगिक नियमों के तहत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस-108) "प्रचालन खण्ड" के प्रकटीकरण की आवश्यकता लागू नहीं है।
3. 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु आंकड़े पूर्ण वित्तीय वर्ष हेतु लेखापरीक्षित आंकड़ों तथा पूर्व वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक के लिए प्रकाशित वर्षाद्यतन अवधि के आंकड़ों के बीच संतुलनकारी आंकड़े हैं।
4. उपरोक्त परिणामों का पुनरीक्षण लेखापरीक्षा समिति द्वारा और अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 11 अगस्त, 2023 को सम्पन्न उनकी संबंधित बैठकों में किया गया था।

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 11-08-2023

अनिल खेतान
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 00759951

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

एमसीडी स्कूल में 28 बच्चे गैस रिसाव से बीमार

19 को राम मनोहर लोहिया और 9 बच्चों को आचार्य भिक्षु अस्पताल कराया गया भर्ती

● गैस रिसाव क्यों और कहां से हुआ, जांच के दिए निर्देश : शैली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इंद्रपुरी स्थित दिल्ली नगर निगम स्कूल में शुक्रवार को गैस रिसाव होने से 28 बच्चे बीमार हो गए। आनन-फानन में प्रशासन ने 19 बच्चों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल और 9 छात्रों को आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया। महापौर शैली ने दावा किया कि सभी बच्चे स्वस्थ हैं।

आरएमएल में भर्ती केवल दो बच्चों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी। उनमें से एक को पहले से गैस्ट्रीक बीमारी है। लेकिन अब वह भी पूरी तरह से ठीक हैं। सभी बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सिर्फ पांच छात्रों को निगरानी में रखा गया है। उसकी देखभाल के लिए एक शिक्षक रातभर अस्पताल में मौजूद रहेगा। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं कि गैस रिसाव क्यों और कहां से हुआ। शैली ओबरॉय बताया कि नारायणा में रेलवे ट्रैक के पास गैस लीक होने के कारण दिल्ली निगम विद्यालय नारायणा के 24 छात्रों की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें स्कूल प्रशासन द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल व आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना की जानकारी मिलने पर वह भी तुरंत आरएमएल अस्पताल में भर्ती बच्चों से मिलने के लिए पहुंची। प्रत्येक बच्चे से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। शैली ने कहा कि छात्रों को अचानक से अजीब दुर्गंध महसूस हुई और अचानक उनका मन खराब होने लगा। कुछ बच्चों को उल्टी होने लगी तो उन्हें तुरंत अस्पताल लाया गया। छात्रों की बेहतर देखभाल के लिए अभी अस्पताल में रखा गया है। निगम प्रशासन सभी बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ खड़ा है।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों की टीम और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखने के लिए अस्पताल में मौजूद हैं। गैस लीकेज क्यों हुआ, कहां से हुआ, इसपर व्यापक जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं।

अस्पताल जाकर पीड़ित बच्चों का हालचाल लेती मेयर शैली ओबराय।

पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा।

संक्रमित बर्तन में खाना खाने की आशंका : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप शासित एमसीडी यह कहकर गुमराह करने की कोशिश कर रही पीड़ित छात्र गैस रिसाव से बीमार हुए

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा दिल्ली नगर निगम यह कहकर बीमार छात्रों के परिवारों और दिल्ली वालों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है कि वे रहस्यमयी गैस के रिसाव होने से बीमार हुए हैं।

सचदेवा ने मेयर से सवाल किया कि यह कैसे संभव है कि गैस रिसाव से केवल एक कक्षा के छात्र प्रभावित हुए। स्कूल में लगभग 400 छात्र हैं और आश्चर्यजनक रूप से एक कक्षा में केवल 24 ही प्रभावित हुए, गैस रिसाव इतना चयनात्मक कैसे हो सकता है। इसके अलावा, यह कैसे संभव है कि यदि यह गैस रिसाव था तो इसका असर स्कूल में या स्कूल के आसपास के घरों में नहीं हुआ। एमसीडी स्कूल के बच्चों के बीमार होने की खबर मिलने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचकर पीड़ित छात्रों से मुलाकात उनका हालचाल जाना। बीमार छात्रों से मिलने के बाद सचदेवा ने अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक से बात की और छात्रों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उसके बाद बीमारी का सही कारण सामने आएगा। सचदेवा ने कहा कि आशंका है कि जिस बर्तन में एक विशेष कक्षा के छात्रों को मध्याह्न भोजन परोसा गया था वह दूषित था। जिससे भोजन संक्रमित होने से बच्चे बीमार हुए। आप नेताओं ने अभिभावकों और स्कूल प्रशासन को यह कहने के लिए मजबूर किया कि और उल्टी गैस रिसाव के कारण हुई है।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा

तिरंगा रैली में शिरकत करते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, मंत्री पीयूष गोयल व अन्य।

केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे।

केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे दिल्ली में आयोजित हर घर तिरंगा बाइक यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। पिछले साल की तरह इस बार भी हर घर तिरंगा लहराएगा। आजादी के अमृत महोत्सव को हर्ष उल्लास से मनाया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री चौबे ने लोगों से हर घर तिरंगा हर दिल तिरंगा अभियान में शामिल होने का आह्वान किया।

तिरंगा रैली में बाइक सवार लोग। सभी फोटो: रंजन डिमरी

समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित रहेंगे राघव चड्ढा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आप के राज्यसभा संसद पर फर्जी हस्ताक्षर करने का है आरोप

संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य राघव चड्ढा को नियमों के घोर उल्लंघन और अवमाननापूर्ण आचरण के चलते विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया।

इसके साथ ही, अशोभनीय आचरण तथा नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित किए गए आप सदस्य संजय सिंह के निलंबन की अवधि भी विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक बढ़ा दी गई। उच्च सदन में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। मानसून सत्र के अंतिम दिन, शुक्रवार को सदन के नेता सदन पीयूष गोयल ने राघव चड्ढा द्वारा नियमों का उल्लंघन करने तथा सदन की एक समिति के लिए चार सदस्यों का नाम उनकी सहमति लिए बिना प्रस्तावित करने का मुद्दा उठाया।

चड्ढा पर आरोप है कि उन्होंने राज्यसभा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 को पारित कराने की प्रक्रिया के दौरान प्रवर समिति के गठन का प्रस्ताव दिया था और इस समिति के लिए चार सांसदों सस्मित पात्रा (बीजू जनता दल), एस फान्गनॉन कोन्याक (भारतीय जनता पार्टी), एम थंबीदुरई (ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम) और नरहरि अमीन (भाजपा) के नाम उनकी अनुमति के बिना शामिल किए थे। पीयूष गोयल ने कहा कि जिन सदस्यों के नाम चड्ढा ने समिति के लिए प्रस्तावित किए थे, उनका कहना है कि इसके लिए उनसे अनुमति नहीं ली गई थी।

उनके अनुसार, सदस्यों की शिकायत से स्पष्ट होता है कि यह नियमों का तथा विशेषाधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि ए सदस्य अपने अधिकारों का संरक्षण चाहते हैं। गोयल ने कहा कि आप सदस्य राघव चड्ढा ने संसद के बाहर भी गलत बयान दिया।

उन्होंने कहा कि यह मामला विशेषाधिकार समिति के पास जांच के लिए भेजा गया है।

जंजीर लपेटकर संसद पहुंचे आप सांसद रिंकू

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य सुशील कुमार रिंकू लोकसभा से अपने और राज्यसभा सदस्यों संजय सिंह, राघव चड्ढा के निलंबन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को शरीर पर जंजीर लपेटकर संसद भवन परिसर में पहुंचे।

रिंकू ने कहा, देश में आज लोकतंत्र खतरे में है। केंद्र सरकार ने लोकतंत्र के चारों स्तंभों को दासता की जंजीरों में बांध दिया है। रिंकू ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र की और बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की विचारधारा की हत्या करने का आरोप लगाया और जनता से अपील की कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाया जाए।

स्वतंत्रता दिवस : सुरक्षा के लिए 10 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● लाल किले और आसपास के इलाकों को फूलों और जी-20 प्रतीक चिह्नों से सजाया जाएगा

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले के सामने ज्ञान पथ को फूलों और जी-20 के प्रतीक चिह्न से सजाया जाएगा तथा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे, तब 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे।

पुलिस ने कहा कि मुगल-युगीन किले और उसके आसपास एवं अन्य स्थानों पर अचूक सुरक्षा सुनिश्चित करने और वीवीआईपी की आवाजाही पर नजर रखने के लिए चेहरों को पहचानने और वीडियो विश्लेषण प्रणाली वाले लगभग 1,000 कैमरे स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री और अन्य वीवीआईपी मेहमानों की सुरक्षा के लिए स्नाइपर, विशिष्ट स्वाट कमांडो, पतंग पकड़ने वाले और शार्पशूटर आसपास के स्थानों पर तैनात किए जाएंगे।विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने कहा कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर पुलिसकर्मियों की मजबूत और पर्याप्त तैनाती होगी।

कांग्रेस-आप के हाथ मिलाने से बौखलाई भाजपा : राय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के तहत कांग्रेस और आप के हाथ मिलाने से भारतीय जनता पार्टी बौखला गई है और इसके रणनीतिकार इस गठबंधन को तोड़ने के लिए उपाय तलाशने का प्रयास कर रहे हैं।

राय ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार को सुनिश्चित करना जरूरी है अन्यथा देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा। राय ने कहा कि मुंबई में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस की बैठक में दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर बातचीत होने की संभावना है।

'बृजभूषण पर केस चलाने को पर्याप्त सबूत'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दिल्ली पुलिस ने अदालत को पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में दी जानकारी

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक मेट्रोपोलिटन अदालत को बताया कि महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। शहर पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल को बताया कि बृजभूषण और सह-आरोपी एवं डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील अतुल श्रीवास्तव ने अदालत को बताया, आरोपी व्यक्तियों पर उन अपराधों के लिए आरोप लगाया जाना चाहिए, जिनके लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।

उन्होंने कहा कि बृजभूषण के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 354-ए (यौन उत्पीड़न) और 354-डी (पीछा करना) सहित अन्य धाराओं के तहत आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

अदालत अब इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त को करेगी, जब शिकायतकर्ताओं के वकील आरोप के बिंदु पर दलीलें दे सकते हैं। मेट्रोपोलिटन अदालत ने 20 जुलाई को बृजभूषण और तोमर को कुछ शर्तों के साथ 25,000 रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी थी, जिसमें अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ना और गवाहों को कोई प्रलोभन नहीं देना शामिल था।

दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद बृजभूषण के खिलाफ 15 जून को आरोप पत्र दायर किया था।

संक्षिप्त समाचार

फुलारा के परिवार को दी दो लाख की सहायता राशि

नई दिल्ली। उत्तरांचल भ्रात्रि सेवा संस्थान ने वर्गीय प्रकाश फुलारा जी के परिवार की आर्थिक सहायता हेतु जमा की गई दो लाख रुपये राशि का चेक संस्था के पदाधिकारीयों द्वारा उनके परिवारजनों को प्रदान किया। इस मौके पर संस्थान प्रमुख हरदा उत्तरांचलि, सांस्कृतिक सचिव बिशन हरियाला (गायक कलाकार), नरेंद्र रावत, देवब्रत चौहान, नारायण दत्त मौलेखी, हेमंत रावत, कुंदन सिंह बिष्ट, अर्जुन सिंह समेत अन्या पदाधिकारी मौजूद थे। ये फुलारा के गाँव गनौली, द्वारहाट, उत्तराखंड में उनके तेरहवीं कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

संत निरंकारी मिशन का वननेस वन परियोजना 13 से

नई दिल्ली। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के स्वर्णिम शब्द प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनों ही हानिकारक है। इस अमोलक कथन को मिशन कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी लेने हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में उपयोग कर रहा है। इस कड़ी में मिशन ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वननेस वन नामक एक मेगा परियोजना शुरू की है। इसका मकसद वृक्षों के समूह का रोपण करना एवं इनकी देखभाल करना था। इस परियोजना के अंतर्गत देशभर में लगभग 317 स्थानों पर 1.30 लाख पौधारोपण करना है। पर्यावरण संरक्षण हेतु जारी इस श्रृंखला के अंतर्गत सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता के आशीर्वाद से वननेस वन परियोजना के तीसरे चरण की सेवाएं आरंभ करने जा रहा है।

सरकारी भवनों व स्ट्रीट लाइटों का होगा एनर्जी ऑडिट

दिल्ली सरकार 500 किलोवाट से अधिक खपत वाले भवनों का ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा करवाएगी ऑडिट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● इससे पता चलेगा किन इमारतों में हो रहा है बिजली का ज्यादा उपयोग, कैसे कर सकते है खपत कम : आतिशी

बिजली की खपत कम करने और ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार सरकारी इमारतों, कार्यालयों और स्ट्रीट लाइट्स का एनर्जी ऑडिट कराने का फैसला किया है।

इस एनर्जी ऑडिट का उद्देश्य बिजली के अधिक इस्तेमाल करने वाले स्थानों का पता लगाना और वहाँ स्मार्ट तरीकों से बिजली की खपत को कम करने की रणनीति तैयार करना है। ऊर्जा मंत्री आतिशी ने कहा उनकी सरकार अपने उन सभी सरकारी भवनों का एनर्जी ऑडिट करवायेगी जहां बिजली की खपत 500 किलोवॉट से ज्यादा है। इस प्रक्रिया में इमारतों के भीतर विभिन्न उपकरणों और उपकरणों की वास्तविक ऊर्जा खपत को मापना, उसका आवश्यक अनुमानित न्यूनतम ऊर्जा के साथ तुलना करना और फिर बिजली की बचत के लिए आर्थिक और तकनीकी रूप से व्यावहारिक तरीकों की पहचान करना शामिल है। एनर्जी ऑडिट से बिजली उपयोग को अनुकूलित करने के लिए भी सुझाव मिलेगा जिसके परिणामस्वरूप बिजली और पैसे दोनों की बचत होगी।

बिजली मंत्री ने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली की एक यूनिट की बचत करता है, वो बिजली संयंत्र में उत्पादित 2 यूनिट के बराबर होता है। ऐसे में इन ऑडिट से प्राप्त ऊर्जा-बचत उपायों से दिल्ली की समग्र बिजली मांग को स्थिर करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, एनर्जी ऑडिट से न केवल सरकारी भवनों में ऊर्जा की खपत को कम करने के तरीकों का पता चलेगा बल्कि इससे सरकार का वित्तीय बोझ भी कम होगा। साथ ही, यह पहल कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मददगार साबित होगा।आतिशी ने कहा कि बिजली विभाग ने सरकारी भवनों के ऊर्जा ऑडिट को प्राथमिकता दी है और इस दिशा में मिशन मोड में काम कर रहे है।

दिल्ली सरकार अपनी स्ट्रीट लाइटों के लिए भी एनर्जी ऑडिट करवायेगी। वर्तमान में, स्ट्रीट लाइट का रखरखाव मुख्य रूप से एमसीडी, एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाता है। जहां विभाग अपनी स्ट्रीट लाइटों को कम बिजली की खपत वाले एलईडी स्ट्रीट लाइटों से बदल रहे है। उल्लेखनीय है कि, सरकार 500 किलोवाट और उससे अधिक स्वीकृत लोड वाले अपने सभी सरकारी भवनों का ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा प्रमाणित एनर्जी ऑडिटर से ऑडिट करवायेगी।

दिल्ली नगर निगम
कर निर्धारण एवं समाहरण विभाग (मुख्यालय) 14वीं मंजिल,
डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, मिंटो रोड, नई दिल्ली-110002
G20
क्रमांक : टैक्स/मु०/ दिननि/2023-24 / डी-2182 दिनांक 10.08.2023

सार्वजनिक सूचना

दिल्ली में अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी संपत्ति कर व्यवस्था और सेवा प्रदायगी के बेहतर प्रावधान के लिए दिल्ली नगर निगम ने परिसम्पत्तियों को जियो-टैग करने के लिए मोबाइल ऐप लान्च किया है। जन साधारण से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी परिसम्पत्ति की जियो-टैगिंग की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करें और दिल्ली के विकास में योगदान दें।

मोबाईल ऐप [यूनिफाईड मोबाईल ऐप (यूएमए)], एंड्राईड या आई ओ एस (iOS) फोन पर या https://mcdonline.nic.in/mcdapp.html वेबसाईट पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है।

यद्यपि अपनी परिसम्पत्तियों को जियो-टैग करने की जिम्मेदारी करदाताओं की है लेकिन डीएमसी अधिनिमय, 1957 (यथा संशोधित) की धारा 124 और 135 के साथ पठित धारा 172 और 175 के अंतर्गत निहित शक्तियों का उपयोग करते हुए बड़े क्षेत्र और जटिलता को ध्यान में रखते हुए दिल्ली नगर निगम के अधिकारी गैर-आवासीय परिसम्पत्तियों (जैसे होटल, अस्पताल, स्कूल, गेस्टहाउस, बैंक्वेट हॉल, मॉल, गोदाम, शोरूम, दुकानें आदि) का निरीक्षण करेंगे और उनकी जियो-टैगिंग भी करेंगे। ऐसी परिसम्पत्तियों के मालिकों-कब्जाधारियों से अनुरोध किया जाता है कि वे ऐसे अधिकारियों को हर संभव सहायता प्रदान करें और उन्हें अपनी परिसम्पत्तियों तक पहुंच प्रदान करें। निरीक्षण करने वाली टीम को अपना पहचान पत्र प्रदर्शित करने के लिए कहा जा सकता है।

(कुणाल कश्यप, भा० रा० से०)
कर निर्धारक एवं समाहर्ता विभाग
दिल्ली नगर निगम

R.O. No.34/DPI/MCD/2023-24

गुरुग्राम से मनी लॉन्ड्रिंग केस में सीबीआई के पूर्व जज गिरफ्तार

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मनी लॉन्ड्रिंग के केस में निलंबित चल रहे सीबीआई पंचकूला के स्पेशल जज सुधीर परमार को गुरुग्राम से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप हैं कि वे इस मामले में आरोपियों की मदद कर रहे थे। इसी केस में उन्हें 27 अप्रैल 2023 को सस्पेंड किया गया था।

अप्रैल 2023 में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला हरियाणा पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा पंचकूला में विशेष पीएमएलए अदालत में तैनात विशेष सीबीआई जज सुधीर परमार, उनके भतीजे अजय परमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर रियल एस्टेट कंपनी आईआरईओ ग्रुप और

एम3एम केस में आरोपियों की मदद करने का लगा आरोप

27 अप्रैल 2023 को किए गए थे निलंबित

निलंबित जज सुधीर परमार।

एम3एम ग्रुप से जुड़े एक मामले में रिश्वत लेने का आरोप है। उन्हें गुरुग्राम से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कस्टडी में लिया गया। उन्हें शुक्रवार को अदालत के समक्ष पेश किया जा सकता है। ईडी उन्हें कस्टोडियल रिमांड पर लेने का प्रयास करेगी, ताकि उनसे इस मामले में गहनता से पूछताछ की जा सके। ईडी ने इससे पहले परमार के भतीजे अजय परमार, रियल एस्टट कंपनी के दो प्रमोटर्स बसंत बंसल, पंकज बसंल और आईआरईओ के मालिक एवं एमडी ललित गोयल को गिरफ्तार किया था। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला अप्रैल में हरियाणा पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा पंचकूला में विशेष पीएमएलए अदालत में तैनात विशेष सीबीआई जज सुधीर परमार उनके भतीजे अजय परमार के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है। ईडी को अति विश्वस्त सूत्रों से पता चला था कि निलंबित जज सुधीर परमार ईडी के आपराधिक और अन्य मामलों में आरोपियों रूप कुमार बंसल, उनके भाई बसंत बंसल और आईआरईओ के ललित गोयल की मदद कर रहे थे। इन सभी आरोपियों का मामला उनकी ही अदालत में लंबित है।

जज परमार पर आरोप हैं कि आधिकारिक पद के दुरुपयोग और अदालत में लंबित मामलों में आरोपियों से अनुचित लाभ या रिश्वत की मांग गई। इस मामले में केस दर्ज होने के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने परमार को सस्पेंड कर दिया था।

गुरुग्राम में घर के बाहर खड़ी कार में लगाई आग

पुलिस मामले की कर रही है जांच

गुरुग्राम-सोहना रोड पर कृष्णा कुंज कॉलोनी में फूंकी गई कार।

सोहना/गुरुग्राम। एक तरफ तो पुलिस गुरुग्राम में शांति स्थापित करने के प्रयास कर रही है, दूसरी तरफ शरारती तत्व अशांति फैलाने की फिराक में लगे रहते हैं। गुरुवार की देर रात घर से कुछ दूरी पर खड़ी एक कार को शरारती तत्वों ने आग लगा दी। जब तक कार मालिक कुछ कर पाता, कार पूरी तरह से जल चुकी थी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कार मालिक की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से पलवल जिला के ऊटावड़ गांव के रहने वाले रियाज मोहम्मद यहां गुरुग्राम-सोहना रोड स्थित कृष्णा कुंज कालोनी में रहते हैं। उन्होंने गुरुवार की रात को अपनी स्विफ्ट डिजायर कार घर से कुछ दूरी पर ही खड़ी की थी। देर रात शरारती तत्वों ने उनकी कार को आग के हवाले कर दिया। पिछले 15 साल से इस क्षेत्र में वे रह रहे हैं, आज तक ऐसी कोई घटना उनके साथ नहीं हुई थी। कार में आग लगाने की घटना को नूंह हिंसा से जोड़कर देखा जा रहा है। इस घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।

पीड़ित की शिकायत पर भोंडसी थाना पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बता दें कि नूंह हिंसा के भले ही शांत होने के दावे किए जा रहे हों, लेकिन रोजाना कोई ना कोई घटना को शरारती तत्व अंजाम दे देते हैं। हालांकि पुलिस लोगों से लगातार शांति की अपील कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

नूह हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों व आमजन से की मुलाकात

गुरुग्राम। नूंह जिला में हुई हिंसा के दौरान पुलिस कर्मियों व आमजन का हालचाल जानने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मेदांता मेडिसिटी अस्पताल पहुंचे। राव इंद्रजीत सिंह ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से भी बातचीत की और घायल पुलिसकर्मियों की स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की। गौरतलब है कि 31 जुलाई को नूह में हुई हिंसा के दौरान उपद्रवियों पर काबू करने के लिए गुरुग्राम जिला से पुलिस बल तैनात किया गया था। इस हिंसा में दो होम गार्ड शहीद हो गए थे। कई पुलिसकर्मियों को घायल अवस्था में अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। जिनमें से दो पुलिसकर्मियों को छोड़कर बाकी को छुट्टी दे दी गयी है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान सोहना खंड के गांव लाखुवास में नूंह हिंसा में घायल हुए युवाओं व उनके परिजनों से मुलाकात उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। राव इंद्रजीत सिंह ने परिजनों को आश्वस्त किया कि दोषियों को बख्शा नही जाएगा। वहीं सरकार के स्तर पर पीड़ित की जो भी संभव मदद होगी की जाएगी। इस अवसर पर गुरुग्राम के एसडीएम रविंद्र यादव, एसीपी ईस्ट डॉ. कविता, जिला समाज कल्याण अधिकारी जितेंद्र ढिल्लों सहित मेदांता प्रबंधन से कृष्ण लाल सहगल व पुलिसकर्मियों का इलाज कर रहे चिकित्सकों की टीम उपस्थित रहे।

सीमेंट से भरे ट्राला के ब्रेक फेल, पलटने से मजदूर की मौत

सोहना। तावडू-सोहना मार्ग पर घाटी से उतरते समय सीमेंट से भरा बेकाबू हुआ ट्राला शहर के अग्रसैन चौक पर पलट गया। ट्राला में भरे सीमेंट के कट्टों के नीचे दबने से करीब 50 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घाटी मार्ग पर जाम लगने की आशंका को समाप्त करते हुए सड़क पर पड़ा ट्राला और सीमेंट के कट्टों को हटाते हुए मार्ग पर वाहनों को रुकने नहीं दिया। शुक्रवार की सुबह साढ़े 6 बजे घाटी से उतर रहा सीमेंट के कट्टों से भरा ट्राला शहर के अग्रसैन चौक पर पलट गया। ट्राला में भरे सीमेंट के कट्टों पर सौ रहा 50 वर्षीय मजदूर की दब जाने से मौत हो गई। सीमेंट के कट्टों में दबा सोनू नामक मजदूर बिहार का निवासी था। जिसके सीमेंट के कट्टों पर सौ जाने की जानकारी ट्राला चालक अमर बहादुर को भी नहीं थी। मौके पर मौजूद स्थानीय निवासी विक्की का कहना है कि घाटी से आया एक और ट्राला के चालक ने मजदूर के सीमेंट कट्टों के नीचे दब जाने की जानकारी दी। जिससे दूसरा ट्राला चालक ने रास्ते में आते समय बैठा देखा था। मजदूर को मौके पर मौजूद नागरिकों की मदद से कट्टों के बीच में से निकाला। लेकिन तब तक मजदूर की मौत हो चुकी थी। मौके पर पहुंची शहर थाना पुलिस ने मृतक मजदूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सड़क पर पलटा हुआ ट्राला और सीमेंट के कट्टों को तुरन्त प्रभाव से हटाने हुए घाटी मार्ग पर जाम की समस्या नहीं बनने दी। चालक अमर बहादुर ने बताया कि घाटी से उतरते समय करीब 500 मीटर पहले ऑवर लोड होने के कारण ब्रेक फेल हो गए थे। सदर थाना के नीचे मार्ग पर बना गतिरोधक पर ट्राला उछल गया। जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया। संतुलन बिगड़ने से ट्राला मार्ग के ऊपर पलट गया। चालक ने बताया कि झाडली प्लांट से सीमेंट लेकर सोहना ही आ रहे थे।

युवकों पर डंडों से हमला कर घायल किया

फरीदाबाद। एटा यूपी से रोजी रोटी की तलाश में आए दो युवकों पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने लूट के इरादे से डंडों से हमला कर दिया। जिसमें दोनों घायल हो गए। गंभीर अवस्था में एक को दिल्ली सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पल्ला थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। उत्तर प्रदेश के एटा जिला निवासी 27 वर्षीय कुलदीप ने पुलिस को बताया कि 12वीं तक पढ़ा है। वह रोजी रोटी की तलाश में आठ अगस्त को अपने दोस्त रविंद्र के साथ फरीदाबाद आया था। सराय ख्वाजा में गुरुकुल फाटक के पास दोनों ने अपना सामान ले रखा था। इसी बीच दुर्गा बिल्डर से बंटी ने उन्हें अपने पास बुलाया और उन्हें काम पर रखने की बात कही। बंटी के बुलाने पर यह दोनों दुर्गा बिल्डर ठेके के पास पहुंचे। पास में ही जेसीबी मशीन चल रही थी। बंटी के कहने पर दोनों मौके पर ईंट उठाने का काम करने लगे। इस दौरान चार-पांच युवक मोटरसाइकिल से उनके पास पहुंचे और दोनों के साथ मारपीट करने लगे। जब कुलदीप मौके से भागने लगा तो उन्होंने डंडों से पीटना शुरू कर दिया। उनके इरादों को भांपते हुए दोनों वहां से किसी प्रकार बच कर निकलने की कोशिश करने लगे। हमलावरों ने उसके दोस्त रविंद्र के सिर पर डंडे से वार किया। घटना के दौरान कुलदीप का पर्स गुम हो गया, जिसमें पैन कार्ड, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड व कुछ रुपये थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों को बीके अस्पताल पहुंचाया।

गुरुग्राम की पुलिस कमिश्नर पर की भ्रामक टिप्पणी

आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में किया गया केस दर्ज

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की पुलिस कमिश्नर कला रामचन्द्रन पर ट्वीटर हैंडल मुकेश केआरडी से भ्रामक टिप्पणी की गई। इस टिप्पणी को लेकर गुरुग्राम पुलिस ने आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

शुक्रवार देर रात को मुंकेश कुमार नामक व्यक्ति के ट्वीटर हैंडल मुकेश केआरडी से एक मैसेज किया गया। जिसमें लिखा कि-गुड़गांव की पुलिस कमिश्नर को एजेन्यूज (अल जजीरा न्यूज चैनल) से फोन किया जा रहा है। हिन्दुओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जा रहा है। डीसी गुरुग्राम को फोन आने के बाद इतने दबाव में आ जाती हैं कि कहीं से भी हिंदूवादी कार्यकर्ताओं को उठा रही हैं। सीएमओ हरियाणा संज्ञान लें। यह मैसेज लिखने वाले को इतना भी याद नहीं रहा कि वह बात तो पुलिस कमिश्नर की कर रहा है और नीचे डीसी गुरुग्राम लिख दिया। मैसेज के साथ गुरुग्राम की पुलिस कमिश्नर कला रामचन्द्रन की तस्वीर के साथ सुदर्शन न्यूज अल जजीरा का लोगो जोड़कर वायरल किया गया। पुलिस ने इस मैसेज की जानकारी मिलतें ही छानबीन शुरू कर दी। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बताया कि यह मैसेज बेबुनियाद, असत्य व भ्रामक तथ्यों के आधार पर किया गया। इस पर संज्ञान लेते हुए गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में थाना साइबर पूर्व गुरुग्राम में आईटी एक्ट की धारा 66सी, 153बी, 401, 469 व 505(1)(सी) के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मैसेज की व

सीपी को किया गया यह मैसेज।

मैसेज भेजने वाले की जांच की जा रही है।

बिना अनुमति ना करें रैली, जुलूस

गुरुग्राम पुलिस द्वारा लोगों से अपील की गई है कि जिला प्रशासन से उचित अनुमति लिए बिना कोई भी रैली या जुलूस ना निकालें। एसीपी क्राइम-1 वरुण दहिया ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस आमजन से यह भी अनुरोध करती है कि ऐसी रैलियों, जुलूसों में भाग लेने वाले लोग उत्तेजक नारे लगाने या ऐसे भाषण देने, बैनर ले जाने या किसी भी ऐसे कार्य में शामिल होने से परहेज करें, जो किसी भी समुदाय की भावनाओं को आहत करता हो तथा शांति भंग करता हो।

राघव चड्ढा का राज्यसभा से निलंबन स्वागत योग्य कदम: नवीन गोयल

संसद की मर्यादा सीखनी है तो पीएम नरेंद्र मोदी से सीखें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह संयोजक नवीन गोयल ने फर्जी हस्ताक्षर मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निलंबित करने के कदम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऐसा करके सभापति ने जाहिर कर दिया है कि फर्जी काम करने वालों के साथ ऐसी सख्ती होगी। संसद की मर्यादा नहीं मानने वाले नेताओं को समझ आ जाना चाहिए कि उन्हें जिस पद के लिए चुना गया है, उसकी मर्यादा भी जरूरी है।

नवीन गोयल।

नवीन गोयल ने कहा कि संसद में एक सांसद को जनता की आवाज उठानी चाहिए, न कि संसद की मर्यादा तार-तार करनी चाहिए। आम आदमी पार्टी के सांसद सुर्खियों में आने के लिए अनाप-शनाप बातें संसद में करते हैं। यह किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता। नवीन गोयल ने कहा कि आप के नेताओं की भाषा भी घमंडी होती है और उनका आचरण भी अहंकारी होता है। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा के साथ-साथ सांसद संजय सिंह की सदस्यता भी रद्द की जानी चाहिए। आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं को खत्म करने के मुख्य सूत्रधार अरविंद केजरीवाल हैं।

उन्होंने एक के बाद एक नेता का राजनीतिक कैरियर खत्म कर दिया है। सबसे पहले मंत्री सतेंद्र सिंह हवाला कारोबार के आरोपी में जेल गए। शराब घोटाले में मंत्री मनीष सिसोदिया अब तक जेल में हैं। अब फर्जी हस्ताक्षर करने वाले राघव चड्ढा का भी जेल जाना तय है। नवीन गोयल ने कहा कि संसद एक मंदिर के समान है। उसे पूजनीय मानने की बजाय आप के नेता अपमानित करते हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीख लेनी चाहिए, जिन्होंने नए, पुराने संसद भवन में नतमस्तक होकर पूजा की।

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी की छात्रा ने फ्लैट में की आत्महत्या, कारणों का पता नहीं

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी की छात्रा ने सोसायटी के फ्लैट में फांसी का फंदा गले में लगा आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा बीसीए द्वितीय कक्षा में पढ़ती थी। पुलिस ने मृतक छात्रा के शव का शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

गुरुवार को दौला जाने वाले मार्ग पर बनी एमवीएन सोसायटी के फ्लैट में रहने वाली बीसीए द्वितीय कक्षा की छात्रा दीपिका ने अपने गले में दुपट्टा गले में बांध छत पर लगा बिजली के पंखा पर लटका फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा दीपिका गुरुवार को यूनिवर्सिटी नहीं गई थी। उसके साथ इसी फ्लैट में रहने वाली दीपिका की सहेली वैशाली जब दोपहर बाद यूनिवर्सिटी से आई तो उसने दरवाजा कई बार बजाया और दीपिका के मोबाइल पर कॉल की। लेकिन दीपिका ने न दरवाजा खोला और न ही उसका फोन सुना। शक के आधार पर वैशाली ने अपने जानकार को एमवीएन सोसायटी में फोन करके बुलाया। जिन्होने मिलकर पहले दरवाजा को तोड़ते हुए अंदर घूसे और सामने बिजली के पंखा पर लटकी मृत दीपिका को देख उनके पैरों तले जमीन खिसने लगी। वैशाली ने पहले अपने जानकार के साथ मिलकर वीडियो बनाई और पुलिस समेत दीपिका के शाहदरा निवासी परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए छात्रा के शव को फांसी के फंदे से उतारने के बाद गुरुवार की रात को ही पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शव गृह कक्ष में रखवा दिया। जिसका शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों का सौंप दिया।

आईएएस बनना चाहती थी बेटी

मृतक छात्रा के पिता बालकिशन ने बताया कि उसके एक बेटी व बेटा दो संतान है। दीपिका पढ़ाई में बचपन से ही होशियार थी। वह आईएएस बनना चाहती थी। लेकिन उसने एक साल पहले अपना मन बदलते हुए बीसीए करने की योजना बनाते हुए केआर मंगलम यूनिवर्सिटी में अपनी सहेली के साथ मिलकर दाखिला लिया था। दीपिका व उसकी सहेली ने एक साथ ही फ्लैट में रहने का फैसला करे हुए रहना शुरु कर दिया था।

बुधवार की रात 10 बजे की थी बात

मृतक दीपिका के पिता बालकिशन ने बताया कि बुधवार को शाहदरा से फ्लैट में आने के बाद रात 10 बजे आखिरी बार फोन पर बातें हुई थी। तब भी दीपिका ने उसे और अपनी मम्मी को अपनी कोई परेशानी नहीं बताई थी। उन्हे भी कभी दीपिका परेशान नजर नहीं आई थी।

सुरेन्द्र वर्मा बने हुई ऑल इंडिया रिपोर्ट्स एसो. के राष्ट्रीय प्रभारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/गुरुग्राम।

स्थानीय सिटिजंस अवेयरनेस ग्रुप (सीएजी) के संस्थापक समाजसेवी सुरेन्द्र वर्मा को ऑल इंडिया रिपोर्ट्स एसोसिएशन ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रभारी नियुक्त किया गया है। दिल्ली में उनकी इस नियुक्ति पर मीडिया जगत ने स्वागत किया है।

सुरेन्द्र वर्मा 2008 में चंडीगढ़ स्थित फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से जनसंपर्क अधिकारी के रुप में रिटायर्ड हुये थे। जिसके बाद उन्होंने देश भर उपभोक्ताओं को जागरुक करने की दिशा में सिटिजंस अवेयरनेस ग्रुप का गठन किया है। सीजीए सरकारी एजेंसियों के सहयोग देश भर में उपभोक्ता मामलों के प्रति

सुरेंद्र वर्मा।

जागरुकता पैदा करती है। सुरेन्द्र वर्मा पत्रकारिता में अपनी अमिट छाप छोड़ चुके हैं। वर्मा पत्रकारिता संबंधी कई अन्य जिम्मेदारियों को भी संभाले हुये है। वे नेशनल मीडिया कॉन्फेडरेशन के नेशनल डिप्टी प्रेजीडेंट, ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फेडरेशन के नेशनल वाईस प्रेजीडेंट और नेशनल मीडिया फाउंडेशन के स्टेट प्रेजीडेंट हैं।

एसबीआई कार्ड ने रुपे क्रेडिट कार्ड के जरिये यूपीआई ट्रांजेक्शन की सुविधा चालू की

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ /आगरा

भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने के एकल व्यवसाय का संचालन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने आज रुपे प्लेटफॉर्म पर जारी एसबीआई क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने की घोषणा की है।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड के ग्राहक 10 अगस्त, 2023 से रुपे प्लेटफॉर्म पर जारी अपने क्रेडिट कार्ड के ज़रिये यूपीआई ट्रांजैक्शन कर पाएंगे। ग्राहक अपने क्रेडिट कार्ड को तीसरे पक्ष के यूपीआई ऐप्स के साथ पंजीकृत करके इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इससे रुपे प्लेटफॉर्म पर एसबीआई कार्ड का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए अवसर और बढ़ जाएंगे, साथ ही उन्हें यूपीआई के ज़रिये बेहतर, सुविधाजनक और बिना किसी परेशानी के भुगतान की सुविधा का अनुभव प्राप्त होगा।

श्री रामा मोहन राव अमारा, एमडी एवं सीईओ, एसबीआई कार्ड, ने कहा, इस सुविधा की शुरुआत के साथ, अब एसबीआई कार्ड के ग्राहक

एसबीआई कार्ड द्वारा जारी अपने रुपे क्रेडिट कार्ड का उपयोग यूपीआई प्लेटफॉर्म पर कर पाएंगे। मौजूदा दौर में यूपीआई एक बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म बन चुका है, जिसके माध्यम से हर दिन लाखों ट्रांजैक्शन किए जाते हैं। इससे हमारे ग्राहकों को काफी सहूलियत मिलेगी और वे बिना किसी परेशानी के कहीं भी अपने कार्ड का उपयोग कर पाएंगे। इस घोषणा के साथ ही, इंडस्ट्री में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दिखाई देने वाली है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए श्री दिलीप अस्बे, एमडी एवं सीईओ, एनपीसीआई, ने कहा, एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ना, सही मायने में भारत में डिजिटल पेमेंट की प्रगति में एक बड़ी उपलब्धि है। इस साझेदारी से एसबीआई रुपे क्रेडिट कार्डधारकों के लिए सहज तरीके से यूपीआई पेमेंट करना संभव हो जाएगा, और उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम क्रेडिट कार्ड से लेनदेन का अनुभव मिलेगा। देश में क्रेडिट कार्ड की मांग बढ़ती जा रही है, जिसे देखते हुए लगातार इनोवेटिव पेमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराना बेहद जरूरी हो गया है, जो सुविधाजनक, तेज़ और सुरक्षित हो। रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ना भी इसी दिशा में उठाया गया एक कदम है।

कार्डधारक अपने एक्टिव प्राइमरी कार्ड्स को यूपीआई पर रजिस्टर कर सकते हैं और अपने क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके मर्चेंट को भुगतान (PwM ट्रांजैक्शन) कर सकते हैं। ग्राहकों के लिए यह सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है। ग्राहकों को अपने क्रेडिट कार्ड को यूपीआई के साथ सफलतापूर्वक जोड़ने के लिए इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है कि, कार्डधारक का एसबीआई कार्ड के साथ पंजीकृत मोबाइल नंबर भी यूपीआई के साथ जुड़ा होना चाहिए।

एसबीआई कार्ड द्वारा जारी अपने रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने के लिए इन आसान चरणों का पालन करें:

प्ले स्टोर/ऐप स्टोर से अपना पसंदीदा यूपीआई थर्ड पार्टी एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह ने दंगा पीड़ितों के घर पहुंचकर जाना हाल

सोहना। केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह ने सोहना और लाखूवास गांव का दौरा करते हुए हिंसात्मक घटनाओं में घायल हुए युवकों का हालचाल जानने पहुंचे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने दोषियों को कड़ी सजा और पीडितों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह 31 जुलाई को शहर के अंबेडकर बाईपास चौक पर हुआ दंगा में घायल हुए युवकों से हालचाल जानने के लिए पहुंचे। गांव लाखूवास में विरेन्द्र, महेन्द्र व विकास से उनके घर पर जाकर मिले। वहीं सोहना के वार्ड-18 निवासी अमित गर्ग के घर पहुंचकर हालचाल जाना। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह पीडितों को हर संभव मदद का भरोसा देते हुए सरकार से अधिक से अधिक मदद का आश्वासन दिया। उन्होने कहा कि दंगों में घायल होने वालों को सीएसआर फंड से भी सहायता राशि प्रदान कराई जाएगी। इस अवसर पर मौजूद पीड़ितों के परिजन व अन्य मौजूद नागरिकों को आश्वासन देते हुए कहा क दोषियों को बक्सा नहीं

शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह सोहना में 31 जुलाई को हुआ दंगा में घायल अमित गर्ग को उसके मिलकर हाल चाल जानते हुए।

जाएगा। हर हाल में दंगा करने करके आपसी भाईचारे को खराब करने वालों को जेल की हवालात में डालने का काम किया जाएगा। उन्होने कहा राज्य सरकार दोषियों को सजा दिलाने में भरपूर कोशिश कर रही है। समाज व भाईचारे को खराब करने वाला मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन होता है। 31जुलाई को नूंह व सोहना में हुई हिंसात्मक घटना की बारिकी से जांच की जा रही है। पुलिस अभी भी दोषियों की गिरफ्तारी करने में रुकी नहीं है। दोषियों को गिरफ्तार करने में अन्य प्रकार की सरकारी एजेंसियां 24 घंटा काम करने में जुटी है।

स्लैक द्वारा किए गए नए अध्ययन में सामने आया कि लगभग 75 प्रतिशत भारतीय डेस्क कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई और ऑटोमेशन अपना रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आज स्लैक ने अपनी नई स्टेट ऑफ वर्क रिपोर्ट के परिणाम जारी किए, जिनमें सामने आया कि भारतीय संगठन अपने कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए इनोवेटिव और प्रभावशाली विधियाँ तलाश रहे हैं। यह रिपोर्ट 2000 से भी ज्यादा भारतीय डेस्क कर्मचारियों पर किए गए एक सर्वे पर आधारित है, जिसमें सामने आया कि एआई और ऑटोमेशन क्षमताओं में बार-बार होने वाले, ज्यादा समय लेने वाले कार्यों को स्ट्रीमलाईन एवं ऑप्टिमाईज करने की क्षमता है ताकि भारतीय डेस्क कर्मचारी ज्यादा महत्वपूर्ण और सामरिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। ये परिणाम स्लैक द्वारा नौ देशों में 18,000 से ज्यादा कर्मचारियों के बीच किए गए सर्वे का हिस्सा हैं।

इस रिपोर्ट में आज कर्मचारी की उत्पादकता बढ़ाने वाले और आधुनिक काम को परिभाषित करने वाले तीन ट्रेंड्स का खुलासा हुआ:

1.एआई और ऑटोमेशन संगठनों में उत्पादकता बढ़ाकर क्रांति ला रहे हैं।

2.हाईब्रिड काम के युग में ऑफिस कार्य और डिजाइन की परिभाषा बदल रही है।

3.कर्मचारी की संलग्नता और प्रतिभा के विकास से भी उत्पादकता पर सीधा असर होता है।

भारत विश्व में एआई अपनाने के मामले में नेतृत्वकर्ता है जिन संगठनों ने एआई टूल्स और ऑटोमेशन अपना लिए हैं, उनमें उत्पादकता बढ़ने की संभावना है। भारत में जिन संगठनों ने अपने काम में एआई को अपना लिया है, उन संगठनों में एआई न अपनाने वाले संगठनों के मुकाबले उत्पादकता बढ़ने की 53 प्रतिशत ज्यादा संभावना है। विश्व में सर्वे में शामिल अधिकांश (77 प्रतिशत) कर्मचारियों ने कहा कि रोजमर्रा के कामों, जैसे खर्चे की रिपोर्ट के अनुमोदन पाने की प्रक्रिया को ऑटोमेट करने से उनकी उत्पादकता बढ़ेगी।

विश्व में जो लोग काम में ऑटोमेशन का उपयोग करते हैं, वो अनुमानत: हफ्ते में औसतन 3.6 घंटे बचाते हैं, यह साल में कम से कम एक महीने का समय हर कर्मचारी को उत्पादक कार्यों में लगाने के लिए देने के बराबर है। एआई और ऑटोमेशन के अलावा, भारतीय डेस्क कर्मचारियों को काम के नए तरीके ज्यादा फायदेमंद महसूस हो रहे हैं। हाईब्रिड काम के युग में भारतीय कर्मचारी लचीलापन और ऐसी व्यवस्था चाहते हैं, जो समावेशन और सहयोग को बढ़ावा दे। भारत में सर्वे में शामिल कर्मचारियों ने कहा कि काम का लचीला शेड्यूल उनके नियोक्ताओं द्वारा उनकी उत्पादकता बढ़ाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है।

हालांकि, चाहे जहां से हो, एक दूसरे के साथ काम करने के कर्मचारियों के तरीकों में सुधार लाने के लिए आधुनिक स्ट्रेट्जीज का उपयोग केवल कुछ एग्जिक्यूटिव्स ही करते हैं:

विश्व में सर्वे में शामिल केवल 19 प्रतिशत लोग ही अलग-अलग समय पर काम करने को प्रोत्साहित करते हैं, उदाहरण के लिए जब उन्हें स्टेटस अपडेट देना हो। एक तिहाई वैश्विक कर्मचारी (35 प्रतिशत) मीटिंग्स में काफी ज्यादा समय बिताने को उत्पादकता की सबसे बड़ी चुनौती मानते हैं। डैरेक लेनी, स्लैक टेक्नॉलॉजी इवांजेलिस्ट, एपीएसी, सेल्सफोर्स ने कहा, स्टेट ऑफ वर्क रिपोर्ट के परिणाम कर्मचारी की उत्पादकता पर एआई और ऑटोमेशन के परिवर्तनकारी प्रभाव की पुष्टि करते हैं।

भिड़ूकी गांव की डिस्पेंसरी में यूनानी चिकित्सक का पद रिक्त

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला पलवल के सबसे बड़े गांव भिड़ूकी की यूनानी डिस्पेंसरी में डॉक्टर का पद रिक्त होने से गांव भिड़ूकी व आस-पास के गांवों के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार रिक्त पद को भरने की मांग स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों की गई, परंतु अभी तक कोई अमल नहीं हुआ है। जिससे लोग दूसरी जगह इलाज करवाने को मजबूर हैं।

ग्रामीण घनश्याम चौधरी, टेकचंद, विक्रम शर्मा, शशि कुमारी, खुशबू शर्मा आदि का कहना है कि भिड़ूकी गांव पलवल व जिला फरीदाबाद का सबसे बड़ा गांव है।

ग्रामीण इलाज के लिए पलवल-होडल के चक्कर लगाने को मजबूर

इस गांव में हजारों लोग रहते हैं, वहीं आसपास के गांव बाता, बांसा, खिरबी, खांबी, शेखसाई, गौडोता, विजयगढ़, हसनपुर, माहौली आदि के लोग इलाज के लिए यहां आते हैं। परंतु पिछले सालभर से यहां डॉक्टर का पद रिक्त पड़ा है। इसकी वजह से ग्रामीणों को इलाज के लिए पलवल, होडल आदि शहरों में जाकर इलाज करवाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वैसे यहां दूसरे डॉक्टर की ड्यूटी लगाई हुई है, परंतु डॉक्टर पर दूसरी जगह का भी चार्ज होने से सप्ताह में एक या दो ही दिन आ पाते हैं। जिसकी वजह से लोगों को सप्ताह के सातों दिन इलाज की सुविधा नहीं मिल पाती है। लोगों का कहना है कि इस समय बरसात का मौसम चल रहा है। पूरे ग्रामीण क्षेत्र में जुकाम, खांसी, वायरल, बुखार, आईफ्लू, सिर दर्द, बदन दर्द, डायरिया व दूसरी बीमारियों का प्रकोप चल रहा है। डॉक्टर नहीं होने से ग्रामीणों को इलाज के लिए पलवल व होडल जाना पड़ता है। कई बार इलाज के लिए दूसरे ग्रामीण क्षेत्र में भी जाना पड़ता है। दूर जाकर इलाज करवाने से लोगों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। जिससे कई बार मरीज की हालात तक खराब हो जाती है। इस प्रकार इलाज कराने से इलाज का खर्च हजारों रुपये हो जाता है, जो गरीब लोगों की पहुंच से बाहर होता है। कई बार रात में मरीज की हालात खराब होने पर लोगों को टैक्सी व कार किराए पर लेकर जाना पड़ता है। रात को टैक्सी आदि नहीं मिलने पर मरीज की जान को खतरा है। लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, परंतु भिड़ूकी व आसपास के लोग डॉक्टर नहीं होने से आज भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा से वंचित हैं। लोगों का कहना है कि गांव में तुरंत डॉक्टर की नियुक्ति की जाए, जिससे इलाज के लिए लोगों को बाहर नहीं जाना पड़े।

डिस्पेंसरी में डॉक्टर के पद रिक्त होने की वजह से ग्रामीणों का इलाज समय पर नहीं हो पाता है। जिससे कई बार मरीज की हालात ज्यादा खराब हो जाती है।

-विक्रम वाशिष्ठ

डिस्पेंसरी में डॉक्टर के नहीं होने से गांव व आस-पास के लोग इलाज के लिए होडल, पलवल शहरों को जाने को मजबूर हैं। शहरों में इलाज करवाना बहुत ही मंहगा होता है।

-घनश्याम चौधरी

डॉक्टर का पद काफी दिनों से रिक्त होने से महिलाओं व छोटे बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। इसलिए यहां डॉक्टर की नियुक्ति की बहुत आवश्यकता है।

मंजू शर्मा

यूनानी डिस्पेंसरी भिड़ूकी में चिकित्सक की मांग ऊपर भेजी हुई है। डॉक्टर आते ही चिकित्सक की नियुक्ति कर दी जायेगी, जिससे ग्रामीणों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके।

-डॉ. संजीव तोमर, आयुष विभाग

संक्षिप्त समाचार

डीपीएस कोच महेश डागर हरियाणा रत्न से सम्मानित

पलवल। दिल्ली पब्लिक स्कूल न्यू कॉलोनी पलवल में कार्यरत कोच महेश डागर को हरियाणा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया कांफ्रेंस ऑफ इंटेलेक्चुयल संस्था के 45वीं वर्षगांठ उत्सव पर जीजीडीएस विद्यालय, चंडीगढ़ में सभी श्रेष्ठ कोचों को सम्मानित किया गया। जिसमें महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, जम्मू कश्मीर आदि राज्यों के कोच भी उपस्थित थे। प्रकाश निधि शर्मा एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, राजेश टंडन (जस्टिस फार्म्स हाईकोर्ट जज), एचपी सिंह राजा (संयोजक पीएनएच) की अध्यक्षता में कार्य समापन किया गया। विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन एसपी लाल व चेयरपर्सन रानी लाल ने महेश डागर को इस उपलब्धि पर बधाई दी व भविष्य में भी इसी तरह सफलता प्राप्त करने की कामना की। कोच महेश डागर ने भी उनका आभार प्रकट किया व उनके सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया।

अर्जुन अवॉर्डी इंस्पेक्टर नेहा राठी ने कनाडा में जीता गोल्ड मेडल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की इंस्पेक्टर नेहा राठी ने कनाडा के शहर विनीपैक में 28 जुलाई से सात अगस्त तक आयोजित वर्ल्ड पुलिस गेम्स में कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर भारत देश के साथ साथ फरीदाबाद पुलिस का नाम भी रोशन किया है। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में प्रशंसा पत्र व श्रीमद् भगवतगीता भेंट कर उन्हें सम्मानित किया है। पुलिस आयुक्त ने उनकी खेल प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार हरियाणा पुलिस का का नाम रोशन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। खेलों में हिस्सा लेने के साथ-साथ वह महिला थाना बल्लभगढ़ और महिला थाना सेंट्रल की थाना प्रबंधक रह चुकी हैं। थाना प्रभारी के रूप में न्याय संगत कार्य किया है। हाल ही में इंडिया पुलिस गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। नेहा राठी ने वर्ष 1998 गेम्स में पहला नेशनल मेडल प्राप्त किया जो प्रतियोगिता नासिक में आयोजित की गई थी, जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया था। इसके पश्चात उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती रही। वर्ष 2005 में उन्हें हरियाणा के खेलों में सबसे बड़े अवॉर्ड भीम अवार्ड से सम्मानित किया गया था। उन्हें भारत कुमारी और हरियाणा केसरी से भी नवाजा जा चुका है। पढ़ाई में वह डबल एमए, बीपीएड तथा एमपीएड कर चुकी हैं। एनआईएस की कोचिंग ले चुकी हैं। जुलाई में कनाडा में खेले गये वर्ल्ड पुलिस गेम्स में सभी देशों के पहलवानों ने भाग लिया था। जिसमे नेहा राठी का फाइनल मुकाबला फिलीपींस की खिलाड़ी के साथ हुआ। जिसमें नेहा राठी ने फाइनल में जीत हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और विश्व पुलिस गेम्स में भारत का नाम रोशन किया।

दुर्घटना संभावित स्थानों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

फरीदाबाद। डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन ट्रैफिक का निरीक्षण करने के लिए मथुरा हाईवे स्थित कई स्थानों पर पहुंचे और वहां पर यातायात का निरीक्षण कर संबंधित पुलिस अधिकारियों को अहम दिशा निर्देश दिए। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि डीसीपी ट्रैफिक यातायात का निरीक्षण करने के लिए मथुरा फ्लाईओवर पहुंचे, जहां पर उन्होंने बाटा चौक, मेवला महाराजपुर फ्लाईओवर, खेड़ीपुल, बड़खल चौक इत्यादि के आसपास के एरिया में ट्रैफिक का निरीक्षण किया। उन स्थानों पर कई बार सड़क दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं, जिसकी वजह से कई लोगों की जान भी चली जाती है। कुछ लोग गलत दिशा में वाहन चलाते हैं, जिसकी वजह से इस प्रकार की सड़क दुर्घटनाएं घटित होती हैं और फ्लाईओवर पर गलत लेने में वाहन चलाने के कारण भी वाहन आपस में टकरा जाते हैं। जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती है। इसके साथ-साथ उक्त स्थानों पर अक्सर जाम भी लगता है, जिसके कारण वाहन बहुत धीमी गति में आगे बढ़ते हैं या बहुत समय तक रुके रहते हैं। जिसकी वजह से यात्रियों को आवागमन में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिसको देखते हुए डीसीपी ट्रैफिक में उक्त एरिया में यातायात का निरीक्षण किया। डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि गलत तरीके से पार्किंग करने की वजह से सड़क का रास्ता रुक जाता है, जिसकी वजह से आने जाने वाले वाहनों को निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाती। जिससे वह आगे नहीं बढ़ पाते और एक ही जगह पर रुक कर खड़े हो जाते हैं। जिसकी वजह से उनके पीछे आने वाले वाहन भी उनके पीछे खड़े रहते हैं और एक लंबा जाम लग जाता है। इसलिए जेडओ द्वारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और पुलिस द्वारा वाहनों का व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जहर पिलाकर विवाहिता की हत्या, तीन के खिलाफ केस

ससुराली कर रहे थे पैसों की मांग

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कौंडल गांव में एक विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोप है कि पति, सास और ससुर ने जबरदस्ती उसे कोई जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या की है। बहीन थाना पुलिस ने मामले में मृतका के पति सहित तीन के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बहीन थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, बंचारी गांव निवासी करण सिंह ने दी शिकायत में कहा है कि उसने करीब 25 वर्ष पूर्व अपनी बेटी प्रेमलता का विवाह कोंडल गांव निवासी कृष्ण कुमार के साथ किया था। शादी के बाद से ही प्रेमलता को उसके ससुराल वाले पति कृष्ण

मृतका का फाइल फोटो।

कुमार, ससुर कमान सिंह व सास पिस्तो देवी परेशान करने लगे। जिसके लिए उसकी बेटी प्रेमलता के साथ कई बार मारपीट की जाती थी।

ससुराली उसकी बेटी प्रेमलता से पैसों की मांग करते थे और उसे प्रताड़ित करते थे। जून माह में भी उसकी बेटी के साथ मारपीट की गई थी और उसे घर से निकाल दिया गया था। जिसके बाद उसकी बेटी उसके पास आ गई और काफी दिन उनके पास अपने मायके बंचारी गांव में ही रही। लेकिन उनका धेवता परविंद्र एक दिन आया और अपनी मां को कोंडल ले गया। वहां ससुराल वालों के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया।

ससुराल वाले फिर से उसकी बेटी को परेशान करने लगे। आरोप है कि उसकी बेटी के साथ पहले मारपीट की और फिर जबरन जहर खिला दिया। इस बारे में उन्हें कोई सूचना भी नहीं दी गई। लेकिन कोंडल में ही ब्याही उनकी दूसरी बेटी से उन्हें पता चला कि प्रेमलता को जहर खिला दिया गया है और उसकी मौत हो गई है। बहीन थाना प्रभारी सुरेंद्र ने बताया कि प्रेमलता की मौत फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई है। उन्होंने मृतका के पिता की शिकायत पर आरोपी पति कृष्ण, ससुर कमान सिंह, सास पिस्तो देवी के खिलाफ हत्या केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अलग-अलग सड़क हादसों में पैदल जा रहे दो युवकों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

नेशनल हाईवे पर बामनीखेड़ा गांव से पैदल-पैदल अपने घर जा रहे दो भाइयों में से एक भाई को बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घायल की मौके पर ही मौत हो गई और बाइक सवार दुर्घटना के बाद बाइक लेकर फरार हो गया। वहीं दूसरे हादसे में खाना खाकर टहलने निकले युवक की मौत हो गई।

सदर थाना प्रभारी विश्व गौरव के अनुसार मीतरोल गांव निवासी बीरपाल ने शिकायत में बताया कि वह रात करीब नौ बजे अपने भाई बीर सिंह के साथ बामनीखेड़ा गांव से पैदल-पैदल नेशनल हाईवे से होते हुए अपने गांव मीतरोल के लिए जा रहा था। दोनों भाई हाईवे पर बसंत ढाबा के निकट पहुंचे। बीरपाल के अनुसार, ढाबे के पास पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने उसके भाई बीर सिंह को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से भाई सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसके भाई बीर सिंह को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

दूसरी तरफ अल्लीका गांव निवासी नानकचंद ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह सोहना रोड स्थित सेक्टर-7 का रहने वाला है। उसका भांजा सुधीर भी यहीं रहता है। सुधीर और उनका बेटा गजेंद्र गुरुवार रात को खाना खाने के बाद करीब आठ बजे बाहर पलवल-सोहना मार्ग पर टहलने के लिए चले गए। दोनों जब पलवल-सोहना रोड पर टहल रहे थे, उसी दौरान पीछे से एक तेज रफ्तार बाइक बाइक आई और सुधीर को टक्कर मार दी।

सुधीर उछलकर सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटे ने घटना की सूचना तुरंत परिजनों को दी। वे घायल अवस्था में सुधीर को लेकर जिला नागरिक अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने सुधीर को मृत घोषित कर दिया। सुधीर दो बहनों का इकलौता भाई था। बहन ने सुधीर को बड़े लाड़-प्यार से पाला था। पुलिस ने मृतक सुधीर के मामा नानकचंद की शिकायत बाइक चालक पातली खुर्द निवासी भगवत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सड़क पर सिर लगने से बीर सिंह की जान गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही वाहन चालाकों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना कि वाहन चालकों व क्षेत्रवासियों को गाड़ी ठीक ढंग से चलाने के लिए समय-समय पर जागरूक किया जाता है व हिदायत दी जाती है।

निरोगी योजना में 6.82 लाख लाभार्थियों में से 1.11 लाख का बना कार्ड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

निरोगी योजना के तहत जिले के 1.11 लाख लोगों का बीके नागरिक अस्पताल में जांच किया गया है। जिसमें से करीब दो हजार मरीजों की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए निजी अस्पतालों में रेफर किया गया। वहीं, 70 मरीजों को बीके अस्पताल में उपचार किया गया। इस योजना में करीब 6.82 लाख शामिल हैं।

निरोगी योजना के नोडल अधिकारी डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि जिले के नागरिकों को उपचार हेतु 6 वर्गों में विभाजित किया गया है। जिसमें 0 से 6 साल, 6 से 18 साल, 18 से 40 साल, 40 से 60 साल और 80 से अधिक आयु के लोग शामिल है। प्रत्येक वर्ग के लाभार्थियों को अलग-अलग रंग के ओपीडी कार्ड बनाए जा रहे है। स्वास्थ्य जांच में संपूर्ण सामान्य शारीरिक जांच, शारीरिक माप ऊंचाई वजन पल्स बीपी, दांतों और आंखों की जांच शामिल है। इस योजना के तहत लाभार्थियों के सूचीबद्ध श्रेणीवार लैब टेस्ट किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत 6.82 लाख लाभार्थियों में से मात्र 6 प्रतिशत लोगों को अभी उपचार मिला है।

डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि जिले में एक लाख 80 हजार से कम आय वाले लोगों के लिए निरोगी योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का फ्री उपचार कार्ड बनाया जा रहा है। उनके जिले में कुल 6.82 लाख लोग है। जिनका नियोगी योजना के तहत कार्ड बनाया जाएगा। अभी तक जिले के 1.11 लाख लोगों के कार्ड को बनाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इसमें से 223500 लोगों के खून की जांच की गई। इसके अलावा 2462 मरीज एनीमिया, टीबी, कैंसर, कम वर्जन आदि के पाए गए है। इसके अलावा 200 मरीज शुगर व 260 मरीज बीपी के भी पाए गए हैं। दो हजार मरीज गंभीर होने की वजह से उनको रेफर करके उपचार किया गया। वहीं, 70 मरीजों को बीके अस्पताल में भर्ती करके उपचार दिया गया। बीके अस्पताल में निरोगी योजना के लिए काउंटर बनाया है।

अनुकूल मिट्टी की स्थिति पौधों के विकास को गति देती है : डॉ. बीएस सहरावत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

गांव सिहोल स्थित धानुका एग्रीटेक रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी सेंटर पलवल में एक दिवसीय किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ बागवानी विभाग हरियाणा के पूर्व निदेशक डॉ.बीएस सहरावत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर दीपक वर्मा, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. बिजेंद्र सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह, खेमचंद कुंडू, कृषि विशेषज्ञ महावीर मलिक, राजेश कुमार, लोकेंद्र कुमार, बिजेंद्र दलाल भी मौजूद थे।

डॉ. बीएस सहरावत ने एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें फसलों को हानिकारक कीड़ों तथा बीमारियों से बचाने के लिए किसानों को एक से अधिक तरीकों को जैसे व्यवहारिक, यांत्रिक, जैविक तथा रासायनिक नियंत्रण इस तरह से क्रमानुसार प्रयोग में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुकूल मिट्टी की स्थिति पौधों के विकास को गति देती

है और मजबूत फसलें संक्रमण के प्रति अधिक प्रतिरोधी होती हैं। एकीकृत कीट प्रबंधन में, मिट्टी परीक्षण यह समझने में मदद करता है कि क्या खेत इस या उस फसल के उत्पादन के लिए उपयुक्त है और फिर पौधों के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने के लिए कमी वाले पोषक तत्वों को लागू करें। कार्बनिक पदार्थ जोड़ने और मल्चिंग करने से मिट्टी के जीवों की गतिविधि को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार न केवल फसलों की पोषक तत्वों तक पहुंच को कम करते हैं, बल्कि उनके स्वस्थ विकास में बाधा डालते हैं, जिससे वे संक्रमण के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इसके अलावा, अवांछित वनस्पति कीटों को आश्रय दे सकती है। यही कारण है कि आईपीएम की खरपतवार नियंत्रण विधियां एकीकृत दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. बिजेंद्र सिंह ने पीकेसी के बारे में जानकारी दी। डॉ. वीरेंद्र द्वारा किसानों को धान और गन्ने की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बिजली की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। सेक्टर-3 में बिजली कट से परेशान लोगों ने बृहस्पतिवार को बिजली दफ्तर पर प्रदर्शन किया। आरडब्ल्यूए प्रधान रतन लाल राणा ने बताया कि पिछले दो साल से जर्जर ट्रांसफार्मर से लोगों को बिजली सप्लाई की जा रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया है। रात में बार-बार बिजली के फ्यूज उड़ जाते हैं। इसकी वजह से लोगों को रात भर जागकर काटनी पड़ती है।

बुधवार की शाम पांच बजे लाइट गई थी, जोकि बृहस्पतिवार की सुबह 11 बजे आई। बिजली कट की वजह से इनवर्टर भी बंद हो गए। इसी के चलते सेक्टरवासियों ने बिजली दफ्तर पर जाकर प्रदर्शन किया। जहां पर जेई और एसडीओ नदारद मिले, जिसके बाद कार्यकारी अभियंता से बात की गई तो उन्होंने जेई विजय को मौके पर मुआयना करने के लिए भेजा। जेई विजय ने आश्वासन दिया कि शुक्रवार को नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा। इसके बाद बिजली कट की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा।

शहीद स्मारक स्थल पर 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मेरी माटी-मेरा देश के दृष्टिगत नगर परिषद व खंड पलवल द्वारा शुक्रवार को पलवल में शहीद स्मारक स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक दीपक मंगला ने शिलाफलक पर अंकित शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान किया गया। इस मौके पर नगर परिषद के चेयरमैन डॉ. यशपाल व डीएसपी शाकिर हुसैन व गणमान्य लोग मौजूद थे। विधायक दीपक मंगला ने कहा कि देश की आजादी को 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में शुक्रवार को शहीद स्मारक स्थल पर मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

दीपक मंगला ने कहा कि यह राष्ट्र को समर्पित कार्यक्रम है, कार्यक्रम को लेकर लोगों में भारी जोश और उत्साह बना हुआ है। मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तर व ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर मिट्टी को नमन करना तथा वीरों को वंदन जैसे कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत गांवों से मिट्टी को एकत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रत्येक गांव व शहर में शिला फलक भी तैयार करके स्थापित किए जा रहे हैं, जिस पर उस संबंधित गांव अथवा शहर के स्वतंत्रता सेनानी, सेना के शहीद जवानों, पैरामिलिट्री फोर्स के शहीद, पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए जवानों के नाम अंकित है। इसके अलावा ग्राम स्तर पर शहीदों के परिजनों के साथ-साथ राज्य व केंद्र की पैरामिलिट्री फोर्स, पुलिस, आर्मी से सेवानिवृत अधिकारियों को सम्मानित भी किया जा रहा है। विधायक ने शहीद ज्ञानचंद की धर्मपत्नी गंगारती निवासी प्रकाश कॉलोनी पलवल मौजूद थे।

तिरंगा देश की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक : जगदीश नायर

तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने किया भारत माता की जय का उद्घोष

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन एवं होडल विधायक जगदीश नायर के नेतृत्व में शुक्रवार को होडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह विशाल तिरंगा यात्रा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुरू की गई, जिसका समापन माता सती सरोवर मंदिर पर किया गया। करीब तीन किलोमीटर की इस तिरंगा यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय का उद्घोष किया। करीब तीन किलोमीटर लंबी इस यात्रा को देखने के लिए सड़क के दोनों तरफ आम लोगों की भीड़ जुट गई। भव्य तिरंगा यात्रा को देख हर किसी के दिल में देशभक्ति का जोश

व उल्लास उमड़ पड़ा। लोगों ने रास्ते भर तिरंगा यात्रा पर फूलों की बारिश की। इसके उपरांत माता सती सरोवर पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक जगदीश नायर, जिलाध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया ने शिलाफलक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। विधायक ने सती सरोवर पर पौधारोपण भी किया।

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन एवं होडल विधायक जगदीश नायर ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत होडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई है। तिरंगा यात्रा को लेकर लोगों में भारी जोश और उत्साह देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान, शान है। तिरंगा यात्रा देश भक्ति, राष्ट्रीय गौरव और अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए है। होडल विधानसभा क्षेत्र के हजारों की सख्या में लोगों ने सड़कों पर तिरंगा यात्रा में भाग लिया और हाथों में कई मीटर लंबा तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर देश के वीर जवानों को याद किया। जगदीश नायर ने कहा कि देश को आजाद करने में हमारे अनेक वीरों ने बलिदान दिया है। यह तिरंगा देश की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक है। पूरा देश तिरंगा के सम्मान में खड़ा हुआ है। इस तिरंगे को कभी भी झुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस उपलक्ष्य में हम वीर बलिदानियों को नमन करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि आजादी की हर कीमत पर रक्षा करते हुए आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर विधायक के प्रतिनिधि राहुल नायर, पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह सोरौत, मंडल अध्यक्ष जगबीर, प्रेमराज, उदय सिंह सोरौत, पूर्व सरपंच कुंवर सिंह, तैयब हुसैन, यूसुफ खान दाढ़का, जगमोहन गोयल पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन, मोनू कालरा, राजीव तायल, पूर्व पार्षद चंदन सिंह, पूर्व सरपंच बंचारी अतर सिंह, घोड़ा सरपंच, डकोरा के सरपंच वीरेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच खिरवी भगत सिंह बेनिवाल, गढ़ी मनोहर, चंदन सिंह पूर्व सरपंच बेढ़ा पट्टी सहित स्कूलों के बच्चों के अलावा गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में लोकतंत्र

अनिश्चित भविष्य

पाकिस्तान में एक बार फिर लड़खड़ाता लोकतंत्र दांव पर लग गया है। नेशनल असेम्बली को समय-पूर्व भंग किए जाने से अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ है। हालांकि, शहबाज़ शरीफ़ सरकार का कार्यकाल पूरा होने से केवल तीन दिन पहले ही असेम्बली भंग की गई है, लेकिन इससे शहबाज़ सरकार को चुनावों की तैयारी के लिए 30 दिन का समय और मिल गया है। हालांकि, संभावना है कि तकनीकी कारणों से चुनाव 90 दिन के बाद भी टल सकते हैं। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ़ अलवी ने निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की सलाह पर नेशनल असेम्बली भंग की है। इससे संकेत मिलता है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल समाप्त हो गया है तथा आगामी आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। संविधान के अनुच्छेद 58 के अंतर्गत असेम्बली को संविधान द्वारा निर्धारित पांच साल के समय से तीन दिन पहले भंग किया गया है। नई जनगणना के परिणामों को मंजूरी मिलने के बाद निर्वाचन क्षेत्रों का पुन: सीमांकन होगा जिससे चुनाव में विलम्ब हो सकता है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग-ईसीपी को चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने से 120 दिन पहले परिसीमन पूरा करना होगा। हालांकि, तकनीकी रूप से प्रक्रियायें पूरी होने की आशा की जाती है, पर यह निश्चित नहीं है कि क्या ईसीपी 90 दिन की समयसीमा पर अमल करेगा। नेशनल असेम्बली भंग किए जाने के बाद संविधान के अनुच्छेद 224-ए के अंतर्गत एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री शरीफ़ तथा विपक्ष के नेता राजा रियाज़ अंतरिम प्रधानमंत्री के नाम को अंतिम रूप देंगे। यदि तीन दिन के भीतर इस नाम पर सहमति नहीं बनती है तो मामला चयन के लिए एक संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा।

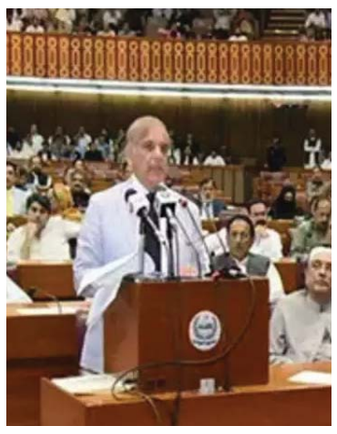

पूरी संभावना है कि फिलहाल कम से कम 6 महीने चुनाव होने की कोई उम्मीद नहीं है। इसका अर्थ है कि इस बीच लोकतंत्र 'स्थगित' रहेगा तथा कामचलाऊ सरकार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। इस समय इमरान खान जेल में बंद हैं और उनके बाहर निकलने की संभावना फिलहाल बहुत कम है। इस प्रकार सेना और शहबाज़ शरीफ़ ने प्रभावी रूप से पाकिस्तान को एक परोक्ष सैनिक शासन में बदल दिया है। सतही तौर से देखने पर सब कुछ तकनीकी व विधिक रूप से सही लगता है, लेकिन जब विपक्षी नेता जेल में बंद हों तो सत्तारूढ़ अवस्थापना को पूरी आजादी मिल जाती है। पाकिस्तान में विपक्ष को व्यावहारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ दल के भीतर तथा उसकी सहयोगियों के साथ चल रही आंतरिक राजनीति महत्वपूर्ण हो जाती है। सत्तारूढ़ पार्टी ने शायद अनुमान लगाया था कि असेम्बली भंग करने से वह अपने राजनीतिक समर्थकों को एकजुट कर सकेगी तथा विपक्षी दलों से मिलने वाली चुनौतियों का मुकाबला कर सकेगी। सरकार द्वारा अपनी लोकप्रियता के अनुमान तथा सार्वजनिक भावनाओं के आंकलन ने संभवत: इस घटनाक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे शहबाज़ शरीफ़ को इमरान-विरोधी अभियान चलाने तथा उनको बदनाम करने का अवसर मिल जाएगा क्योंकि वे अपने बचाव के लिए उपस्थित नहीं होंगे। फिलहाल अगली सरकार बनने से पहले समय और विमर्श शहबाज़ के पक्ष में है। इसके साथ ही इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद वे अराजकता को कठोरता से कुचलने का काम कर सकते हैं। लेकिन यदि शहबाज़ शरीफ़ अराजकता पर नियंत्रण में विफल रहे तो इमरान खान की जनता में लोकप्रियता बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान में अभी और परेशानियां पैदा होंगी।

अफ्रीका में बढ़ी रूस की दिलचस्पी

अफ्रीका को रूसी विदेश नीति का आधार बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके माध्यम से वह विकासशील देशों का समर्थन प्राप्त करना चाहता है।

राघवेंद्र कुमार
(लेखक, दिल्ली विश्वविद्यालय में असोसिएट प्रोफेसर हैं)

रूस लंबे समय से अफ्रीकी देशों को महत्वपूर्ण मानता रहा है। इससे वह अत्यधिक विभाजित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपना वैश्विक प्रभाव बढ़ाने तथा उसे बदलने का प्रयास कर रहा है। हाल ही में सेंट पीटर्सबर्ग में 27-28 जुलाई, 2023 को दूसरे रूस-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसे रूस अपनी भू-राजनीतिक स्थिति मजबूत करने का साधन मानता है। मास्को रणनीतिक रूप से अफ्रीका में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है ताकि वह महाद्वीप के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों पर अपना प्रभाव बढ़ा सके, अपने निर्यात बाजारों का विस्तार कर सके तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से अफ्रीका व अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना अफ्रीकन समर्थन बढ़ा सके।

54 देशों वाला अफ्रीका संयुक्त राष्ट्रसंघ में सर्वाधिक प्रभावशाली समूह है। लेकिन जहां तक यूक्रेन में रूसी कार्रवाई की निन्दा करने वाले संयुक्त राष्ट्रसंघ प्रस्तावों का सवाल है, अफ्रीका यूक्रेन में रूसी कार्रवाई की निन्दा करने में सर्वाधिक विभाजित क्षेत्र रहा है। वर्तमान समय में सेंट पीटर्सबर्ग में केवल 17 अफ्रीकी देशों ने भाग लिया, जबकि 2019 के पहले फोरम सम्मेलन में 43 देशों ने भाग लिया था। क्रेमलिन ने इसे 'अफ्रीकी देशों द्वारा हिस्सा लेने पर पश्चिमी दबाव का परिणाम' बताया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अफ्रीकी नेताओं का जोरदार स्वागत करते हुए उनसे महाद्वीप में रूस की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को मजबूत करने का आह्वान किया क्योंकि यह रूस के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पुतिन ने दो-दिवसीय सम्मेलन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है तथा इससे विश्व मंच पर 1.3 बिलियन लोगों वाले महाद्वीप का वैश्विक मंच पर प्रभाव बढ़ता है। मास्को का मुख्य उद्देश्य अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना तथा यह सिद्ध करना है कि रूस अनेक पश्चिमी देशों द्वारा खुद को अलग-थलग करने के प्रयासों का प्रभावी तरीके से मुकाबला कर सकता है।

दूसरी ओर अफ्रीकी देश स्वयं को एक ऐसे प्रभावशाली ब्लाक में बदलने का प्रयास कर रहे हैं जो रूस तथा अमेरिका के बीच छद्म युद्ध में किसी के साथ नहीं है। उनका उद्देश्य रणनीतिक रूप से अपनी आर्थिक व राजनीतिक साझेदारी को विविधतापूर्ण बनाना तथा सतही वादों से बाहर निकलना है। विश्लेषकों का कहना है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में सबसे बड़ा समूह बनाने वाले अफ्रीकी नेता अच्छी तरह अपने बढ़ते भू-रणनीतिक महत्व को समझते हैं, जबकि रूस तथा अमेरिका के बीच अनेक मोर्चों पर प्रतियोगिता बढ़ रही है। इस जागरूकता के कारण वे दोनो वैश्विक शक्तियों से सावधानी के साथ रणनीतिक संबंध विकसित कर रहे हैं।

सेंट पीटर्सबर्ग सम्मेलन के दौरान अफ्रीकी नेताओं ने यूक्रेन में टकराव को संबोधित करने में अपनी राजनयिक पहल का महत्व समझा। इस युद्ध को महाद्वीप के अनेक देश यूरोप का आंतरिक मामला मानते हैं, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम सामने आ रहे हैं जिनका प्रभाव अफ्रीकी देशों समेत सारी दुनिया पर पड़ रहा है। अफ्रीका को प्रभावित करने वाले गंभीर खाद्यान्न संकट को देखते हुए नेताओं का उद्देश्य फोरम में रूस के साथ समझौता करने पर था। इसके कारण उन्होंने तत्काल एक समाधान पर जोर दिया जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित प्रभावों से बचा जा सके तथा अफ्रीका पर पड़ रहे खाद्यान्न संकट में राहत मिले। लेकिन यह तथ्य महत्वपूर्ण हैकि अफ्रीकन मध्यस्थों द्वारा पहले किए हस्तक्षेप के प्रयासों को कोई महत्व नहीं मिला था और उनके कोई सकारात्मक नतीजे नहीं निकले थे। हाल ही में रूस द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनाज समझौते से बाहर निकलने के कारण अफ्रीका में खाद्यान्न सुरक्षा पर चिन्ता व्याप्त हो गई है और इस पर सेंट पीटर्सबर्ग के दूसरे रूस-अफ्रीका सम्मेलन में काफी चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा तुर्की द्वारा कराए गए समझौते से काला सागर में यूक्रेन के बंदरगाहों से कृषि उत्पादों के सुरक्षित निकलने का रास्ता खुला था, हालांकि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी था। हालांकि, इस रास्ते से निकलने वाला अधिकांश अनाज दुनिया के सबसे गरीब देशों तक नहीं पहुंचा, पर अंकटाड के अनुसार इससे खाद्यान्नों की कीमतें स्थिर रखने में सहायता मिली और उनमें 20 प्रतिशत से ज्यादा कमी आई। लेकिन रूस द्वारा इस समझौते से बाहर निकलने को इस आधार पर उचित ठहराया गया कि काला सागर अनाज पहल का विस्तार करने की पहल पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन के दक्षिण में अनाज गोदामों तथा बंदरगाहों की ढांचागत संरचनाओं पर हमले तेज कर दिए।

हालांकि, अफ्रीकन नेता इस निर्णय से अत्यधिक आहत हुए, लेकिन उन्होंने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। आलोचना की प्रतिक्रिया में राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिम पर आरोप लगाया कि वह दुनिया के सबसे गरीब देशों को अनाज सप्लाई सुनिश्चित करने में विफल रहा। उन्होंने अफ्रीकी देशों को आश्वस्त किया कि रूस इस वर्ष संभावित जबरदस्त फसल के बाद 'मुफ्त' अनाज सप्लाई करेगा। लेकिन संधि से बाहर निकलने को धोखे की तरह देखा गया। कीनिया में विदेश मामलों के प्रमुख सचिव कोरिर सिंग ओई ने पुतिन के निर्णय को 'पीठ में छुरा भोंकना' कहा जिससे अफ्रीकन महाद्वीप में खाद्यान्नों का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने अफ्रीकन देशों की खाद्य सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए उपयुक्त समाधान खोजने के महत्व पर जोर दिया।

रूस और अफ्रीका अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में अफ्रीकी देशों के स्वतंत्र विकास पर खास ध्यान दे रहे हैं। इसका उद्देश्य अनाज, उर्वरकों, आधुनिक तकनीकों तथा ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों तक समुचित पहल सुनिश्चित करना तथा जीवन्त सहयोग व साझा विकास अवसरों के माध्यम से एक समृद्ध भविष्य का निर्माण करना है। रूसी और अफ्रीकी नेताओं द्वारा स्वीकृत सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा में परस्पर लाभदायक साझेदारी तथा सहयोग के नए अवसर खोजने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। इस घोषणा में अफ्रीकी देशों के साथ रूस के सहयोग के दीर्घकालीन रणनीतिक क्षेत्रों की पहचान की गई है। घोषणा के लक्ष्यों में केन्द्रीय स्थान एक न्यायोचित व बहुआयामी विश्व व्यवस्था स्थापित करने के लिए साझा प्रतिबद्धता है जिसे अंतरराष्ट्रीय कानन तथा सं.रा. चार्टर के आधार पर सार्विक स्वीकार्यता हो। रूस और अफ्रीकी देशों ने नव-उपनिवेशवाद, अवैध प्रतिबंधों तथा परंपरागत नैतिक मूल्यों को ध्वस्त करने के किसी प्रयास का मुकाबला करने की प्रतिबद्धता प्रकट की। रूस और अफ्रीका के बीच संबंधों का उद्देश्य निकट सहयोग एवं साझा विकास अवसरों के माध्यम से समृद्धि प्राप्त करना है।

पश्चिमी विश्लेषकों के अनुसार, अफ्रीका के साथ रूस का संबंध वास्तविक के बजाय प्रतीकात्मक अधिक है। मास्को का उद्देश्य अफ्रीकी नेताओं को अपना वैश्विक महत्व प्रदर्शित करना है और यह भ्रम तोड़ना है कि उसे 'अश्पृश्य' बना दिया गया है, पर इससे अफ्रीका में काफी निवेश लाने की भू-राजनीतिक इच्छा पूर्ति नहीं होती है। 2019 में पहली रूस-अफ्रीका समिट में अफ्रीकी देशों के साथ पांच साल में व्यापार दूना करने का लक्ष्य था, पर वास्तव में दोनों पक्षों के बीच व्यापार लगभग 18 बिलियन डालर पर स्थिर बना हुआ है। इसके साथ ही इस महाद्वीप से रूसी खरीद की तुलना में अफ्रीका रूस से आठ गुना अधिक चीजें खरीदता है। अफ्रीका में जाने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में रूस का हिस्सा केवल एक प्रतिशत है। इसके साथ ही सेंट पीटर्सबर्ग समिट में पश्चिम द्वारा थोपे जा रहे उपनिवेशवाद के नए रूपों के खिलाफ रूस और अफ्रीका के साझा संघर्ष की बात कही गई थी।

यह विमर्श क्रेमलिन द्वारा यूक्रेन पर अपने खिलाफ की गई कार्रवाई पर अफ्रीका का समर्थन प्राप्त करने की रणनीति थी। इस प्रकार रूस-अफ्रीका फोरम समिट से यही राजनीतिक सबक निकलता है कि अफ्रीका का समर्थन प्राप्त करने के रूसी प्रयासों में तेजी आई है। अब पहले के किसी अन्य समय की तुलना में विकसित देशों से समर्थन प्राप्त करने में अफ्रीका 'रूस की विदेश नीति का आधार' और अधिक हो गया है। गठबंधन बनाने की यह रणनीति केवल आर्थिक पहलों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें परोक्ष, अंतर्निहित व संवेदनशील प्रयास भी शामिल हैं ताकि वर्तमान व भावी अफ्रीकन विशिष्ट वर्गों का समर्थन प्राप्त किया जा सके।

आयात प्रतिबंधों से भारत को नुकसान

आयात प्रतिबंध सरकार द्वारा कुछ निर्माताओं को उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत निवेश करने के लिए मनाने का आखिरी प्रयास है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

एक आश्चर्यजनक कदम में, भारत ने पिछले सप्ताह प्रमुख सूचना संचार प्रौद्योगिकी हार्डवेयर उत्पादों जैसे टैबलेट, लैपटॉप आदि पर आयात प्रतिबंध लगा दिया, जो कि यदि वास्तविक नोटिस के अनुसार लागू किया जाता, तो चौबीस घंटे से भी कम समय में प्रभावी होता। हालांकि, आर्थिक विचारों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की उन्मत्त कॉलों ने यह सुनिश्चित कर दिया कि आदेश के कार्यान्वयन की नियत तारीख अब 1 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। अंतरिम में, कुछ खुदरा विक्रेताओं द्वारा इन आईसीटी उत्पादों की कथित जमाखोरी की गई है, जिससे कीमतों में कृत्रिम वृद्धि हुई है, और आयात प्रतिबंधों से बचने के लिए उपभोक्ताओं द्वारा खरीदारी बढ़ गई है।

कई लोगों के लिए यह आश्चर्य की बात थी कि सरकार ने प्रतिबंध लगाने के लिए जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन और डिजिटल इकोनॉमी वर्क ग्रुप की मंत्रिस्तरीय बैठक (अगस्त के तीसरे सप्ताह में निर्धारित) से एक महीने पहले चुना। बहुपक्षीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, जी20 शिखर सम्मेलन में व्यापार से संबंधित मुद्दों पर कई द्विपक्षीय बैठकें भी होती हैं, जिनमें सरकार भाग लेती है। एक नकारात्मक जनसंपर्क अभ्यास, जैसा कि अभी घोषित किया गया है, संभावित रूप से व्यापार मुद्दों को सुलझाने के लिए इनमें से अधिकांश द्विपक्षीय बैठकों को हाईजैक कर सकता है। विशेष रूप से प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ, जो ज20 विचार-विमर्श का हिस्सा हैं।

सरकार अपनी जी20 तैयारियों को लेकर काफी सावधान रही है और अब तक जनसंपर्क संबंधी बड़ी गलतियों से बचती रही है, लेकिन हालिया आदेश

चीजों को नकारात्मक दिशा में धकेलता हुआ प्रतीत होता है। भारत सरकार के साथ इस मुद्दे को सुलझाने के लिए लगभग हर प्रमुख भारत भागीदार देश की सरकार से उनके संबंधित उद्योग हितधारकों ने संपर्क किया है। अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों के लिए यह संदेश जा रहा है, भारत लाइसेंस राज में वापस आ गया है, एक संरक्षणवादी शासन, यह शब्द 1990 के दशक से पहले ज्यादातर विदेशी निवेशकों के लिए भारत का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस बीच, भारत पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ शुरुआती व्यापार समझौते करने में कामयाब रहा और उम्मीद है कि जल्द ही यूके, इज़राइल, कनाडा और यूरोपीय संघ के साथ समझौता हो जाएगा। किसी भी प्रकृति के आयात प्रतिबंध, विशेष रूप से आईसीटी हार्डवेयर से संबंधित, इन चल रही कई चर्चाओं के दौरान ऊंट की पीठ पर लौकिक तिनका बन सकते हैं।

प्रतिबंध लगाने के पीछे भारत सरकार के पास अपने तर्क हैं। हालाँकि उनका कहना है कि इनमें से कई हार्डवेयर में सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं, क्योंकि वे नागरिकों के संवेदनशील डेटा को बड़ी मात्रा में संग्रहीत करते हैं, ये प्रतिबंध संभावित डेटा चोरी पर रोक लगाने में सक्षम होंगे, विशेष रूप से भारत की संप्रभुता को खतरे में डालने वाले देशों के लिए। चीन के संदर्भ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, जो आंकड़ों के अनुसार देश में आईसीटी हार्डवेयर के सबसे बड़े निर्यातकों (लगभग 70 प्रतिशत) में से एक है। चीन के साथ व्यापार घाटा कम करने का तर्क निजी बैठकों में भी उदारतापूर्वक उछाला जा रहा है। हालांकि, वास्तविक कारण भारत में विनिर्माण के लिए सरकार की प्रोत्साहन योजना के प्रति शीर्ष निर्माताओं द्वारा उत्साह की कमी प्रतीत होता है।सरकार ने बहुत विचार-विमर्श के बाद, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को उन्नत किया, जिसमें भारत में अपना उत्पादन आधार स्थापित करने वाले किसी भी बड़े निर्माता के लिए लगभग 17,000 करोड़ रुपये की छूट उपलब्ध है। संभावित निवेशकों के उत्साह की कमी के कारण निवेश करने की विंडो को कई बार संशोधित किया गया है और वर्तमान समय सीमा 31 अगस्त है। कई स्रोतों ने संकेत दिया कि आयात प्रतिबंध सरकार द्वारा कुछ निर्माताओं को उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत निवेश करने के लिए मनाने का आखिरी प्रयास है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था के व्यापक प्रभाव को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि भारत को अगले साल की शुरुआत में एक बड़े आम चुनाव का सामना करना पड़ेगा।

युवा मतदाता पिछली सदी की चुनावी राजनीति के स्वादों से प्रभावित नहीं होंगे। सोशल मीडिया की पहली पीढ़ी के लिए नौकरियां, यात्रा और खाने-पीने पर खर्च करने योग्य आय एक महत्वपूर्ण बदलाव है, हालांकि, घरेलू चिंताओं को एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के रूप में भारत द्वारा उत्पन्न समग्र सद्भावना पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अत: एक संतुलन खोजना होगा।

आप की बात

पाकिस्तान की मुश्किलें

पाकिस्तान एक साथ आर्थिक व राजनीतिक भूचालों का सामना कर रहा है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली कार्यकाल खत्म होने से 3 दिन पहले ही भंग कर दी गई। प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ के पिछले एक महीने से छटपटा रहे थे कि जितना जल्दी हो सके इस परेशानी से निजात पाई जाए। लेकिन दो दिन बाद भी किसी कामचलाऊ प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं हुई है। लगता है कि वहां के आर्थिक एवं कानून-व्यवस्था की हालत इतनी ख़राब है कि कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। नेशनल असेंबली भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव होने चाहिए। लेकिन वर्तमान स्थिति में अप्रैल 2024 से पहले चुनाव मुश्किल लगते हैं। इमरान खान को दो साल के सजा के साथ-साथ चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहरा दिया गया है। हो सकता है कि सेना के इशारे पर पाकिस्तानी चुनाव आयोग तहरीके इन्साफ पार्टी की मान्यता रद्द कर दे। इमरान की तरह नवाज शरीफ भी कायदे से चुनाव नहीं लड़ सकते हैं और वे देश के बाहर हैं। ऐसे में पाकिस्तान की राजनीतिक तस्वीर काफी धुंधली है। यदि आने वाले दिनों में कोई सुधार नहीं होता है तो पाकिस्तान में लोकतंत्र और गंभीर संकट में फंस सकता है जिससे सेना और मजबूत होगी।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

चीन के प्रचारक

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने खुलासे में बताया है कि अमेरिकी उद्योगपति नवरवाई सिंघम अन्य देशों के अलावा भारत में भी चीन के लिए प्रोपेगेंडा अभियान चला रहा है। इसके अंतर्गत उसने कई पत्रकारों, अखबारों, टीवी चैनल के अलावा म्यूजिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भी ऐसे ढंग से घुसपैठ की है कि धीरे-धीरे भारत की छवि धूमिल होती जाए और चीन का शाइनिंग शी चेहरा लोगों के सामने पेश किया जाए। दुख की बात यह है कि चीन के इस कुत्सित प्रयास में कांग्रेस सहित कई दलों के नेता लोग भी शामिल है। राहुल गांधी चीन की यात्रा कर आए हैं और चीन से कांग्रेस पार्टी को भारी चंदा भी मिल रहा है। अपने राजनीतिक हितों के लिए विदेशी धन लेना और देश की छवि को धूमिल करना किसी राष्ट्रद्रोह से कम नहीं है। उस पैसे के बल पर वह सरकार के सही स्थिति बताने वाले हर प्रयास का जमकर विरोध करती है। कांग्रेस इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर आघात बता देती है। चीन या विदेशों के ऐसे प्रचारकों तथा उनके समर्थकों को कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए जो भारत के खिलाफ देशद्रोह जैसा जघन्य अपराध करते हैं। मोदी सरकार ने इसकी शुरुआत कर दी है।

- सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

डी2एम तकनीक

दूरसंचार विभाग तथा भारत का आधिकारिक सार्वजनिक सेवा प्रसारक- प्रसार भारती एक ऐसी तकनीक प्राप्त करने में सफल रहे हैं जो सक्रिय इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता के बिना वीडियो और मल्टीमीडिया सामग्री के अन्य रूपों को सीधे मोबाइल फोन पर प्रसारित करने की अनुमति देती है। डायरेक्ट-टू-मोबाइल, या डी2एम तकनीक ब्रॉडबैंड की खपत व स्पेक्ट्रम उपयोग में सुधार का वादा करती है। इस तकनीक के उपयोग से मोबाइल फोन स्थलीय डिजिटल टीवी प्राप्त कर सकते हैं। यह उसी तरह होगा जैसे लोग अपने फोन पर एफएम रेडियो सुनते हैं। इसका उपयोग नागरिक-केंद्रित जानकारी के सीधे प्रसारण तथा फर्जी खबरों का मुकाबला करने, आपातकालीन अलर्ट जारी करने व अन्य के अलावा आपदा प्रबंधन में किया जा सकता है। इसका उपयोग मोबाइल फोन पर लाइव समाचार, खेल आदि प्रसारित करने के लिए किया जा सकता है। उपभोक्ता इससे अपना मोबाइल डेटा खर्च किए बिना वीओडी या ओटीटी प्राप्त कर सकेंगे। यह तकनीक भविष्य में संचार व संप्रेषण में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

- रवि रंजन, नई दिल्ली

बेलगाम बोल

जिन्हें कभी भारत माता का उच्चारण करते हुए भी शर्म आती थी, जिस पार्टी के कार्यालयों में भारत माता का चित्र इसलिए नहीं लगता था कि कहीं एक वर्ग विशेष नाराज न हो जाए, जो वन्दे मातरम इसलिए नहीं गाते थे कि कहीं उनका वोट बैंक न खिसक जाए, आज मणिपुर में उनको भारत माता की हत्या होते दिख रही है। जिस दल के सत्ता लोभ ने 1947 में मां भारती के दोनों हाथ-पश्चिमी पाकिस्तान व पूर्वी पाकिस्तान कटवा दिये हों उसे आज मणिपुर में भारत माता की हत्या दिख रही है। जब 90 के दशक में कश्मीर में वहां के पंडितों के साथ हिंसा व क्रूरता का नंगा नाच हो रहा था व हिन्दू बहन-बेटियों की आबरू को खुलेआम तार-तार किया जा रहा था और 3 लाख हिन्दू परिवार अपनी ही मातृभूमि पर विस्थापित हो रहे थे तब भारत माता इन्हें याद नहीं आई। 1984 में सिखों की निर्मम हत्याओं के समय भी भारत माता के आंसू इन्हें नहीं दिखाई पड़े। भारत माता शाश्वत व सनातन है। उसकी कभी मृत्यु नहीं हो सकती भले हम रहे ना रहें। कांग्रेस को बेलगाम बोलों पर लगाम लगानी होगी।

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

प्रदेश के 88 हजार गांवों तक बस सेवा मुहैया करा रहा यूपीएसआरटीसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के हर गांव तक परिवहन निगम की बस सेवा को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवहन निगम के माध्यम से सरकार अब तक प्रदेश के 88 हजार गांवों तक बस सेवा मुहैया करा चुकी है और बाकी बचे 12200 गांवों तक भी बस सेवा जल्द मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने अनुबंधित बसों के माध्यम से लक्ष्य को पूर्ण करने की योजना बनाई है। शुक्रवार को विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में सरकार की ओर से इसकी जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में यूपीएसआरटीसी के एक कार्यक्रम में स्वयं सीएम योगी ने मंच से प्रदेश के प्रत्येक गांव तक बस सेवा मुहैया कराने की अपील की थी। विधानसभा सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार मुहिम के तहत कार्य कर रही है और जल्द ही प्रदेश का एक भी गांव ऐसा नहीं होगा जहां परिवहन निगम की बस सेवा न उपलब्ध हो। सरकार की मंशा है कि लोगों को रोजगार देने के लिए अनुबंधित बसों की संख्या बढ़ाई जाएए ताकि हर गांव तक बस सेवा को पहुंचाया जा सके। परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में परिवहन निगम की कुल 110118 बसें संचालित हैं। इनमें 81070 निगम की बसें हैं और 29048 अनुबंधित बसें हैं। यानी 26 प्रतिशत बसें अनुबंधित हैं और 74 प्रतिशत बसें रोडवेज की हैं। परिवहन मंत्री ने इस दौरान परिवहन निगम की आय से संबंधित सवाल का भी जवाब दिया।

उन्होंने बताया कि पहले जहां परिवहन निगम को प्रतिदिन 11 से 12 करोड़ की आमदनी हो रही थी तो अब यह 18 करोड़ से 21 करोड़ प्रतिदिन के बीच तक पहुंच गई है। प्रदेश में डग्गामार बसों से संबंधित प्रश्न के जवाब में परिवहन मंत्री ने जोर देकर कहा कि एक भी डग्गामार बस प्रदेश में संचालित नहीं हो रही है। उन्होंने डग्गामार शब्द पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रदेश में एक भी बस ऐसी नहीं मिलेगी जो बिना नेशनल परमिट के चल रही हो। हर बस को इंश्योरेंस और फिटनेट टेस्ट के बाद ही चलाने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि जो लोग नियमों का उल्लंघन करके बसें चला रहे हैं, उनके खिलाफपरिवहन विभाग कड़ी कार्रवाई कर रहा है। इस मामले में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार हर गांव तक बसें चलाना चाहती हैए लेकिन नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परिवहन मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताया कि उत्तर प्रदेश में बस अड्डों को एयरपोर्ट की तरह आधुनिक बनाने का काम शुरू हो चुका है। इसके लिए 5 बस अड्डों (गाजियाबाद, कौशांबी, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ) के विभिन्न बस अड्डों के कायाकल्प के लिए एमओयू हो चुका है और जल्द ही सीएम इसका शिलान्यास करेंगे। इसके अतिरिक्त 8 बस अड्डों के आधुनिकीकरण के लिए एमओयू साइन होने हैं और 18 के लिए टेंडर जारी करने जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को निशुल्क यात्रा की योजना मुख्यमंत्री के संकल्प में है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

किसानों के साथ है सरकार, नहीं होगा नुकसानः सीएम

● बाढ़ व सूखा से आपदा की चपेट में आए किसानों को सरकार दे रही मुआवजा पहले चरण में 4500 किसानों को मिली राहत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी ने शुक्रवार को विधानसभा के मॉनसून सत्र में बाढ़ और सूखे पर चर्चा करते हुए सरकार द्वारा किसानों को हुए नुकसान के मुआवजे के साथ ही बचाव के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार अन्नदाता किसानों के साथ है। किसी किसान का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। बाढ़ और सूखा की वजह से अब तक सरकार ने पहले चरण में आपदा की चपेट में आए 4500 किसानों को मुआवजे की राशि उपलब्ध कराई गई है।

सीएम योगी ने विधानसभा में कहा कि यूपी में अमूमन 15 से 20 जून तक मानसून प्रवेश कर जाता था। इस वर्ष प्रारंभिक बारिश को छोड़ दें तो बारिश अनुकूल और अच्छी नहीं कही जा सकती है। हमने पहले ही बैठक करके अपनी रणनीति बनाई है। हिमालयी नदियों में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई, इससे काफी फसलों को नुकसान पहुंचा है। उसके आंकलन के आदेश भी दिये गये हैं। इसके बावजूद यूपी की स्थिति देश के अन्य राज्यों से काफी अच्छी है। 88 प्रतिशत फसलों की बोआई हो गई है। धान की नर्सरी भी लगभग 100 फीसदी लग चुकी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ और सूखा से आपदा की चपेट में आए 4500 किसानों को पहले चरण में अबतक मुआवजा देने का कार्य किया गया है। 2017 में सरकार ने 61320 किसानों को लगभग 60 करोड़ का मुआवजा उपलब्ध कराया था। 2018-19 में 384113 किसानों को 212 करोड़, 2019-20 में 64 करोड़ 32 लाखए 2020.21 में 120 करोड़ए 2021.22 में 475 करोड़ए 2022-23 में 427 करोड़ रुपए किसानों को मुआवजा दिया गया।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बाढ़ और सूखा के अलावा अन्य अनेक कदम उठाए हैं। इस बार पश्चिमी यूपी में बाढ़ आई मगर 40 से ज्यादा जनपदों में सूखा देखने को मिला। बहुत सी जगह सिंचाई और पॉवर कॉर्पोरेशन ने अपने स्तर पर कार्य किये। नोडल अधिकारियों और प्रभारी मंत्रियों ने जनपदों के दौरे किये। प्रदेश सरकार ने बाढ़ पीड़ितों के राहत के कार्य किये। 2017 में मैं पहली बार सीतापुर और लखीमपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिलने गया तो पता लगा कि उन्हें सूखे ब्रेड दिये जाते थे। आपदा राहत का पैसा बंदरबांट हो जाया करता था। हमारी सरकार ने राहत किट तैयार करने का निर्णय लिया, जिसमें 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, दाल, नमक, दियासलाई, मसाले, केरोसिन, ये सभी कुछ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की और महिलाओं को डिग्निटी किट भी उपलब्ध कराया।

सीएम का सपा मुखिया पर पलटवार, कहा-गरीब आपके लिए वोट बैंक हमारे लिए परिवार का हिस्सा

● पहले कार्यकाल में ही कर दिया गया इंसेफेलाइटिस का समूल नाशः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हुए सुधार पर भी सीएम योगी ने विधानसभा में विपक्षी दल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज सरकारी अस्पताल में मरीज इसलिए आ रहा है कि उसे दवाएं मिल रही हैं और डॉक्टर मिल रहा है। आपके समय में न दवा थी, न डॉक्टर थे। अपनी विफ लता को छिपाने के लिए आपको वहां किसी गरीब का आना और उसे आयुष्मान भारत सुविधा के अंतर्गत 5 लाख की बीमा की सुविधा मिलना बुरा लगता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के अंदर 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत की सुविधा मिल रही है। अखिलेश यादव पर पलवार करते हुए उन्होंने कहा कि वो आपके लिए जाति हो सकती है, वोट बैंक का मुद्दा हो सकता है। हमारे लिए यूपी का नागरिक परिवार का हिस्सा है। हमें विरासत में जर्जर व्यवस्था मिली थीए उसे सुधारने में वक्त जरूर लगेगा मगर वहां उमड़ती भीड़ ये बताती है लोगों का इस व्यवस्था में विश्वास भी बढ़ा है। वहां पहले से सुविधा बेहतर हुई है। पब्लिक को आपमें विश्वास ही नहीं था इसलिए आपको नकार दिया।

सीएम योगी ने कहा कि इन्सेफ्लाइटिस से पूर्वी यूपी में चालीस साल में 50 हजार बच्चों की मौत हुई थी। चार बार सपा को प्रदेश की सत्ता संभालने का मौका मिला था। 90 फीसदी मरने वाले बच्चे दलित, अल्पसंख्यक और अति पिछड़ी जाति के थे, क्या यहां पीडीए (पिछड़े-दलित-अल्पसंख्याक) नहीं था। तब क्या कर रहे थे चार बार के आपके मुख्यमंत्री। और आपको तो पांच साल का मौका मिला था। सीएम ने कहा कि मुझे ये बताने में गर्व होता है कि हमारी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में इन्सेफेलाइटिस का समूल नाश कर दिया। आज गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, बस्ती, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, गोंडा, पीलीभीत, लखीमपुर और सहारनपुर तक इंसेफेलाइटिस समाप्त हो चुका है। बस घोषणा होना बाकी है।

सदन की गरिमा उच्च परम्पराओं से ही स्थापित हो सकती हैः सतीश महाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सदन प्रत्येक सदस्य के सहयोग से चलता है, चाहे वह सत्ता पक्ष का सदस्य हो अथवा विपक्ष का हो। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनो मिलकर ही सदन को चलाते हैं। हम सब जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ही यहां आते हैं। सदन की गरिमा सदन की उच्च परम्पराओं से ही स्थापित होती है। विधानसभा के मानसून सत्र के अनिश्चिकाल स्थगित होने की घोषणा से पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने सदन को संचालित करने लिए कई विशिष्ट नियम अथवा कड़े कानून नहीं बनाये, क्योंकि उनको यह आभास था कि भारत में लोकतंत्र शनैः.शनैः प्रगति करेगा और ऐसे संक्रमणकाल में सदन संचालित करने के कड़े नियम बनाने से लोकतंत्र की प्रगति में बाधा पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि हम सबकी यह जिम्मेदारी है कि सदन सदाशयता से संचालित हो, जिससे कि लोकतंत्र प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे। सदन को संचालित करना सिर्फ अध्यक्ष का कार्य नहीं है और न ही ऐसा संभव है। अध्यक्ष सभी के सहयोग से सदन संचालित करते हैं। भारत में लोकतंत्र की प्रगति संतोषजनक रही है, परंतु अभी भी बहुत परिमार्जन बाकी है। हम सबकी यह जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम ऐसा उदारहण प्रस्तुत कर सकें, जिससे कि जनता का विश्वास जनप्रतिनिधियों एवं विधायिका में बना रहे।

विपक्ष अगर भागें न तो वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी पर 36 घंटे की चर्चा कर लेः योगी

लखनऊ। सीएम योगी ने वन ट्रिलियन इकॉनमी के विषय पर अखिलेश यादव को आईना दिखाया और चर्चा की चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि मैं कह रहा हूं कि वन ट्रिलियन डॉलर को लेकर 36 घंटे की चर्चा हो जाए। लेकिन आप तो सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर भी बात करने के लिए सदन में नहीं रुके और पलायन कर गए थे। आप समस्याओं को छिपाते थे तो समाधान क्या निकालते। हमने समस्याओं को स्वीकारा भी और उसका समाधान भी निकाला। समस्या का समाधान इस बात पर निर्भर करता है कि आपका सलाहकार कैसा है। याद रखना, दुर्योधन के पास शकुनी थे और अर्जुन के पास श्रीकृष्ण। इनकी रुचि का विषय यूपी का विकास कभी रहा ही नहीं। इनके एजेंडे का हिस्साए गांवए किसान, नौजवान, इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। इनके विजन का हिस्सा व्यक्तिगत विकास है। अगर इनके पास विजन होता तो यूपी नंबर वन हो गया होता। सीएम योगी ने विधान सभा में कहा कि नेता विपक्षी दल मुझसे ये पूछ रहे थे कि यूपी की इकॉनमी क्या वन ट्रिलियन डॉलर की हो पाएंगी। उन्हें शक इसलिए है कि 1947 से 2017 तक इनके पास कोई विजन ही नहीं था। डबल इंजन सरकार के कार्यों का परिणाम है कि हमें यूपी की इनकम को दोगुना करने में सफलता मिली है।

भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा अब भ्रष्टाचार में बदल गया हैः अखिलेश

लखनऊ। नेताप्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने अपने एक घंटे से ज्यादा के भाषण में कहा कि भाजपा का चाल चरित्र चेहरा अब नाफरत, महंगाई भ्रष्टाचार और बेरोजगारी में बदल गया है। सत्तारूढ़ होने से पहले किसानों के बारे में जितने बढ़चढ़ कर वादे किए थे वे कागजी साबित हो रहे है। सरकार साढ़े छल साल के कार्यकाल में एक भी मंडी नहीं बना पाई है। उन्होने कहा कि लगता है कि लखनउ और दिल्ली का इंजन टकरा रहे है। टमाटर की बढ़ी कीमतों ने पूरी सरकार का चेहरा लाल कर दिया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने सांड़ों से उत्पन्न समस्या का भी मुद्दा उठाया। उन्होने कहा कि सरकार बताए कि साढ़े छह साल के कार्यकाल में कौन सा पावर प्लांट लगाया है। उन्होने कहा कि जो सरकार पूर्णकालिक डीजीपी नहीं बना पाई उससे पावर प्लांट या कोई चीनी मिल लगाए जाने की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होने कहा कि बिजली और बेरोजगारी प्रदेश की एक बड़ी समस्या है। इस दिशा में सरकार अभी तक कार्ययोजना नहीं ला पाई है। नेता प्रतिपक्ष ने कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कि सरकार के दावों के बावजूद महिला उत्पीड़न जैसी घटनाओं पर नियंत्रण नही कर पाई है।

युवाओं को नौकरी देने के मुद्दे पर सरकार के जवाब से नाराज सपा सदस्यों ने किया वाकआउट

लखनऊ। मानसून सत्र के पांचवे व अंतिम दिन विधानसभा में युवाओं को नौकरी देने के मुद्दे पर सरकार के जवाब से नाराज असंतुष्ट सपा सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। वे मांग कर रहे थे कि आउटसोर्सिंग खत्म की जाए और मंत्री बीते दो साल में कितने युवाओं को स्थाई नौकरी दी गई, उसका आंकड़ा पेश करें। सपा के शहजिल इस्लाम अंसारी, डा. संग्राम यादव, राजेंद्र कुमार, स्वामी ओमवेश ने श्रम मंत्री अनिल राजभर से जानना चाहा कि क्या सरकार बताएगी कि बीते दो साल में कितने युवाओं को स्थाई नौकरी दी गई। सपा के संग्राम यादव ने सवाल करते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग कैंसर से भी घातक बीमारी है। क्या इस प्रथा को खत्म किया जाएगा। सपा सदस्यों ने इसी बीच आउटसोर्सिंग खत्म करो के नारे जोरदार ढंग से लगाए। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि हमने 5.7 लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिया है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सपा सदस्यों द्वारा बेरोजगारी के मुद्दे पर कहा कि सपा सरकार प्रदेश में चार बार रही। इन्होंने कभी भी अतिपिछड़ों के अधिकार के बारे में कुछ नहीं सोचा। जो भी नौकरियां चार कार्यकालों में दी गईं, उनमें कौन से लोग शामिल थे, सभी जानते हैं। क्या किसी राजभर, पाल, बिंद, निषादए कुम्हारए कश्यप को नौकरी दी गई। नहीं दी गई। सिर्फ अपनों को नौकरियां दी गईं। नियुक्तियां में एक जाति विशेष के लोगों का हस्तक्षेप रहता था। श्रम मंत्री यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि हमने छह साल में 3742 रोजगार मेले लगाए और 5 लाख 74 हजार 570 लोगों को नौकरियां दीं हैं।

सही निर्णय नहीं लिया तो 2027 में आप ही क्लीन बोल्ड होने वाले हैं चच्चूः योगी

लखनऊ। सीएम योगी विधानसभा में शुक्रवार को एक अलग ही मूड में नजर आए। 2 घंटे 11 मिनट की अपनी स्पीच में उन्होंने कई बार विपक्षी विधायक शिवपाल यादव पर हल्के फुल्के अंदाज में व्यंग्य भी किया तो शिवपाल के माध्यम से अखिलेश को भी निशाने पर लिया। अखिलेश पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने शिवपाल से कहा कि कहा कि चच्चू कुछ तो सिखाया करोए समय का सदुपयोग करो। चच्चू अगर आपने सही निर्णय नहीं लिया तो 27 में आप ही क्लीन बोल्ड होने वाले हैं। अभी से तय कर लो आप। सीएम ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब परिवार में सत्ता का संघर्ष बढ़ता है तो कुछ न कुछ चीजें तो सामने आएंगी। शिवपाल के प्रति हमारी सहानुभूति है। आपके साथ अन्याय हुआ है। आपके साथ ये लोग न्याय करेंगे भी नहीं। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति सर्पदंश और सांड़ से मरेए इन सभी को आपदा घोषित करने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। हम तो सांड़ की नंदी के रूप में पूजा करते हैं। शिवपाल आप नहीं करते क्याघ् तो कुछ तो समझाया करें इन्हें। सीएम योगी ने कहा कि 2012 से 17 के बीच प्रदेश की जनता चाचा.भतीजे के बीच द्वंद्व का शिकार होती रही। भतीजे को लगता था कि चाचा हावी ना हो जाएं, इसलिए पैसे नहीं देते थे। उन्होंने कहा कि एमएसपी क्या होता है शायद नेता विरोधी दल को पता नहीं है। शिवपाल को ये बताना चाहिए।

● सीएम ने विधानसभा में अपनी स्पीच के दौरान शिवपाल पर कसा तंज, फिर जताई सहानुभूति

सदन में देखने को मिली अखिलेश व राजभर के बीच जुबानी जंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा मॉनसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को सदन में अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर के साथ जुबानी जंग भी देखने को मिली। अखिलेश यादव बाढ़ और सूखे पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को लेकर सीएम योगी पर हमला करते हुए पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर की बात उठाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे एक साथी थे, जिन्होंने अब अपना ऑर्बिट बदल लिया है। इस पर सदन में सब हंसने लगे। इसके बाद नेता विरोधी दल ने विधानसभा अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि महोदय हमारे एक साथी थे जो हमें यही बताते थे कि गोरखपुर की भर्ती में क्या हुआ, बांदा में क्या हुआ। अखिलेश से यह सुनते ही ओम प्रकाश राजभर खड़े हो गए। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि यहां जितने लोग बैठे हैं सबने एक गाना सुना था। जब मैं मंच पर इनके साथ रहता था तो ये भी हमेशा एक ही गाना गाते थे 'चल संन्यासी मंदिर में...। अखिलेश ने कहा कि मैंने गाने की पहली लाइन सुना दी है। अब मैं बैठ जाता हूं। यदि वो अगली लाइन सुना दें तो मैं बैठ जाता हूं। इस पर ओम प्रकाश राजभर उठे। उन्होंने कहा, 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या का काम है...। इस जवाब पर अखिलेश ने फिर से चुटकी ली और कहा क्योंकि ये शपथ लेने गए थे तो नेता सदन ने उन्हें ये यही गाना सुनाया कि 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है।' इस पर सदन में जमकर ठहाके लगे। इस दौरान सामने अपनी सीट पर मौजूद सीएम योगी और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी अपनी हंसी रोक नहीं पाए।

विद्युत कनेक्शन लेने के लिए झटपट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्थाः एके शर्मा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शुक्रवार को विधानसभा में नियम-56 के तहत विपक्ष द्वारा घरेलू बिजली कनेक्शन लेने में आ रही परेशानियों सम्बंधी दिए गए नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत उपभोक्ताओं के हितों के दृष्टिगत विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बना रही है। जर्जर तार एवं पोल को बदला जा रहा है। ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जा रही है जिससे कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति दी जा सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से विद्युत कनेक्शन लेने के लिए झटपट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था की है। उपभोक्ता का आवासीय परिसर 40 मीटर की दूरी पर होने पर एक सप्ताह के भीतर कनेक्शन निर्गत कर दिया जाता है। 40 मीटर से अधिक दूरी पर उन्हें स्टीमेट दिया जाता है। जिसका भुगतान करने पर संयोजन निर्गत किया जाता है। उपभोक्ता द्वारा स्टीमेट का पैसा जमा करने के बाद भी कहीं-कहीं पर स्थानीय स्तर पर ही व्यवधान हो जाता है। आस-पास के लोग ही लाइन बनाने में व्यवधान डाल देते हैं, जिससे विलम्ब हो जाता है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि उपभोक्ताओं को संयोजन निर्गत करने में किसी भी प्रकार की शिकायत या लापरवाही पाए जाने पर सम्बंधित कार्मिक के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि इस समय प्रदेश में कुल 3..30 करोड़ उपभोक्ता हैं, जिसमें से 2.87 करोड़ घरेलू उपभोक्ता हैं। झटपट पोर्टल के माध्यम से पिछले एक वर्ष में 16.62 लाख घरेलू एवं वाणिज्यिक कनेक्शन दिए गए। जनवरी 2023 माह में 1.225 लाख कनेक्शन दिए गए।

उच्च सदन में शिक्षा मित्रों के मामले पर हंगामा, सपा ने किया वाकआउट

विधान परिषद की कार्यवाही

● राज्य सरकार ने कहा, शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाने की भी कोई योजना नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में कार्यरत शिक्षामित्र को सहायक शिक्षक के समान वेतन नहीं दिया जा सकता। प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने शुक्रवार को विधान परिषद में शिक्षामित्रों का मामला जोर शर से उठाया। सदस्यों ने एक समान कार्य का एक समान वेतन दिए जाने की नीति पर कार्रवाई करते हुए शिक्षामित्र को सहायक अध्यापक के बराबर वेतनमान दिए जाने की मांग की। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह के जवाब से असंतुष्ट समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सदन से बहिष्कार किया। शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के सदस्य भीमराव अम्बेडकर ने भी बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों के मामले को उठाते हुए उन्हें नियमित शिक्षकों की भांति समान कार्य का समान वेतन के आधार पर मानदेय निर्धारित किए जाने की मांग की। विधान परिषद में सपा सदस्य मान सिंह यादव ने सवाल किया कि क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताएंगे कि शिक्षा मित्रों और सहायक अध्यापकों द्वारा एक समान कार्य किया जाता है। यदि हां तो समान कार्य का समान वेतन दिलवाएंगे। इस पर बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने जवाब दिया कि सहायक अध्यापकों की नियुक्ति बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा मौलिक पद के प्रति की जाती है। शिक्षा मित्रों की नियुक्ति ग्राम शिक्षा समिति द्वारा संविदा के आधार पर 11 माह के लिए की जाती है। इनकी न कोई नियमावली है और न ही इन्हें वेतन दिया जाता है। दोनों की नियुक्ति की प्रकृति और शर्तें भिन्न होने के कारण काम भी अलग हैं। ऐसे में शिक्षा मित्रों की सहायक अध्यापकों से तुलना करना औचित्यपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि समान वेतनमान देने की भी कोई योजना नहीं है। इस पर सपा सदस्यों ने कहा कि उनका कुछ मानदेय ही बढ़वा दीजिए। संदीप सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने ही 3500 से बढ़ाकर उनका मानदेय 10000 रुपये किया था। फिलहाल मानदेय बढ़ाने की भी कोई योजना नहीं है। पूर्व में 15240 शिक्षा मित्र जो सहायक अध्यापक की अर्हता पूरी करते थे, उन्हें सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति दी जा चुकी है।

सपा ने उठाया विकास प्राधिकरणों में भ्रष्टाचार का मामला

● महायोजना को अंतिम रूप देने से पहले उसकी समीक्षा कराएगी सरकारः केशव मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने प्रदेश के विभिन्न विकास प्राधिकरणों में भ्रष्टाचार का मामला उठाया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारी सरकार की नीति है कि गरीब को छेड़ो नहीं, भ्रष्टाचारी और माफिया को छोड़ो नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए तैयार होने जा रही महायोजना को अंतिम रूप दिए जाने से पहले सरकार उसकी बहुपक्षीय समीक्षा कराएगी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विषय वस्तु विशेषज्ञों से लेकर जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों के साथ बैठक कर उनके भी सुझाव लिए जाएंगे।

सपा के लाल बिहारी यादव, स्वामी प्रसाद मौर्य, नरेश चन्द्र उत्तम, डॉ. मान सिंह यादव, आशुतोष सिन्हा, मुकुल यादव, मो. जासमीर अंसारी एवं शहनवाज खान ने प्रदेश के विकास प्राधिकरणों में व्याप्त भ्रष्टाचार का मामला नियम-105 के अन्तर्गत कार्यस्थगन के रूप में उठाया। सपा के आशुतोष सिन्हा ने कहा कि विकास प्राधिकरणों का मुख्य कार्य नगरीय क्षेत्रों में सुनियोजित विकास के उद्देश्य से आवासीय फ्लैट, प्लॉट व कालोनियां विकसित करके उसको जनता को उचित दरों पर उपलब्ध कराना है। विकास प्राधिकरण क्षेत्र के अन्तर्गत कोई भी विकास एवं निर्माण कार्य किए जाने से पूर्व उप्र नगर योजना और विकास अधिनियम, 1973 की धारा (15) मानचित्र स्वीकृति के अधीन अनुज्ञा प्राप्त किया जाना अनिवार्य है लेकिन आजकल इसका दुरुपयोग चरम पर है। उन्होंने बताया कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में 100 वर्ग मीटर का नक्शा पास कराए बिना भी भवन निर्माण कराया जा सकता है। विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों के कारण आज पूरे प्रदेश में बहुत कम ऐसे भवन होंगे जो सभी मानक पूरा करते हो। बड़े-बड़े भवन माफियाओं द्वारा सभी नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कराए जा रहे हैं और विकास प्राधिकरण के अधिकारी उन्हें संरक्षण भी दे रहे हैं। वहीं सपा के ही शहनवाज खान ने कहा कि सहारनपुर में महायोजना 2021 में जो विकास वहां के प्राधिकरण द्वारा बताए गए थे वह आज तक शूरू नहीं हुए और अब महायोजना 2031 की तैयारी हो रही है। इसका मकसद सिर्फ सीमा विस्तार कर गरीबों से धन उगाही करना है।

सपा के मुकुल यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया और यह आश्वस्त किया कि कहीं भी अगर भ्रष्टाचार की कोई शिकायत मिलती है तो हमारी सरकार जांच कराकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिए संदर्भित किए जाने के निर्देश दिए।

सत्र के अंतिम दिन ध्वनिमत से पारित हुए नौ विधेयक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद में शुक्रवार को नव विधेयक ध्वनि मत से पारित हुए और इसी के साथ सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। भोजनावकाश के पश्चात सदन की कार्यवाही अपराह्न 3:30 बजे अधिष्ठाता डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त के सभापतित्व में प्रारम्भ हुई। प्रमुख सचिव विधान परिषद डॉ. राजेश सिंह ने उत्तर प्रदेश विधानसभा से पारित चार विधेयक-उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) विधेयक, 2023, उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज (संशोधन) विधेयक, 2023 और उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, 2023 को सदन की मेज पर रखे। कार्यसूची के मदों को निपटाने और याचिकाओं को याचिका समिति को संदर्भित करने के बाद उक्त चारों विधेयकों को विचारोपरान्त ध्वनिमत से पारित किया गया। इसके अलावा बीती 10 अगस्त को सदन की मेज पर रखे गए पांच विधेयकों-उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी (संशोधन) विधेयक, 2023, उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (संशोधन) विधेयक, 2023, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक, 2023, उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023 और उत्तर प्रदेश जगदुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023 को भी विचारोपरान्त ध्वनिमत से पारित किया गया। तत्पश्चात सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह द्वारा सदन के संचालन में उन्हें सहयोग देने के लिए सभी को धन्यवाद देने के उपरान्त राष्ट्रगान के पश्चात नेता सदन के प्रस्ताव पर सदन की बैठक 4:05 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर मंथन

तय हुई रूपरेखा

लखीमपुर खीरी। स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2023 के आयोजन की रूपरेखा निर्धारित करने के सम्बन्ध में सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में अफसरों की एक बैठक ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ ने कहा कि हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाने वाला 77 वां स्वाधीनता दिवस समारोह परम्परागत रूप से सादगी के साथ परंतु आकर्षक ढंग से मनाया जाए। स्वाधीनता की वर्षगांठ पर यह याद दिलाया जाये कि हमारे अनगिनत देशभक्तों तथा अमर बलिदानियों ने जीवन भर संघर्ष करके अपना सब कुछ न्यौछावर कर जो राजनैतिक स्वाधीनता हासिल की थीए उसकी रक्षा करते हुए आर्थिक व सामाजिकस्वाधीनता लाने का दायित्व विशेष तौर पर नई पीढ़ी पर है। इस

अवसर पर जन साधारण को बताया जाये कि सभी समुदायों के महापुरुषों ने एकता, आपसी सद्भाव, भाई.चारे व इंसानियत पर बल दिया है। इस राष्ट्रीय पावन पर्व पर उन महानुभावों के कार्यों का भी आदरपूर्वक स्मरण किया जायेए ताकि समाज में इन्सान और इन्सानियत की अहमियत बढ़े।सीडीओ ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी दफ्तरोंए अन्य इमारतों व स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को 14 अगस्त की शाम से ही रोशन किया जाए। उन्होंने सभी ईओ को निर्देश दिए कि वह नगरीय क्षेत्र के सभी चौराहों की सजावट कराएंगे व तिरंगे के रंगों की झालर भी डलवायी जाए। सीडीओ ने उपस्थित अधिकारियों को समारोह आयोजन पर उनके उत्तरदायित्व बताएं। बैठक में तय हुआ कि 15 अगस्त के दिन सुबह 10.15 बजे जिला, तहसील, ब्लॉकए नगर निकायों आदि सरकारी तथा गैर सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तथा झण्डा.अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन हो। राष्ट्रीय ध्वज में पुष्पों की पंखुड़ियां बांध कर फहराया जाये। इसके बाद पंचप्रण शपथ के साथ वृक्षारोपण किया जाए। शिक्षण संस्थाओं में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये, जिसमें राष्ट्रगान जन.गण.मन का सामूहिक गायन भी सम्मिलित हो। विद्यार्थियों को स्वतंत्रता.संग्राम का इतिहास बताया जाये तथा देश पर शहीद देशभक्तों के जीवन के प्रेरक प्रसंग दोहराये जायेंए जिससे उनमें राष्ट्रीय चेतना जागृत हो। सीडीओ ने निर्देश दिए की सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतंत्रता स्मारकों की साफ सफाई कराई जाए। वही 15 अगस्त को क्रॉस कंट्री रेस के आयोजन के संबंध में जिला क्रीडा अधिकारी को निर्देश दिये। उन्होंने हर घर तिरंगा मुहिम के तहत झंडा वितरण की प्रगति जानी एवं संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। सभी संबंधित विभाग तिरंगे का वितरण अनिवार्य रूप से करा दे। बैठक में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, एसडीएम विधेष, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सभी धर्मों का सम्मान करने की शपथ

शाहजहांपुर। भारत स्काउट गाइड के जनक श्री राम बाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन ब्लाक स्काउट गाइड कार्यालय ददरौल द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय निवाड़ी में किया गया। इस अवसर पर ब्लाक गाइड कैप्टन रूफिया खान ने उपस्थित स्काउड-गाइड से सभी धर्मों का सम्मान करने की शपथ दिलवाले हुए कहा कि ईश्वर एक है, सभी धर्मों का सार एक है और हमें सेवाभाव, समाज और देश उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इससे पूर्व ब्लाक स्काउट मास्टर अनन्त बाजपेयी ने श्रीराम बाजपेयी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके द्वारा जलाई गई अलख हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बनती रहेगी। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लेना चाहिए।

निपुण भारत मिशन के तहत शिक्षा चौपाल

संवाददाता। निघासन खीरी

निपुण भारत मिशन अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु ग्राम लुधौरी के पंचायत भवन पर प्रधान प्रतिनिधि मनोज जायसवाल के सौजन्य से एसडीएम राजेश कुमार की अध्यक्षता में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। शिक्षा चौपाल को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी निघासन राजेश कुमार ने कहा कि शिक्षा के बगैर स्वस्थ समाज की कल्पना बेमानी है ए शिक्षा एक ऐसा अनमोल धन है जो खर्च करने पर घटने के बजाय लगातार बढ़ता है । एसडीएम ने आगे कहा कि उन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा सरकारी स्कूल से प्राप्त की है और आज उसी पढ़ाई.लिखाई की बदौलत एसडीएम के रूप में आपकी सेवा और सहायता करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है ए उपजिलाधिकारी के मुताबिक आज सरकार बुनियादी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है ए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता को उत्कृष्ट बनाने के लिए निपुण भारत मिशन अभियान मुस्तैदी से चलाया जा रहा है जिसमें निघासन ब्लॉक का प्रदर्शन प्रदेश स्तर तक सराहनीय आंका गया है ए एसडीएम ने चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को अपने बच्चों को हर हाल मे विद्यालय भेजकर शिक्षित बनाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि सीओ निघासन राजेश कुमार ने कहा कि अगर मन में दृढ़ संकल्प हो तो गरीबी शिक्षा प्राप्ति की साधना में बाधक नहीं बन सकती ए सीओ ने कहा कि बिना पढ़े नर पशू कहावै ए इसलिए आप सभी लोग बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें।

भाकियू जिला अध्यक्ष ने गन्ना आयुक्त से की मुलाकात

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज मिल का बकाया गन्ना भुगतान को लेकर भारतीय किसान यूनियन ;अराजनैतिकद्ध लखीमपुर खीरी के ज़िला अध्यक्ष कुलवंत रोशन ने लखनऊ में गन्ना आयुक्त प्रभु एनण्सिंह से मुलाक़ात की जिसमे गन्ना आयुक्त ने जल्द से जल्द गन्ना भुगतान करवाने का आश्वासन दिया। जिसमे प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंघ वर्मा व युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिकए नितिन सिरोही आदि मौजूद रहे।

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड

सीआईएन : एल28219एचआर1988पीएलसी030347
पंजी. कार्यालय : प्लॉट नंबर 17–18, रोज–का–मेयो इंडस्ट्रियल एस्टेट, तहसील नूह, जिला मेवात, हरियाणा–122103, भारत
ई–मेल : investor.relations@okplay.in, वेबसाइट : www.okplay.in
30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु
पृथक्कृत और समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण (रू.लाख में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत			समेकित		
		तिमाही समाप्त		वर्ष समाप्त	तिमाही समाप्त		वर्ष समाप्त
		30–06–2023 अलेखापरीक्षित	30–06–2022 अलेखापरीक्षित	31–03–2023 लेखापरीक्षित	30–06–2023 अलेखापरीक्षित	30–06–2022 अलेखापरीक्षित	31–03–2023 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	3,483.39	3,076.41	13,305.86	4,325.13	4,111.81	18,169.37
2	शुद्ध लाभ/(हानि) कर तथा अपवाद मदों से पूर्व	84.40	(186.76)	30.53	52.85	(300.45)	308.11
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	84.74	(198.13)	7.69	53.19	(311.82)	285.27
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	84.74	(198.13)	(390.08)	36.20	(311.82)	(195.77)
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय/(हानि) [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	84.74	(202.23)	(446.66)	36.20	(311.82)	(252.35)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	2,219.61	1,920.81	1,919.61	2,219.61	1,920.81	1,919.61
7	अन्य इक्विटी (संचेय पुनरमूल्यन संचेय छोड़कर)	-	-	2,036.51	-	-	1,708.88
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/– प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु)						
	(क) मूल (रू. में	0.38	(1.05)	(2.33)	0.16	(1.62)	(1.31)
	(ख) तनुकृत (रू. में)	0.26	(1.05)	(2.33)	0.11	(1.62)	(1.31)

नोट :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजेज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट (www.okplay.in) पर उपलब्ध है।
2. उपरोक्त पृथक्कृत और समेकित वित्तीय परिणामों का पुनरीक्षण लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा शुक्रवार, 11 अगस्त, 2023 को आयोजित उनकी बैठक में किया गया है।

वास्ते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता./–
राजन हांडा
प्रबंध निदेशक
डीआईएन – 00194590

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 11–08–2023

केन्द्र सरकार योजनान्तर्गत एक वर्ष तक देगी निःशुल्क खाद्यान्न

शाहजहाँपुर। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा योजनान्तर्गत आच्छादित गरीब लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने तथा राष्ट्रीय एकरूपता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधि.–2013 में आच्छादित अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को जनवरी 2023 से एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न उपलध कराए जाने का निर्णय लिया गया है। जनवरी 2023 से आगामी एक वर्ष तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरित कराने में आने वाले सम्पूर्ण व्ययभार का वहन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। माह अगस्त 2023 के सापेक्ष माह अगस्त 2023 में वितरित होने वाले खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 12.08.2023 से 23.08.2023 के मध्य किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 किलोग्राम गेहूं व 21 किलोग्राम चावल कुल 35 किलो खाद्यान्न प्रति कार्डधारक तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 02 किलोग्राम गेहूं व 03 किग्रा चावल कुल 05 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जाएगा। कार्डधारकों को खाद्यान्न वितरण की सुविधा पोर्टेबिलिटी के माध्यम से भी अनुमन्य रहेगी। ऐसे लाभार्थी जिनका कतिपय कारणों से अंगूठा ई–पॉस मशीन पर नहीं लग रहा है उन्हें मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिक्रेशन के माध्यम से भी दिनांक 23.08.2023 को खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। इस माह जनपद के 37829 अन्त्योदय कार्डधारकों को तथा 534508 पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण संपन्न कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को सूचित करते हुये कि वह अपने संबंधित अथवा निकटवर्ती उचित दर विक्रेता से निःशुल्क खाद्यान्न 12.08.2023 से 23.08.2023 तक प्राप्त कर लें।

एसडीएम की अगुवाई में चला अभियान, एनडीआरएफ ने शारदा नदी के बीच फंसे व्यक्तियों को किया रेस्क्यू

लखीमपुर खीरी। बुधवार को तहसील गोला, बिजुआ ब्लॉक के ग्राम करसौर में शारदा नदी के पार गए कुछ व्यक्ति नदी का जलस्तर बढ़ जाने से फंस गएए जिन्हें रेस्क्यू करने को एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई। एसडीएम रत्नाकर मिश्रा ने एनडीआरएफ टीम को बुलाकर अपनी देखरेख में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। एनडीआरएफने दोनों व्यक्तियों को रेस्क्यू कर बचाया। नदी के दूसरे किनारे से लाकर परिवार वालों के सुर्पद किया।शुक्रवार को क्षेत्रीय लेखपाल को दूरभाष के जरिए संज्ञानित हुआ कि ग्राम बेचेपुरवा करसौर परगना भूड तहसील गोला जनपद खीरी निवासी धीरेन्द्र पुत्र शत्रोहनलाल व अक्षय पुत्र कल्लू जो नदी के दूसरे किनारे पर है। उन लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। साथ ही शारदा नदी में पानी बढ़ जाने के कारण उन्हें नाव से लाने में असुविधा होगी। जलस्तर बढ़ जाने के कारण फंसे लोगो को रेस्क्यू करने के लिए एसडीएम रत्नाकर मिश्रा ने एनडीआरएफ की टीम बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। एनडीआरएफव राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने उक्त दोनों व्यक्तियों को रेस्क्यू कर बचाया और नदी के दूसरे किनारे से लाकर परिवार वालों के सुर्पद किया तथा उनका चिकित्सीय परीक्षण कराये जाने के लिए स्वास्थ्य टीम को निर्देशित किया। एनडीआरएफ टीम कमांडर निरीक्षक चमन किशोर गुप्ता ने दो मोटर बोटोंए अपनी 20 सदस्यीय टीम के संग रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। नदी के तेज बहाव की कठिनाई को पार करते हुए टीम की बोट उन व्यक्तियों के पास पहुंची और उनको बोट में बैठाकर सुरक्षित निकालकर लाई जिसमे से एक व्यक्ति बीमार भी था। ऑपरेशन में कुल दो व्यक्तियों को रेस्क्यू किया गया जिसमें पहले का नाम अक्षय कुमार पुत्र कल्लू एवम दूसरे का नाम धीरेंद्र पुत्र सत्रोहन लाल है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उप जिलाधिकारी गोला रत्नाकर मिश्र के साथ नायब तहसीलदार सर्वेश यादव, लेखपाल, ग्राम प्रधान तथा प्रशासन के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

Yaari Digital Integrated Services Limited
(Formerly "Yaarii Digital Integrated Services Limited" & "Indiabulls Integrated Services Limited")
(CIN: L51101HR2007PLC077999)
Extract of Consolidated Unaudited Financial Results for the quarter ended 30 June 2023

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-23	Quarter ended 31-Mar-23	Quarter ended 30-Jun-22	Year ended 31-Mar-23
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income from Operations	0.24	-	157.75	185.90
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate, Exceptional and/or Extraordinary items)	(5.50)	(70.48)	150.73	84.69
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items))	(5.50)	(70.48)	150.73	84.69
Net Profit / (Loss) for the period after Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(5.50)	(70.83)	150.52	94.85
Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(0.19)	(90.85)	129.96	58.58
Equity Share Capital	19.74	19.74	19.74	19.74
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the audited Balance Sheet				(242.79)
Earnings per Share (EPS) before extraordinary items				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.55)	(7.06)	15.01	9.44
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.55)	(7.06)	15.01	9.44
Earnings per Share (EPS) after extraordinary items				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.55)	(7.06)	15.01	9.44
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.55)	(7.06)	15.01	9.44

Notes:
1) The above results have been reviewed by the Audit Committee and subsequently approved at the meeting of the Board of Directors held on 11 August 2023.
2) **Key Standalone Financial Information:**

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-23	Quarter ended 31-Mar-23	Quarter ended 30-Jun-22	Year ended 31-Mar-23
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income	0.18	32.48	421.56	529.69
Profit/(Loss) before Tax	(10.32)	(39.41)	414.19	412.77
Net Profit/(Loss) after Tax	(10.32)	(39.66)	414.19	412.99

3) "Figures for the quarter ended 31 March 2023 represents the balancing figures between the audited figures for the full financial year 31 March 2023 and published reviewed year to date figures upto 31 December 2022.
4) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Company's website (https://www.yaari.com) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office: 5th Floor, Plot No. 108, IT Park, Udyog Vihar, Phase-1 Gurugram, Haryana 122016
For and on behalf of the Board of Directors
Place : Gurugram
Date : 11 August 2023
Kubeir Khera
Executive Director & CEO

ट्रक ने कार को मारी टक्कर बाइक भी चपेट में आईं

बरेली। तेजी से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी बेकाबू कार दो बाइक सवार को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई जिससे 2 लोग घायल हो गए घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिथरी चौनपुर क्षेत्र में बड़ बड़ा बाईपास स्थित नवादियाझादा गांव के पास बाइक सवार बीसलपुर में कार्यरत विद्युत निगम के जेई जितेंद्र कुमार गुरुवार शाम करीब छह बजे कार से बरेली आ रहे थे बड़ा बाईपास का नवदिया झादा चौराहे पार कर रहे थे शाहजहांपुर की तरफ से आया ट्रक अनियंत्रित हो गया ट्रक जेई की कार को चपेट में लेते हुए डिवाइडर पर चढ़ गया सड़क पर खड़े बाइक सवार भी ट्रक की चपेट में आ गए दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई आसपास के लोग जुट गए गनीमत रही कि किसी को ज्यादा चोट नहीं आई मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है यादों की इसी जगह पर 26 जुलाई को तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार दी बाइक और स्कूटी को टक्कर मार दी थी इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई थी ।

विधायक ने जनसमस्याओं के निस्तारण की मांग की

संडीला (हरदोई)। क्षेत्रीय विधायक ने परिवहन मंत्री से संडीला में रोडवेज़ बस स्टॉप एवं चार्जिंग स्टेशन की मांग के साथ साथ नगर विकास मंत्री से हिंदुओं के अंतेष्टि स्थल के निर्माण की मांग की है। क्षेत्रीय विधायक अलका अर्कवंशी ने परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि संडीला तहसील में औद्योगिक क्षेत्र स्थित है। यहां कई बड़ी कंपनियों के प्लांट चल रहे हैं। कंपनियों द्वारा हजारों करोड़ रुपए के निवेश किए गए हैं जिनसे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ स्वंय नैमिशधाम के विकास के लिए प्रतिशील हैं। उनकी घोषणा के क्रम में ई–बसें लखनऊ से संडीला होकर नैमिश के लिए चलाई गईं थीं परन्तु यह बसें इसलिए बंद हो गयीं क्योंकि उतनी दूरी पर बसें बिना चार्जिंग के नहीं चलाई जा सकतीं। गौरतलब है कि कानपुर के तीर्थ यात्री भी संडीला होकर ही नैमिश तीर्थ जाते हैं।

विधायक ने नगर विकास मंत्री से भेंट कर उनको अवगत कराया कि हिन्दुओं का अंतेष्टि स्थल पसौंजन अत्यंत जरजर हालत में है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में अंतिम संस्कार के लिए आने वालों को भयंकर कठिनाई का सामना करना पड़ता है जिससे जनता में व्यापक रोश है। नगर पालिका अध्यक्ष का विशेष धर्म से होने के कारण हिन्दुओं के शमशान स्थल निर्माण को लेकर हमेश उपेक्षित रवैया रहा है। इस सबंध में स्वंय उन्होंने कई बार पत्राचार किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंनें मांग की कि हिन्दुओं के इस अंतेष्टि स्थल के निर्माण की स्वीकृत तत्काल की जाए। गौरतलब है कि इस अंतेष्टि स्थल के लिए 38 लाख रुपए का प्रस्ताव अनुभाग 7 में लंबि है। इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की मांग की गयी है।

मालगाड़ी के आगे कूदकर इंटर की छात्रा ने की आत्महत्या

शाहजहांपुर। तिलहर रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी के आगे कूदकर इंटर की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। छात्रा कोचिंग पढ़ने जा रही थी। एक कोचिंग पढ़ने के बाद उसके दूसरी कोचिंग के लिए जाना था। छात्रा की साइकिल घटना स्थल से कुछ दूरी पर पढ़ी मिली। बताया जाता है कि तिलहर थाना क्षेत्र के गांव रजाकपुर निवासी प्रमोद कुमार की 17 साल की बेटी सुगंधा सरला देवी इंटर कालेज में इंटर की छात्रा थी। छात्रा एक बजे घर से साइकिल से कोचिंग जाने के लिए निकली थी। विज्ञान की कोचिंग पढ़ने के बाद उसको इंग्लिश की कोचिंग के लिए जाना था। कोचिंग जाने के बजाए छात्रा रेलवे क्रासिंग की तरफ चल दी।स्थानीय लोगों के अनुसार, छात्रा ने रेलवे पटरी से कुछ दूरी पर साइकिल खड़ी कर दी और धीरे-धीरे पटरी की तरफचल दी। मालगाड़ी आते ही छात्रा उसके आगे कूद गई। छात्रा का सिर मालगाड़ी के इंजन से टकराया और उछलकर उसका शव काफी दूर गिरा। स्थानीय लोगों की सूचना पर जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर उसके मोबाइल से शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि, तिलहर रेलने फाटक के पास एक छात्रा ने मालगाड़ी के आगे कूदकर जान दे दी है। उसकी शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

अपर नगर आयुक्त ने रोपित किये पौधों की स्थिति का निरीक्षण

शाहजहाँपुर। अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह ने नगर क्षेत्र के न्यू सिटी ककरा स्थित शहीद पार्क (जैव विविधता पार्क) एवं एफएसटीपी में सघन वृक्षारोपण के क्रम में पूर्व में रोपित किये गए पौधों की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पौधों की सुरक्षा एवं नियमित पानी देने हेतु सम्बधित को निर्देशित किया गया। अपर नगर आयुक्त ने निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह ने निरीक्षण के समय निर्माण कार्य की स्थिति को देखा व निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को तेज गति से कराये जाने के साथ-साथ ससमय निर्माण कार्य को पूर्ण कराये।

पुलिस प्रभारी सम्मानित

संडीला (हरदोई)। अधिवक्ता समिति ने उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के विरुद्ध बस अस अड्डा पुलिस चौकी प्रभारी को सम्मानित किया। बस अड्डा चौकी प्रभारी सैय्याद हुसैन खां द्वारा कुछ समय पहले तहसील से दिन दहाड़े स्टांप विक्रेता का स्टांप और नकदी से भरा बक्सा उठा ले जाने और तहसील से चोरी की गयी चार मोटरसाइकिलों को बरामद करने तथा क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने के लिए उन्हें अधिवक्ता समिति कार्यालय बुलाकर सम्मानित किया।

Indiabulls Enterprises Limited
(CIN: U71290HR2019PLC077579)
Extract of Consolidated Unaudited Financial Results for the quarter ended 30 June 2023

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-23	Quarter ended 31-Mar-23	Quarter ended 30-Jun-22	Year ended 31-Mar-23
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income from Operations	16.30	17.95	24.31	87.97
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate, Exceptional and/or Extraordinary items)	(0.00)	(2.18)	0.33	14.75
Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items))	(0.00)	(11.24)	0.33	5.69
Net Profit / (Loss) for the period after Tax, Minority Interest and Share of Profit / (Loss) of Associate (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(1.12)	(11.92)	(5.22)	4.13
Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(1.12)	(11.65)	0.10	4.59
Equity Share Capital	39.67	39.67	39.67	39.67
Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the audited Balance Sheet				231.41
Earnings per Share (EPS) of Rs.2 each from continuing operations				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.04)	(0.55)	(0.00)	0.11
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.04)	(0.55)	(0.00)	0.11
Earnings per Share (EPS) of Rs.2 each from discontinued operations				
- Basic (Amount in Rs.)	(0.02)	(0.05)	(0.26)	0.09
- Diluted (Amount in Rs.)	(0.02)	(0.05)	(0.26)	0.09

Notes:
1. The above results have been reviewed by the Audit Committee and subsequently approved at the meeting of the Board of Directors held on 11 August 2023.
2. **Key Standalone Financial Information:**

(Rs. in Crores)

Particulars	Quarter ended 30-Jun-23	Quarter ended 31-Mar-23	Quarter ended 30-Jun-22	Year ended 31-Mar-23
	Unaudited	Refer note-3	Unaudited	Audited
Total Income	12.09	14.54	27.52	84.71
Profit/(Loss) before Tax	(4.50)	(382.15)	5.11	(368.56)
Net Profit/(Loss) after Tax	(4.86)	(381.24)	(0.19)	(383.46)

3. Figures for the quarter ended 31 March 2023 represents the balancing figures between the audited figures for the full financial year 31 March 2023 and published reviewed year to date figures upto 31 December 2022.
4. The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Company's website (https://www.indiabullsenterprises.com) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office: 5th Floor, Plot No. 108, IT Park, Udyog Vihar, Phase-1 Gurugram, Haryana 122016
For and on behalf of Board of Directors
Place : Gurugram
Date : 11 August 2023
Vijay Kumar Agarwal
Executive Director

शहर से राष्ट्रपति भवन तक का सफर तय कर मोहित शर्मा बने युवाओं के प्रेरणा

बरेली। शहर के आशुतोष सिटी निवासी युवा मोहित शर्मा ने सामाजिक कार्यों एवं युवा गतिविधियों के माध्यम से बरेली से राष्ट्रपति भवन तक का सफर तय किया हैं । मोहित शर्मा ने बताया कि विगत 6 वर्षो से राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से रक्तदान, स्वच्छता, मतदान, सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण,जन जागरूकता कार्यक्रम,कोविड में स्वयंसेवा आदि कार्यों को करते आ रहे हैं। जिसके लिए ही युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उन्हें उत्तर प्रदेश से एकमात्र स्वयंसेवक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2020–21 के लिए चयनित कर राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा प्रदान किया गया। मोहित शर्मा ने एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली प्रथम स्वयंसेवक एवं छात्र बनने का गौरव भी अपने नाम दर्ज

किया हैं,जिसे राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा भी सराहा गया हैं। मोहित शर्मा वर्तमान में नगर निगम बरेली के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर होने के साथ ही अपने कार्यों को निरंतर गति प्रदान कर रहे। अभी तक 9 बार स्वयं रक्तदान किया हैं और समय समय पर जिला अस्पताल रक्तकोष के माध्यम से रक्तदान शिविर आयोजित कर व इमरजेंसी में रक्त उपलब्ध कराकर अभी तक 600 से अधिक रक्त यूनिट उपलब्ध करवा चुके हैं। मोहित शर्मा को अनेक बार राष्ट्रीय, राज्य एवं जनपद स्तर पर उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका हैं। अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजन एवं साथियों को दिया हैं।

धर्म नगरी में धूमधाम से मनाई जाये आज़ादी की 77वीं सालगिरह: डीएम

●डीएम ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यो से कहा कि 77 वां स्वाधीनता दिवस समारोह परंपरागत रूप से भव्यता के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार 15 अगस्त को सभी शासकीय कार्यालयों, इमारतों, शिक्षण संस्थाओं विद्यालयों आदि में ध्वजारोहण 10:15 बजे पर फहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रात 9:15 बजे प्रदेश मुख्यालय पर मुख्यमंत्री द्वारा ध्वजारोहण व उद्बोधन किया जाएगा। जिसका सीधा प्रसारण भी दिखाया जाएगा। जिसमें सभी तहसील व ब्लाक स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। बताया कि जिला स्तर पर गणेश बाग में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि डीसी एनआरएलएम से संपर्क स्थापित करके मेरी माटी मेरा देश की थीम को लेकर विद्यालय के बच्चों के साथ कार्यक्रम आयोजित कराएं। जिला पंचायत राज अधिकारी तथा समस्त अधिशासी अधिकारी अच्छी तरह से साफ सफाई कराएं। 14 अगस्त को ही सभी कार्यालय अच्छी तरह से साज–सज्जा से सुसज्जित कराएं।

उन्होंने यह भी बताया कि 14 अगस्त को टाउन हॉल में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, जिला विकास अधिकारी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी द्वारा स्वतंत्रता से संबंधित अभिलेखों की प्रदर्शनी एवं विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाएगा।

वेलनेस सेंटर मिनौरा को मिला क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड का दर्जा

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी चांदनी सिंह ने कहा कि हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर मिनौरा विकास खण्ड डकोर को नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड का दर्जा मिला है जो जनपद का पहला उपकेन्द्र बना। जिस पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को बधाई देते हुये कहा कि इस सफलता के पीछे स्वास्थ्य विभाग की टीम, बीडीओ, ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव का सहयोग सराहनीय रहा। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर मिनौरा को नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) के मानकों के अनुसार समस्त सुविधायें उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस सेन्टर में अत्याधुनिक सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही हैं इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मुहैया करायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा दिये गये 18 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के लक्ष्य को पूरा करने हेतु उपकेन्द्रों के गैप दूर करने का कार्य प्राथमिकता पर चल रहा है और अल्प समय में ही इन उपकेन्द्रों के सर्टिफिकेशन का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर मिनौरा को नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) का दर्जा मिला। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसकी घोषणा की।

अन्ना प्रथा के विरोध में किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

●जिलाध्यक्ष राम सिंह राही के नेतृत्व में हुआ प्रदर्शन

●एसडीएम और एएसपी को सौपा ज्ञापन

संवाददाता। चित्रकूट

भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अगुवाई में ट्रैक्टर रैली गल्लामंडी से सैकड़ों ट्रैक्टरों समेत हजारों की तादाद में किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रर्दशन कर एसडीएम व एएसपी को ज्ञापन सौंपा। जिले में अन्ना जानवरों की समस्या को लेकर बारह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ट्रैक्टर रैली में पहुंचे किसानों ने कलेक्ट्रेट में कहा कि 36 वर्षों से भाकियू खेत की पगडंडी से देश की राजधानी तक चमचमाती सड़कों पर मांगों को लेकर आन्दोलन करते रहे हैं। देश कोरोना महामारी से त्रस्त था, देश के सभी उद्योग धंधे से लेकर अन्य कार्य ठप हो चुके थे। उस दौर में भी देश के किसानों ने देश को निराश नहीं किया। कोरोना काल में जीडीपी 3.6 व दूसरे वर्ष में जीडीपी 3.9 दर्ज की गयी। किसानों ने देश अन्न उत्पादन किया। संकट के दौर से देश के बाहर निकालने पर खेती पर बढ़ता खर्च और फसल का वाजिब भाव न मिलने से किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। किसान भूमि को बंधक कर बैंकों से ऋण ले रहा है। परिवार का पालन–पोषण भविष्य में चुनौती बन गया है। प्रदेश में सबसे विकराल समस्या छुट्टा पशुओं की है। सरकार गांव की परती जमीनों पर पशु शालायें बनायें, ताकि किसानों को खेती समेत जान–माल की सुरक्षा हो सके।

ज्ञापन में कहा कि उप्र सरकार ने किसानों से सिंचाई को मुफ्त बिजली का वायदा किया था। बजट पेश करते हुए घोषणा की गयी कि किसानों को सिंचाई को मुफ्त बिजली दी जायेगी, नहीं दी गई। प्रदेश सरकार ने निजी नलकूपों में मीटर लगवाने की प्रक्रिया रोके। पूर्व में निजी नलकूप कनेक्शन पर तीन सौ मीटर विद्युत लाइन विभाग से मिलती थी, इसे दोबारा लागू किया जाए। चार वर्षों में 25 रुपये प्रति कुंतल बढ़ाकर किसानों को और गरीब बनाया गया। गन्ने की खेती पर बढ़ते खर्च पर प्रदेश सरकार पांच सौ रुपये प्रति कुन्तल गन्ने का भाव घोषित करे। किसानों के बकाये भुगतान जल्द करायें। एमएसपी गारंटी कानून बनाने में केंद्र सरकार पहल करे। किसान आयोग का गठन कर फसलों के लाभकारी मूल्य को स्वामीनाथन आयोग रिपोर्ट लागू करें।

जुमा नमाज के दौरान पुलिस अधीक्षक ने किया मस्जिदों के आसपास निरीक्षण

जालौन, उरई। मस्जिदों के आसपास बाइकों को आड़ा तिरछा खड़ा न कराएं। बल्कि एक लाइन से बाइकों को खड़ा कराएं। ताकि आने जाने वालों को परेशानी न हो। यह बात जुमा के नमाज के दौरान नगर में आए एसपी ने मस्जिदों के आसपास निरीक्षण के दौरान कही।

एसपी डॉ. ईराज राजा शुक्रवार की दोपहर अचानक नगर में आ गए। एसपी ने जुमा की नमाज के दौरान मरकज जामा मस्जिद एवं तकिया मस्जिद का निरीक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें मरकज जामा मस्जिद के पास नमाज के दौरान गलियों और सड़क पर आड़ी तिरछी बाइकें खड़ी नजर आईं। जिस पर उन्होंने अधीनस्थों को निर्देश दिए कि नमाज के दौरान गली बंद न हो इसका ध्यान रखें। बाइकों को लाइन में खड़ा कराएं ताकि गलियां खुली रहें। इससे आने जाने वालों को दिक्कत नहीं होगी। इसके बाद वह तकिया मजिस्द पहुंचे। जहां उन्होंने लोगों से अपील की कि शांतिपूर्वक अपनी धार्मिक गतिविधिओं को संपन्न करें। किसी के बहकावे में न आएं। सोशल मीडिया का सोच समझकर इस्तेमाल करें। किसी अफ्वाह पर न तो ध्यान दें और न ही कोई स्वयं ही फैलाएं। सोशल मीडिया पर भी कोई आपत्तिजनक पोस्ट वायरल न करें। इस मौके पर सीओ रविंद्र गौतम, एसएसआई आनंद सिंह, ओंकार सिंह आदि मौजूद रहे।

पेंशनरों व उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा की सुविधा

उरई, जालौन। वरिष्ठ कोषाधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्य सचिव उप्र शासन एवं जिलाधिकारी जालौन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत जनपद के समस्त राजकीय पेंशनरों एवं उनके पात्र आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा उपचार सुविधा का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि अब पेंशनर व उनके आश्रित प्रत्येक लाभार्थी परिवार को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आबद्ध निजी चिकित्सालयों में 5 लाख रुपए प्रति वर्ष की सीमा तक तथा सरकारी चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सालयों में बिना किसी वित्तीय सीमा के कैशलेस उपचार की सुविधा अनुमन्य है। योजना का लाभ लेने हेतु प्रत्येक लाभार्थी के पास योजना का कार्ड होना अनिवार्य है। कार्ड प्राप्त करने हेतु सेवानिवृत्त सरकारी सेवक को योजना के पोर्टल पर आवेदन करना होता है। राजकीय पेंशनरों के आनलाइन आवेदन का सत्यापन टीओ (वरिष्ठ) मुख्य कोषाधिकारी) द्वारा किये जाने का प्रावधान है। अत: ऐसे राजकीय पेंशनर्स जिन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत अपना पंजीकरण नहीं कराया है यथाशीघ्र इस योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना सुनिश्चित करें। उपरोक्त सुविधा केवल राजकीय पेंशनरों के लिए लागू है।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मिलती है पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा: डॉ. गोस्वामी

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

पुखरायां के प्रतिष्ठित गोयल परिवार की ओर से सोमवार को श्रीमद भागवत कथा ज्ञान उत्सव सप्ताह के पांचवे दिन शुक्रवार को दशम स्कंध की कथाओं में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण करने एवं नेतृत्व को आचरण सुधारने की सीख दी।

वृंदावनधाम से पधारे कथाव्यास डॉक्टर मनमोहन गोस्वामी के द्वारा कथा में बताया गया कि श्रीकृष्ण भगवान ने माखन चोरी लीला में ग्राम स्वराज्य की अवधारणा का प्रतिपादन किया है। माखन की मटकी सत्ता है। कृष्ण बच्चों की सीढ़ी बनाकर मटकी तक पहुंचते है किन्तु स्वयं मक्खन नहीं खाते। सबसे पहले सबसे नीचे खड़े बच्चों को खिलाते हैं। इसी प्रकार नेताओं को को चाहिए कि वे पहले जनता को संसाधनों का सुख दें। स्वयं सत्ता का सुख प्राप्त न करें। कालिया दमन लीला भी प्रतीकात्मक है। कालिया नाग नदियों में गिरने वाले काले काले नालों का प्रतीक है।

आपरेशन तलाश के तहत पुलिस ने लौटाईं परिवारों को खुशियां

कानपुर देहात। जनपद में अपहृत एवं गुमशुदा बच्चों को सकुशल खोजकर उनके परिवारों को सुपुर्द करने के लिये ,एसपी द्वारा माह जनवरी 2023 से 'आपरेशन तलाश' चलाया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिये जनपद स्तर पर स्पेशल टीम/सर्विलांस टीम के साथ-साथ जनपद के समस्त थानों से अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। जनपद में अब तक कुल 165 अपहृत/गुमशुदा बच्चे या किसी के बहकाबे में आकर चले गये थे, जिसमें 128 बच्चों को देश के विभिन्न प्रदेशों/शहरों से जैसे-राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, हिमांचल प्रदेश, पलवल, पानीपत, सूरत, अहमदाबाद, कर्नाटक, गुडगांव, नासिक, मुम्बई, नोएडा, बिहार आदि जगहों से बरामद किया गया। वर्तमान समय में 37 बरामदगी हेतु शेष हैं।

उज्जवला सब्सिडी से छूटे लाभार्थियों को दिलायें लाभ

फतेहपुर। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अवशेष लाभार्थियों के खाते आधार कार्ड से लिंक कराए जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने जूम के माध्यम से जुड़कर उप जिलाधिकारियो को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अवशेष लाभार्थियों के बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक कराने के लिए तहसील स्तर पर बैठक कर ब्लाक स्तर की कमेटी गठित करते हुए न्याय पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर आधार कार्ड बैंक खाते से लिंक कराए। इसकी प्रगति रिपोर्ट से भी अवगत कराएं। कैंप का अयोजन कराने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी, लीड बैंक प्रबंधक, जनपद के गैस एजेंसी के नोडल अधिकारी से समन्वय बनाया जाये। साथ ही कैंपवार नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये।

महाविद्यालय की छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली

फतेहपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा एवं मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने तिरंगा रैली का आयोजन किया। सभी लोगों ने उत्साह से भाग लेकर देशभक्ति की अलख जगाई। तिरंगा यात्रा को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरिता गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा निकालकर छात्राओं ने हर घर तिरंगा, वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगा लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया। महाविद्यालय प्राचार्य ने बताया कि यह रैली महाविद्यालय से निकलकर आईटीआई रोड से होते हुए पटेल चौराहे तक गई। इसके बाद पटेल चौराहे से लोगों को जागरुक करते हुए वापस महाविद्यालय पर आकर समाप्त हुई।

एसपी वृंदा शुक्ला ने 16 जोड़ों को सम्मानित किया

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला की अध्यक्षता में मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 'शक्ति दीदी' अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों की दो-दो महिला आरक्षियों को 15 दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा सुलह-समझौता कर खुशी-खुशी रहने वाले वाले 16 दम्पति जोड़ों को सम्मानित किया गया। शुक्रवार पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में चलाये जा रहे महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति' एवं 'शक्ति दीदी' अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों की दो-दो महिला आरक्षियों को 15 दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

पेज एक का शेष

मॉब लिंचिंग...

प्राथमिकी हिमालय की चोटी से कन्याकुमारी के सागर तक कहीं से भी दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि संबंधित थाने को 15 दिन के अंदर शिकायत भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार ई–प्राथमिकी की व्यवस्था शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक जिले में एक पुलिस अधिकारी नामित होगा जो हिरासत में लिए गए आरोपियों के परिजनों को इस बात का प्रमाणपत्र देगा कि आपके परिजन हमारी गिरफ्त में हैं। शाह ने कहा कि अब पुलिस को परिजनों को ऑनलाइन और व्यक्तिगत सूचना देनी होगी। उन्होंने कहा कि यौन हिंसा और उत्पीड़न के मामले में पीड़िता का बयान और उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी। शाह ने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करने और सुनवाई में देरी रोकने के लिए तीन साल से कम कारावास वाले मामलों में त्वरित सुनवाई (समरी ट्रायल) की प्रणाली शुरू की जाएगी जिससे सत्र अदालतों में 40 प्रतिशत तक मामले कम हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब पुलिस को 90 दिन के अंदर आरोप पत्र दायर करना होगा जिसे अदालत 90 दिन और बढ़ा सकती है। शाह ने कहा कि पुलिस को अधिकतम 180 दिन में जांच समाप्त करनी होगी। उन्होंने कहा कि अदालतें अब फैसलों को सालों तक लंबित नहीं रख सकतीं, सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत को 30 दिन के अंदर फैसला सुनाना होगा और इसे एक सप्ताह के अंदर ऑनलाइन अपलोड करना होगा। शाह ने कहा कि सात साल या अधिक कारावास की सजा वाले अपराध के मामले में पीड़ित का पक्ष सुने बिना कोई सरकार मामले को वापस नहीं ले सकेगी। उन्होंने कहा कि इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के तहत यह सरकार पहली बार शादी, रोजगार और पदोन्नति के झूठे वादे करके महिलाओं से यौन संबंध बनाने को अपराध की श्रेणी में ला रही है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में ही हम सबका मार्गदर्शन किया था कि अंग्रेजों के बनाए हुए जितने भी कानून हैं उन पर सोच–विचार और चर्चा करके उन्हें आज के समय के अनुरूप और भारतीय समाज के हित में बनाया जाना चाहिए। वहीं से ये प्रक्रिया शुरू हुई। शाह ने कहा कि ये कानून अंग्रेज शासन को मजबूत करने एवं उनकी रक्षा के लिए उन्होंने बनाए थे। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य दंड देना था, न्याय देना नहीं था। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार लंबे विचार–विमर्श और मंथन के बाद तीनों नए विधेयक लेकर आई है और इनके माध्यम से भारत के नागरिकों को संविधान में प्रदत्त सारे अधिकारों का संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आईपीसी में मनुष्य की हत्या से संबंधित अपराध धारा 302 के तहत दर्ज था, जबकि शासन के अधिकारी पर हमला, खजाने की लूट जैसे अपराधों को पहले दर्ज किया गया था। शाह ने कहा, हम इस सोच को बदल रहे हैं। नए कानून में सबसे पहला अध्याय महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित होगा और दूसरे अध्याय में मनुष्य हत्या के अपराध से जुड़े प्रावधान होंगे। विधेयकों को पेश किए जाने के दौरान कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट किया। विधेयक पेश किए जाने पर खुशी जताते हुए बीजू जनता दल के सांसद बी महताब ने कहा, यह अच्छी शुरुआत है और मुझे खुशी है कि मैं और मेरी पार्टी के अन्य सदस्य यहां इतिहास बनते देख रहे हैं। शाह ने कहा कि 2027 तक देश की सभी अदालतों को कम्प्यूटराइज्ड किया जाएगा, प्राथमिकी से लेकर निर्णय लेने तक की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा, अदालतों की समस्त कार्यवाही प्रौद्योगिकी के माध्यम से होगी और आरोपियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंस से होगी। शाह ने कहा कि न्याय प्रक्रिया में लोगों के कम होते विश्वास के मद्देनजर यह कदम बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण है और इसलिए न्याय प्रणाली में आधुनिक से आधुनिक तकनीक को समाहित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब ईमेल, एसएमएस, लैपटॉप, कम्प्यूटर समेत अनेक प्रौद्योगिकियों को साक्ष्य बनाने की वैधता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य अदालतों में दोषसिद्धि की दर को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। शाह ने कहा कि नौकरशाहों के खिलाफ शिकायत दायर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को 120 दिन के अंदर अनुमति देनी होगी या उससे इनकार करना होगा। यदि कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता तो इसे हां माना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि घोषित अपराधियों की संपत्ति को जब्त करके मुआवजे का प्रावधान किया गया है और राजनीतिक रसूख वाले अपराधियों को भी किसी तरह छोड़ा नहीं जाएगा।

पहचान छिपाकर...

के कारण, मामलों को अपराध नहीं माना जाता था और दोनों पक्षों की तरफ से कई व्याख्या के विकल्प खुले थे। जैन ने पीटीआई–भाषा से कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि पहचान छिपाकर शादी करने के विशिष्ट प्रावधान को झूठे नामों के तहत अंतरधार्मिक विवाह के मामलों में लक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां मुख्य बात यह है कि झूठे के सहारे ली गई पीड़िता की सहमति को स्वैच्छिक नहीं कहा जा सकता। जैन ने दावा किया, हमारे देश में पुरुषों द्वारा महिलाओं का शोषण किया जा रहा है, जो उनसे शादी का वादा कर यौन संबंध बनाते हैं और अगर वादा करते समय पुरुषों का शादी करने का कोई इरादा नहीं था, तो यह एक अपराध है। हालांकि, जैन ने कहा कि इस प्रावधान में शादी के झूठे वादे को रोजगार या पदोन्नति के वादे के साथ जोड़ना आगे बढ़ने का सही तरीका नहीं हो सकता है। प्रस्तावित विधेयक में ताक–झांक के अपराध के लिए भी तीन से सात साल की सजा का प्रावधान किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि त्वरित न्याय प्रदान करने और लोगों की समकालीन जरूरतों एवं आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एक कानूनी प्रणाली बनाने के लिए ए बदलाव पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा, सामूहिक बलात्कार के सभी मामलों में 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा होगी। 18 साल से कम उम्र की लड़कियों से बलात्कार के मामले में मृत्युदंड की सजा निर्धारित की गई है। विधेयक में कहा गया है कि हत्या के अपराध के लिए मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा होगी। विधेयक के अनुसार, यदि किसी महिला की बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या इसके कारण महिला मरणासन्न स्थिति में पहुंच जाती है, तो दोषी को कठोर कारावास की सजा दी जाएगी, जिसकी अवधि 20 वर्ष से कम नहीं होगी और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। विधेयक के मुताबिक, 12 साल से कम उम्र की लड़की के साथ दुष्कर्म के दोषी को कठोर कारावास की सजा दी जाएगी, जिसकी अवधि 20 वर्ष से कम नहीं होगी और इसे व्यक्ति के शेष जीवन तक कारावास की सजा तक बढ़ाया जा सकता है।

उच्चतम न्यायालय...

उसके 21 अक्टूबर 2022 के फैसले के अनुसरण में नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपने का भी निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान, नटराज ने कहा कि भारत सरकार भी नफरत फैलाने वाले भाषणों के खिलाफ है, जिसकी पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने का तंत्र कुछ जगहों पर काम नहीं कर रहा है। पत्रकार शाहीन अब्दुल्ला द्वारा दाखिल अर्जी में उच्चतम न्यायालय के दो अगस्त के उस आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया था, हम उम्मीद करते हैं कि राज्य सरकारें और पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी समुदाय के खिलाफ कोई नफरत भरा भाषण न दिया जाए और कोई हिंसा न हो या संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जाए। शुरुआत में, अब्दुल्ला की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि लोगों को नफरत भरे भाषणों से बचाने की जरूरत है और इस तरह का जहर परोसे जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। जब पीठ ने सिब्बल से एक समिति गठित करने के विचार के बारे में पूछा, तो वरिष्ठ वकील ने कहा, मेरी दिक्कत यह है कि जब कोई दुकानदारों को अगले दो दिन में मुसलमानों को बाहर निकालने की धमकी देता है, तो यह समिति मदद नहीं करने वाली है। सिब्बल ने कहा कि पुलिस कहती रहती है कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, लेकिन अपराधियों को कभी गिरफ्तार नहीं किया जाता या उन पर मुकदमा नहीं चलाया जाता। सिब्बल ने कहा, समस्या प्राथमिकी दर्ज करने की नहीं है, समस्या यह है कि क्या प्रगति हुई? वे किसी को गिरफ्तार नहीं करते, न ही किसी पर मुकदमा चलाते हैं। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कुछ नहीं होता। इस मामले में अब अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि नफरत भरे भाषणों से माहौल खराब होता है और जहां भी आवश्यक हो, पर्याप्त पुलिस बल या अर्धसैनिक बल को तैनात किया जाना चाहिए और सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे के जरिए वीडियो रिकॉर्डिंग सुनिश्चित की जाए। अर्जी में कहा गया है कि शीर्ष अदालत के आदेश के बावजूद, हरियाणा के नूंह में सांप्रदायिक झड़पों के बाद विभिन्न राज्यों में 27 से अधिक रैलियां आयोजित की गईं और नफरत भरे भाषण दिए गए। इसमें कहा गया है, उपरोक्त आदेश के बावजूद, विभिन्न राज्यों में 27 से अधिक रैलियां आयोजित की गई हैं, जहां एक समुदाय विशेष के लोगों की हत्या और सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्कार का आह्वान करने वाले नफरत भरे भाषण खुलेआम दिए गए हैं। याचिकाकर्ता ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त और उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के पुलिस महानिदेशक और अन्य अधिकारियों को पर्याप्त कार्रवाई करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने का अनुरोध किया है कि ऐसी रैलियों के आयोजन की अनुमति न दी जाए।

चौधरी के...

हों। उन्होंने दावा किया कि चौधरी को लोक लेखा समिति से दूर करने के लिए उन्हें निलंबित किया गया ताकि वह सरकार की कमियां को न बता पाएं। चौधरी लोक लेखा समिति के अध्यक्ष हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ये लोग लोकतंत्र को दबाना चाहते हैं, संविधान के तहत नहीं चलना चाहते। सरकार के गैरकानूनी कदम के खिलाफ हम लड़ते रहेंगे। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर की गई कुछ टिप्पणियों और उनके आचरण को लेकर बृहस्पतिवार को उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया और उनके खिलाफ इस मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इससे जुड़ा एक प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। इससे पहले, कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर चुके थे। प्रस्ताव के अनुसार, विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक कांग्रेस नेता चौधरी सदन की कार्यवाही से निलंबित रहेंगे। चौधरी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री का अपमान नहीं किया, बल्कि उदाहरण के तौर पर कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया था।

बेड बॉक्स...

के अंदर आते हुए दिखाई दी। करीब डेढ़ घंटे बाद महिला बाहर निकली। बाद में महिला की पहचान मासूम के पिता की महिला मित्र के रूप में हुई। पुलिस ने महिला से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उसका फोन बंद जा रहा था। इसके बाद आरोपी महिला को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई। छानबीन में पता चला कि आरोपी महिला इससे पहले भी कई बार उनके घर आ चुकी है। कुछ मुद्दों को लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था। बृहस्पतिवार को लड़का घर पर अकेला था। इसी दौरान आरोपी महिला घर आई और उसने वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी महिला...

कोशिश की लेकिन उसका फोन बंद था। महिला की धमकी के बाद परिजनों ने दिव्यांश को फिर से ढूंढ़ा तो उसके जूते व चप्पल देखाई। तलाशी के दौरान देखा कि एक बेड का बिस्तर उठा हुआ था। शक होने पर उन्होंने बेड के अंदर देखा तो उनका बेटा पड़ा हुआ था। उसके गले पर नाखून के निशान मिले हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी महिला पिछले कई माह से उसके घर आकर उसे परेशान कर रही थी। इसके बाद उसने थाने में जाकर आरोपी महिला के चार–पांच बार खिलाफ शिकायत दी। शिकायत पर जांच के आदेश एएसआई लक्ष्मण को दिए गए। शिकायत के बाद भी पुलिस की तरफ से कार्रवाई नहीं की गई।

राहुल का...

ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया था। उन्होंने मणिपुर में शांति बहाली के लिए सभी से मिलकर काम करने और वहां के लोगों के लिए दर्द की दवा बनने का आग्रह करते हुए कहा था कि देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र वैश्विक दृष्टि से केद्र बिंदु बनने वाला है तथा मणिपुर में शांति का सूरज उगेगा। अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया था। राहुल गांधी ने कहा, कल (बृहस्पतिवार) प्रधानमंत्री ने लोकसभा में दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया, लेकिन इसमें मणिपुर पर सिर्फ दो मिनट बात की। मणिपुर में महीनों से आग लगी है, लोग मारे जा रहे हैं, बलात्कार हो रहे हैं, बच्चों को मारा जा रहा है और प्रधानमंत्री हंस–हंसकर बात कर रहे थे। मजाक कर रहे थे। ये हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, संसद के बीच में बैठे प्रधानमंत्री बेशर्मी से हंस रहे थे... मुद्दा कांग्रेस या मैं नहीं थे, मुद्दा यह था कि मणिपुर में क्या हो रहा है? और इसे क्यों नहीं रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी इस बात को समझ नहीं पाते कि भारत का प्रधानमंत्री होना क्या है। उन्होंने दावा किया, वह यह नहीं समझ पाते कि वह हमारे प्रतिनिधि हैं...प्रधानमंत्री को एक मामूली नेता या किसी दल के नेता की तरह नहीं बोलना चाहिए...मैंने कांग्रेस और भाजपा से संबंधित रखने वाले प्रधानमंत्रियों को देखा...वाजपेई जी को देखा, देवगौड़ा जी को देखा। किसी ने ऐसा नहीं किया था। कांग्रेस नेता ने यह दावा भी किया, मैंने जो मणिपुर में देखा और सुना, ऐसा मैंने पहले कभी न देखा था और न सुना था। मैंने संसद में कहा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर में भारत की हत्या कर दी है। ये मेरे खोखले शब्द नहीं थे। जब हम मणिपुर पहुंचे और मेइती क्षेत्र में गए तो हमें कहा गया कि अगर आपकी सुरक्षा में कोई कुकी सदस्य शामिल होगा तो हम उसे मार देंगे। उसी तरह जब हम कुकी क्षेत्र में गए तो हमें कहा गया कि अगर कोई मेइती आपकी सुरक्षा में होगा, हम उसे मार देंगे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आज मणिपुर को दो हिस्सों में बांट दिया गया है, दो राज्य बना दिए गए हैं। गांधी ने कहा कि सदन में उनके द्वारा की गई यह टिप्पणी कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की सिर्फ खोखले शब्द नहीं थे। उन्होंने कहा, मणिपुर में भाजपा ने हिंदुस्तान की हत्या कर दी है...मणिपुर में भारत की अवधारणा की हत्या कर दी गई है। कांग्रेस नेता ने यह आरोप भी लगया कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि मणिपुर जलता रहे और वहां लगी आग नहीं बुझे। उन्होंने कहा कि अगर मणिपुर में सेना को तैनात कर दिया जाए तो मणिपुर में तमाशा दो दिन में बंद हो जाएगा।

भारत माता...

में बात करने लगी है और भारत माता की जय के नारे लगा रही है और ऐसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत भाजपा सरकार के कारण हो रहा है। लोकसभा की कार्यवाही से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषण के कुछ अंशों को हटाए जाने के बारे में एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र का विषय नही है और असंसदीय शब्दों का एक संग्रह है और उसके अनुरूप ही उन्हें कार्यवाही से हटाया जाता है।

जो जन्म...

कुमार वर्मा जी की पंक्तियां याद आती हैं जिन्हें ध्यान में रखकर डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। यह देश के अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित पंक्तियां थीं, 'हे ग्रामदेवता नमस्कार' सोने चांदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से किया प्यार, हे ग्राम देवता नमस्कार।' सोना–चांदी से प्यार करने वाले लोग अन्नदाता किसान के महत्व को नहीं समझेंगे। उसकी पीड़ा को भी नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने अखिलेश यादव को सीख देते हुए कहा कि अगर भारत की खेती की बात होती है तो नेता विरोधी दल, उससे बाड़ी शब्द भी जुड़ता है। पशुपालन भी उसका पार्ट है। और जिस सांड़ की आप बात कर रहे हैं न वो भी उसी का हिस्सा है। आपके समय में वो बूचड़ खाने के हवाले होता था, हमारे समय में यही पशु धन का हिस्सा बना हुआ है। सीएम योगी ने अखिलेश यादव को बाढ़ और सूखे पर न बोलने के लिए भी लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि पिछले एक घंटे के अपने वक्तव्य में नेता विरोधी दल को बाढ़ और सूखा से संबंधित मुद्दों पर सिर्फ गोरखपुर का जल जमाव याद आया और बाकी कुछ भी नहीं। उन्होंने कहा कि नेता विरोधी दल के वक्तव्य को देखकर यही लगा कि 2014, 2017ए, 2019 और 2022 का जो जनादेश है वो जनता ने ऐसे ही नहीं दिया। सीएम योगी ने कहा कि किसान कभी आपके एजेंडे में रहा ही नहीं। हमारे लिए किसान किसी जाति में नहीं बंटा है। किसान की जाति, मत मजहब नहीं है। किसान के सम्मान के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि है, फसल बीमा और स्वॉयल हेल्थ कार्ड है। एमएसपी जिसमें लागत का डेढ़ गुना दाम तय किया गया, उन्हीं किसानों के लिए है। कांवड़ यात्रा पर अखिलेश के बयान पर पलटवार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में पुष्पवर्षा से नेता प्रतिपक्ष को परेशानी होती है। आपने तो कांवड़ यात्रा को बैन कर दिया था। हमारी सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती। केवल संवाद बनाती हैए तो सड़कों पर नमाज नहीं होती। जनमाष्टमी पर भी आप लोगों ने पुलिस लाइन में आयोजन पर रोक लगा दिया था। वोट बैंक प्रभावित होने का डर था। मैंने आते ही कहा कि हर थानेए हर बैरक और हर जेल में जनमाष्टमी का आयोजन धूमधाम से होगा। आज चार करोड़ लोग हरिद्वार और गाजियाबाद के बीच कांवड़ लेकर चलते हैं। मुझे उनपर पुष्पवर्षा का अवसर मिला। वहां तो सभी जाति के लोग आते हैं। मगर नेता प्रतिपक्ष को पुष्पवर्षा से परेशानी है। पर्व और त्योहार शांतिपूर्वक मनाए जा रहे हैं। किसी समुदाय को दिक्कत नहीं है।

पाकिस्तान में फैसलों की समीक्षा का कानून रद्द

नवाज शरीफ की उम्मीदों पर फिरा पानी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से लिए गए एक निर्णय में अपने फैसलों की समीक्षा करने की प्रक्रिया में संशोधन करने वाले एक कानून को रद्द कर दिया। इस फैसले से सार्वजनिक पद धारण करने के लिए आजीवन अयोग्य ठहराए जाने के फैसले को चुनौती देने के इच्छुक पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने फैसले में कहा कि उच्चतम न्यायालय (फैसलों और आदेशों की समीक्षा) कानून-2023 असंवैधानिक था। अदालत ने 87 पेज के आदेश में कहा, संसद उच्चतम न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और शक्तियों से संबंधित किसी भी मामले पर कानून नहीं बना सकती। उसने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि संविधान की व्याख्या करने का अधिकार निरपेक्ष रूप से पाकिस्तान की उच्चतम न्यायालय के पास है। छह सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने 19 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पाकिस्तान सरकार ने मई में अपने मूल अधिकार क्षेत्र के तहत उच्चतम न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अपील दायर करने का अधिकार देने के लिए कानून बनाया था। निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज शरीफ को वर्ष 2017 में शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ ने अयोग्य घोषित कर दिया था, लेकिन वह अपील दायर नहीं कर सके, क्योंकि उच्चतम न्यायालय के फैसले को चुनौती देने के लिए कोई कानून नहीं था। वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद नवाज (73) सार्वजनिक पद संभालने के लिए आजीवन अयोग्य हो गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री नवंबर 2019 से चिकित्सीय उपचार के लिए लंदन में हैं, जब पाकिस्तानी अदालत ने उन्हें चार सप्ताह की राहत दी थी। तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे नवाज लंदन रवाना होने से पहले अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में लाहौर स्थित कोट लखपत जेल में सात साल कारावास की सजा काट रहे थे। उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद-62 के तहत नेता जहांगीर तरीन को भी अयोग्य ठहराया था। जियो न्यूज की खबर में कहा गया है कि यदि आज का फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में रहा होता, तो दोनों नेताओं को अपनी अयोग्यता को चुनौती देने का मौका मिल जाता।

अदालत ने जेल प्रशासन से वकीलों को इमरान खान से मुलाकात की इजाजत देने का आदेश दिया

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के वकील अटक जेल में उनसे मिल सकते हैं। खान भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल की सजा काट रहे हैं। यह फैसला तब आया, जब खान के वकील शेर अफजल खान मारवात मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक के सामने पेश हुए और उनसे अनुरोध किया कि कानूनी टीम को पंजाब प्रांत में शनिवार से जेल में बंद खान से मिलने की अनुमति देने के लिए निर्देश जारी करें। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, मारवात ने कहा कि अदालत के आदेशों के बावजूद वकीलों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि खान के वकीलों के खिलाफ जेल में व्यवधान पैदा करने के झूठे आरोप लगाए गए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने यह पहले भी कहा है और हम फिर से कह रहे हैं कि वकीलों को मुलाकात करने की अनुमति है। उन्होंने आगाह किया, मुलाकात की अनुमति न देना अदालत की अवमानना के रूप में देखा जाएगा।

सेना के समर्थन के बिना सरकार नहीं चला सकते: शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया है कि उनकी सरकार भी शक्तिशाली सेना के समर्थन के बिना नहीं चल सकती, जो तख्तापलट की आशंका वाले देश की राजनीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। शहबाज शरीफ जब विपक्ष के नेता थे, तो वह शासन चलाने के लिए सेना के दखल को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना करते थे। लेकिन, सत्ता में आने के बाद उन्होंने वही रुख अपना लिया। बृहस्पतिवार को प्रसारित जियो न्यूज के साथ साक्षात्कार में जब एंकर ने कहा कि पाकिस्तान आज दुनिया में हाइब्रिड शासन के सबसे प्रमुख उदाहरणों में से एक है, तो शरीफ ने कहा कि खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पर बहुत भरोसा किया था। शहबाज ने कहा, खान को भी अपने कार्यकाल के दौरान सैन्य समर्थन मिला। भले उन्होंने दूसरों पर आरोप लगाए लेकिन उनकी सरकार विभिन्न घटकों का मिश्रण थी। हर सरकार को सेना सहित प्रमुख क्षेत्रों से समर्थन की आवश्यकता होती है। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद से देश में आधे से ज्यादा समय तक सेना का शासन रहा है। शेष आधे भाग में इसने पर्दे के पीछे से देश की राजनीति को नियंत्रित करने का काम किया।

दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर जकार्ता, वाहनों का धुआं और शुष्क मौसम प्रदूषण का मुख्य कारण

जकार्ता। स्विटजरलैंड की वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता को सबसे प्रदूषित शहर करार दिए जाने के बाद शुक्रवार को अधिकारियों ने कहा कि वायु प्रदूषण का मुख्य कारण शुष्क मौसम और मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआं है। दुनिया के चौथे सबसे अधिक आबादी वाले देश की राजधानी जकार्ता में पिछले कुछ महीनों से हर सुबह घना धुआं और धूलभरा आसमान दिखाई देता है। स्विटजरलैंड स्थित आईक्यूएयर की हालिया रैंकिंग के अनुसार जकार्ता दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में नियमित रूप से शीर्ष पर है।

प.अफ्रीकी देशों के नाइजर में लोकतंत्र बहाली के लिए सेना भेजने की तैयारी से बढ़ा तनाव

भाषा। नियामी (नाइजर)

नाइजर के नए सैन्य शासन और पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय समूह के बीच तनाव बढ़ रहा है। संगठन ने नाइजर के कमजोर लोकतंत्र को बहाल करने के लिए सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया है। ईसीओडब्ल्यूएएस समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को बहाल करने की रविवार की समय सीमा समाप्त होने के बाद नाइजर में संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने के लिए एक स्टैंडबाई फोर्स (अतिरिक्त बल) को निर्देश दिया है। इससे पहले दो पश्चिमी अधिकारियों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि नाइजर के जुंटा ने एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक से कहा था कि अगर पड़ोसी देशों ने बजौम के शासन को बहाल करने के लिए किसी भी सैन्य हस्तक्षेप का प्रयास किया,।

PUBLIC NOTICE

I Mrs. Sarita Aggarwal W/o Sh. Kailash Chand Aggarwal R/o A-5/7 DLF City Phase-1 Gurgaon have lost the original Builder Buyer's Agreement of Property No. A-5/13, measuring 502.32 sqyds, DLF City Phase-I, Gurugram, Haryana Any person would find the above said original Builder Buyer's Agreement, kindly contact undersigned.

Mrs. Sarita Aggarwal (Owner)
Mob: 9811168222
W/o Sh. Kailash Chand Aggarwal
R/o A-5/7 DLF City Phase-1 Gurgaon

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Suresh Kumar& Mrs. Sangeetawho arepurchasing the Freehold Residential Plot No.18 and 19, area measuring 200 Sq. Yds. (167.22 Sq. Mtr.), out of Khasra No.1013, situated at Nirmala Vihar Colony, Village Loni, Pargana Loni Tehsil & District, Ghaziabad (U.P.);from Mr. Vijay Kumar MalhotraS/o. Late Mr. Jogindar Malhotra, who is owner of the aforesaid propertyvide Regd. WILL dated 22.09.2014, which is duly registered vide Document No.734, at SRO-Ghaziabad-IV which was executed by his mother Mrs. Darshna Malhotra W/o. Late Mr. Jogindar Malhotra; and same to be finance & mortgage by Ummeed Housing Finance Private Limited. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/ creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Lucem Legal LLP Plot no.136, (Basement)
Uday Park, New Delhi-110049
Contact# 011-40046316

Public Notice

This is to inform General Public Notice that Mr. Iqbal Talwar and Mr. Vikram Talwar acquired the entire Property i.e Plot No-28 area measuring 250.839 sq. meters., situated at Block-G, Saket, New Delhi vide Will dated 08.08.1990 executed by Mr. Manohar Lal Talwar in favour of his Wife Mrs. Kamlesh Talwar and after her death Property has Devolved on Mr. Iqbal Talwar and Mr. Vikram Talwar.NowMr. Iqbal Talwar and Mr. Vikram Talwar owners are Selling Ground Floor and Frist Floor without roof rights "of the above said Property to Mrs. Anju Bansaland further Mrs. Anju Bansalhas agreed to create a mortgage in respect of the said Floors in favour of our client IDFC FIRST Bank Limited.Further, if any person, body, individual, institution having any claim, title, interest and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at below mentioned address within 10 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 10 days shall not be binding upon the said property or my Client& in case anyone has any objection, the same may be raised within 10 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

संयुक्त राष्ट्र के 18 महीने पहले अगवा पांच कर्मी मुक्त

काहिरा। संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने शुक्रवार को कहा कि यमन में 18 महीने पहले अगवा किए गए उसके पांच कर्मचारियों को मुक्त कर दिया गया।संरा के प्रवक्ता फरहान हक ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि उपलब्ध जानकारी के मुताबिक पांचों कर्मियों की सेहत दुरुस्त है।हक के अनुसार मुक्त किए गए कर्मी अक्म सुफीउल अनम, माजेन बावजीर, बकील अल महदी, मोहम्मद अल मुलेकी और खालिद मुख्तार शेक है। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारी संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा विभाग के लिए काम करते है।अपहरणकर्ताओं की पहचान का खुलासा नही किया गया है।

चीन के हेबेई प्रांत में बाढ़ का प्रकोप, 29 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन मे इस महीने आए तूफान डोक्सुरी के बाद हेबेई प्रांत मे आई भीषण बाढ़ के कारण कम से कम 29 लोगों की मौत हो गई और अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रांतीय सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, बचावकर्मी 16 लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। इसके मुताबिक, भीषण बाढ़ के कारण हुए नुकसान के बाद प्रांत के पुनर्निर्माण कार्य मे करीब दो साल का समय लग सकता है। सरकारी मीडिया चाइना न्यूज सर्विस ने बताया कि शुरुआती आकलन के अनुसार प्रांत को 13.2 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान हुआ है।

चीन ने सीआईए के लिए जासूसी करने के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

ताइपे (ताइवान)। चीन ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के लिए जासूसी करने के संदेह मे एक सैन्य औद्योगिक समूह से जुड़े एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही बीजिंग और वाशिंगटन के बीच जासूसी के सार्वजनिक आरोपों की कड़ी मे एक और मामला जुड़ गया है। देश के राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ज़ेंग नाम का एक सैन्य औद्योगिक कर्मी बड़ी रकम के बदले सीआईए को खुफिया जानकारी प्रदान कर रहा था।

रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर हवाई हमले का आरोप लगाया

जेलेंस्की ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और कदम उठाया

भाषा। कीव

यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि रूस के मिसाइल दागने से पश्चिमी यूक्रेन में आठ साल के एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेनी सेना ने ड्रोन के जरिए मॉस्को को लगातार तीसरे दिन निशाना बनाया, लेकिन इससे कथित तौर पर कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। इसके अलावा शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने क्षेत्रीय सैन्य मसौदा बोर्ड के सभी प्रमुखों को बर्खास्त करने की घोषणा की। यह कदम 17 महीने से अधिक समय पहले यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी उनकी कार्वाई का हिस्सा है। यूक्रेन के अभियोजक जनरल कार्यालय के अनुसार, जिस मिसाइल से लड़के की मौत हुई, वह पोलैंड की सीमा से लगभग 100 किलोमीटर (60 मील) दूर पश्चिमी यूक्रेन के इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र में एक घर पर गिरी। कार्यालय ने दावा किया कि यूक्रेन की हवाई सुरक्षा प्रणाली ने राजधानी कीव पर रूस की ओर से दिन के उजाले में किए गए हमले को विफल कर दिया। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रोकी गई मिसाइलों का मलबा बच्चों के अस्पताल के परिसर सहित शहर के आवासीय इलाकों पर गिरा, लेकिन इससे कोई हताहत नहीं हुआ।

ADDI INDUSTRIES LIMITED

REGD.OFFICE: A-104 3rd Floor DDA SHED OKHLA PHASE-2, NEW DELHI- 110020
CIN: L51109DL1980PLC256335 E -Mail: addiind@gmail.com, Tel.: +91-11-45025469
EXTRACT OF STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED JUNE 30, 2023
(` in Lakh, except per share data)

Sr No	Particulars	Consolidated				Standalone			
		Quarter ended 30.06.2023 (Unaudited)	Quarter ended 31.03.2023 (Audited)	Quarter ended 30.06.2022 (Unaudited)	Year ended 31.03.2023 (Audited)	Quarter ended 30.06.2023 (Unaudited)	Quarter ended 31.03.2023 (Audited)	Quarter ended 30.06.2022 (Unaudited)	Year ended 31.03.2023 (Audited)
1.	Total income from operations	123.74	109.63	88.51	405.12	119.88	106.03	85.35	391.94
2.	Net Profit for the period (before Tax and exceptional items)	101.42	90.32	62.34	302.33	97.60	86.78	59.26	289.44
3.	Net Profit for the period (before Tax, after exceptional items)	101.42	90.77	1,934.38	2,131.89	97.60	87.23	1,931.30	2,119.00
4.	Net Profit for the period after Tax (after exceptional items)	79.59	76.34	1,547.78	1,704.05	76.31	73.27	1,545.04	1,692.68
5.	Total Comprehensive Income for the period (Comprising for the Period after Tax and Other Comprehensive Income after Tax)	79.57	75.83	1,547.92	1,703.96	76.29	72.76	1,545.18	1,692.59
6.	Paid-up equity share capital (Face Value ` 5/- each)	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00	540.00
7.	Earnings Per Share (of ` 5/- each)(Not Annualised)								
	Basic	0.69	0.70	13.36	15.78	0.71	0.67	14.31	15.68
	Diluted:	0.69	0.70	13.36	15.78	0.71	0.67	14.31	15.68

Notes :
1. The above is an extract of the detailed format of quarter/annual financial results filed with the stock exchanges under regulation 33 of the SEBI (Listing and other Disclosure requirements) Regulation, 2015. The full format of the quarter/ annual financial results are available on the webites of the stock exchange. (URL-www.bseindia.com).
2. The above financial results have been reviewed by Audit Committee and thereafter approved and taken on record by the Board of Directors in its meeting held on August 11, 2023. The Statutory auditors have expressed an unmodified audit opinion.
3. There is no change(s) in accounting policies which have impact on net profit / loss, total comprehensive income or any other relevant financial item(s).
4. The Board of Directors has recommended a final dividend of Rs.1.25 /- per equity share of face value of Rs.5 /- each for the financial year ended 31 March 2023 subject to the approval of the shareholders in the ensuing Annual General Meeting.

For and on behalf of the Board of Directors
Addi Industries Limited
Sd/-
Chaman Lal Jain
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 11.08.2023

कैमेक कॉमर्शियल कम्पनी लिमिटेड

कार्पोरेट पहचान संख्या :- एल70109डीएल1980पीएलसी169318
पंजीकृत कार्यालय :- प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
फोन :- 7303495374, ई-मेल :- camaccommercial@gmail.com,
वेबसाइट www.camaccommercial.com
30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(रूपए लाख में, सिवाय प्रति शेयर डेटा)

क्रं सं	विवरण	पृथक्कृत तिमाही समाप्त जून 30, 2023 (अलेखापरिक्षित)	पृथक्कृत तिमाही समाप्त मार्च 31, 2023 (लेखापरिक्षित)	वर्ष समाप्त मार्च 31, 2023 (लेखापरिक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	59.48	141.05	343.41
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर तथा अपवाद मदों से पूर्व)	(56.15)	109.70	140.65
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	(56.15)	109.70	(329.45)
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	(55.63)	109.91	(329.25)
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	1,097.83	(35.92)	14,976.80
6	इक्विटी शेयर पूंजी	88.28	88.28	88.28
7	अन्य इक्विटी			173,162.50
8	रू. 10/–प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर अर्जन			
	(क) मूल (रू.)	(6.30)	12.45	(37.30)
	(ख) तनुकृत (रू.)	(6.30)	12.45	(37.30)

नोट्स :-
1. 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त वित्तीय परिणाम का पुनरीक्षण लेखापरीक्षा समिति द्वारा तथा अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा 11 अगस्त, 2023 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में किया गया है।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। कम्पनी के वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण कम्पनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा 11 अगस्त, 2023 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते कैमेक कॉमर्शियल कम्पनी लिमिटेड
हस्ता./–
(मोनीशा सराफ)
निदेशक
डीआईएन : 07503642

स्थान :– नई दिल्ली
दिनांकित :– 11–08–2023

जेल जाने के दो घंटे बाद रिहा हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जुमा

भाषा। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को उनकी पैरोल अवैध करार दिए जाने के बाद शुक्रवार को वापस जेल ले जाया गया, लेकिन जेलों में भीड़ कम करने के लिए शुरू किए गए एक नए कार्यक्रम के तहत उन्हें दो घंटे के भीतर फिर से रिहा कर दिया गया। सरकार के इस फैसले को लेकर काफी सवाल किए जा रहे हैं कि क्या जुमा (81) को अदालत की अवमानना के मामले में 15 महीने की सजा से बचने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। जेलों में कैदियों की संख्या कम करने के कार्यक्रम को राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा अधिकृत किया गया था और शुक्रवार को पहली बार इसे सार्वजनिक किया गया। हालांकि इसका लक्ष्य 9,400 से अधिक कैदियों को जेल से रिहा करना और उन्हें घर पर सुधारात्मक निगरानी में रखना है, पूर्व राष्ट्रपति जुमा इससे लाभान्वित होने वाले पहले व्यक्ति हैं। सुधार विभाग के कार्यवाहक राष्ट्रीय आयुक्त मक्गोथी थोबाकगले ने बताया कि जुमा ने अपनी सजा के शेष 13 महीने काटने के लिए सुबह करीब छह बजे क्वा-जुलु नेटाल प्रांत में एस्टकोर्ट सुधार केंद्र पहुंचे, लेकिन सुबह सात बजे के कुछ देर बाद जब उनकी सजा में छूट की प्रक्रिया पूरी हो गई तो उन्हें रिहा कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका की मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक अलायंस के नेता जॉन स्टीनहुइसन ने कहा, आश्चर्य, आश्चर्य, वह एक नई नीति के पहले लाभार्थी हैं। यह न्याय प्रणाली में एक निंदनीय हेरफेर है।

डेल्टन केबल्स लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : डेल्टन हाउस, 4801, भरत राम रोड, 24, दरियागंज, नई दिल्ली–110002
वेबसाइट : www.deltoncables.com, ई–मेल : cs@deltoncables.com, सीआईएन : एल31300डीएल1964पीएलसी004255
30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2023 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 31–03–2023 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 30–06–2022 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्त 31–03–2023 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	6,952.95	8,050.18	6,444.11	27,214.70
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	156.07	98.53	215.55	656.95
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर से पूर्व(अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	156.09	98.61	223.46	664.95
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर पश्चात(अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	127.27	(432.85)	239.56	57.75
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं]	129.51	(429.05)	244.98	63.64
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/– प्रत्येक)	864.00	864.00	864.00	864.00
7	प्रति शेयर अर्जन (असाधारण मदों से पहले) (अंकित मूल्य रू. 10/– प्रत्येक)				
	(क) मूल (रू.)	1.47	(5.01)	2.77	0.67
	(ख) तनुकृत (रू.)	1.47	(5.01)	2.77	0.67

नोट्स :
(1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) तथा कम्पनी की वेबसाइट : (www.deltoncables.com) पर उपलब्ध है।
(2) उपरोक्त परिणाम भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस) के सिद्धान्त और प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार किए गए हैं, जैसाकि कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 में अधिसूचित किया गया है, जैसाकि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत विनिर्दिष्ट किया गया है।
(3) उपरोक्त परिणामों का पुनरीक्षण लेखापरीक्षा समिति द्वारा और अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा 11–08–2023 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में किया गया है।

कृते एवं हिते बोर्ड
हस्ता/–
विवेक गुप्ता
(प्रबंध निदेशक)
डीआईएन : 00035916

स्थान : दिल्ली
तिथि : 11–08–2023

लगभग 50 वर्षों में रूस के पहले चंद्र अभियान पर लैंडिंग क्राफ्ट के साथ रॉकेट रवाना हुआ

भाषा। तल्लिन (एस्तोनिया)

भारतीय अंतरिक्ष यान से पहले पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा पर उतरने की होड़ में लगभग 50 वर्षों में रूस के पहले चंद्र अभियान के तहत शुक्रवार को चंद्र लैंडिंग क्राफ्ट ले कर एक रॉकेट प्रक्षेपित हुआ। सुदूर पूर्व में रूस के वोस्तोचन अंतरिक्षयान से चंद्रमा के लिए लूना-25 यान का प्रक्षेपण 1976 के बाद रूस का पहला प्रक्षेपण है। तब यह सोवियत संघ का हिस्सा था। रूसी चंद्र लैंडर के 23 अगस्त को चंद्रमा पर पहुंचने की उम्मीद है और उसी दिन भारतीय यान के भी चंद्रमा पर पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय यान को 14 जुलाई को प्रक्षेपित किया गया था। रूसी अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के आसपास की यात्रा करने में लगभग 5.5 दिन लगेंगे। फिर तीन से सात दिन यह सतह पर जाने से पहले लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर चंद्रमा की कक्षा में परिक्रमा करेगा। केवल तीन देश ही चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने में कामयाब रहे हैं: सोवियत संघ, अमेरिका और चीन। भारत और रूस का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सबसे पहले उतरने का है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने कहा कि वह यह दिखाना चाहती है कि रूस चंद्रमा पर पेलोड पहुंचाने में सक्षम है और रूस चंद्रमा की सतह तक पहुंच की गारंटी सुनिश्चित करना चाहता है। जाने माने रूसी अंतरिक्ष विश्लेषक विताली ईगोरोव ने कहा, चंद्रमा का अध्ययन लक्ष्य नहीं है। लक्ष्य दो महाशक्तियों चीन और अमेरिका तथा कई अन्य देशों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है जो अंतरिक्ष महाशक्ति के खिताब पर दावा करना चाहते हैं। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों से उसके लिए पश्चिमी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मुश्किल हो गई है, जिससे उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि लूना-25 शुरू में एक छोटे चंद्रमा रोवर को ले जाने के लिए था, लेकिन यान के वजन को कम करने के उद्देश्य से उस विचार को छोड़ दिया गया। ईगोरोव ने कहा, विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स हल्के होते हैं, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स भारी होते हैं। हालांकि वैज्ञानिकों के पास चंद्र जल का अध्ययन करने का कार्य हो सकता है। रोस्कोस्मोस के लिए मुख्य कार्य केवल चंद्रमा पर उतरना, सोवियत विशेषज्ञता को पुन: प्राप्त करना और यह सीखना है कि नए युग में इस कार्य को कैसे किया जाए। रोस्कोस्मोस के वीडियो फीड के अनुसार लूना-25 को रूस के सुदूर पूर्व में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से बिना किसी त्रुटि के प्रक्षेपित किया गया।

पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

सीआईएन : एल65929डीएल1947पीएलसी001240
पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002
फोन : 7303495375, ई–मेल : pnbfinanceindustries@gmail.com,
वेबसाइट : www.pnbfinanceandindustries.com
30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु
समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(रू. लाख में सिवाय प्रति शेयर डेटा)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त जून 30, 2023 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त मार्च 31, 2023 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त जून 30, 2022 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्त मार्च 31, 2023 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	93.71	154.67	322.59	1,126.96
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	(52.40)	20.68	227.77	793.20
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(52.40)	20.68	227.77	301.42
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	(52.67)	19.67	187.76	179.39
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	2,814.60	(555.11)	(2,385.83)	21,815.33
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रति शेयर)	320.00	320.00	320.00	320.00
7	अन्य इक्विटी (वर्ष के अन्त में)				265,249.34
8	प्रति शेयर अर्जन रू.10/–प्रत्येक का				
	(क) मूल (रू.)	(1.65)	0.62	5.87	5.61
	(ख) तनुकृत (रू.)	(1.65)	0.62	5.87	5.61

नोट्स :
1. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित तथा निदेशक मंडल द्वारा 11 अगस्त, 2023 को आयोजित इसकी बैठक में अनुमोदित किए गए हैं।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। कम्पनी के उपरोक्त वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण कम्पनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा 11 अगस्त, 2023 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।
3. 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित पृथक्कृत वित्तीय परिणामों के प्रमुख आंकड़े निम्नानुसार हैं :–

(रू. लाख में सिवाय प्रति शेयर डेटा)

विवरण	तिमाही समाप्त जून 30, 2023 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त मार्च 31, 2023 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त जून 30, 2022 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्त मार्च 31, 2023 लेखापरीक्षित
परिचालन से कुल आय	89.67	145.70	314.30	1,065.60
अवधि हेतु कर से पहले शुद्धलाभ/(हानि)	-55.16	12.98	220.40	716.43
अवधि हेतु कर पश्चात शुद्ध लाभ/(हानि)	-54.95	12.64	181.81	603.13
अवधि हेतु कुल समावेशी आय	2,170.58	-415.66	-2,395.82	12,553.19

4. संगत तिमाही के आंकड़े, जहां आवश्यक है, चालू तिमाही की प्रस्तुति/वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किए गए हैं।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
वास्ते पीएनबी फाइनैंस ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./–
श्वेता सक्सेना
निदेशक एवं कम्पनी सचिव
डीआईएन : 03120958/सदस्यता सं. : ए 18585

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 11 अगस्त, 2023

12-8wX17h-PNB Finance-HINID

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मनीष कुमार/ हरीश कुमार/ रेखा रानी/ LBDEL00005332921 & LBDEL00005123296	डीडीए एलआईजी फ्लैट नंबर 27 डी, तीसरी मंजिल, ब्लॉक बीबी, टाइप–ई, शालीमार बाग ईस्ट, दिल्ली/ अगस्त 07, 2023	मार्च 15, 2023 रु. 29,14,704/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	प्रशांत जैन/ सुरिंदर कुमार जैन/ LBNOD00004690485	संपत्ति संख्या 33, बिना छत के पहली और दूसरी मंजिल के बीच मेजेनाइन रूम के साथ पहली मंजिल, ब्लॉक–जी, पॉकेट–17, सेक्टर–15, रोहिणी, दिल्ली/ अगस्त 07, 2023	अप्रैल 06, 2023 रु. 25,41,258/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	चंद्र नेगी/ रविंदर सिंह/ LBFDB00005495684	फ्लैट नंबर–007, हैबिटेट 78, टॉवर बी–2, ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर 78, फ़रीदाबाद/ अगस्त 08, 2023	अप्रैल 06, 2023 रु. 21,29,261/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	मनोज कुमार/ अंशुल शर्मा/ LBGHZ00005341948/ LBGHZ00004861411	यूनिट नंबर बी 607, टॉवर बी, 7वीं मंजिल, "अजनारा होम्स", प्लॉट नंबर जीएच 03, सेक्टर 16 बी, जिला गौतमबुद्ध नगर, नोएडा/ अगस्त 08, 2023	मार्च 15, 2023 रु. 17,90,983/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	सिम्मी विज/ राजेश कुमार विज/ LBDEL00004913388	प्लॉट नंबर एफ– 64, छत के अधिकार के साथ तीसरी मंजिल, ब्लॉक एफ, विकासपुरी, दिल्ली/ अगस्त 08, 2023	मार्च 07, 2023 रु. 43,56,293/-	दिल्ली/ एनसीआर
6.	सुखविंदर कौर/ मंजीत सिंह/ LBNOD00004232257	प्लॉट नंबर 331, छत के अधिकार के साथ तीसरी मंजिल, संपत्ति धारक संख्या डब्ल्यूजेड–93, खयाला कन्हैया पार्क, चांद नगर, तिलक नगर, दिल्ली/ अगस्त 08, 2023	मार्च 09, 2023 रु. 33,16,561/-	दिल्ली/ एनसीआर
7.	तारिफ खान/ मो अहमद खान/ LBNOD00002380736	फ्लैट नंबर 10173, 10वीं मंजिल, मार्वेल्ला, महागुन माई वुड्स, प्लॉट नंबर जीएच– 04, सेक्टर 16सी, ग्रेटर नोएडा/ अगस्त 08, 2023	मार्च 09, 2023 रु. 35,84,564/-	दिल्ली/ एनसीआर
8.	देवदत्त शर्मा/ रिंजू कुमारी/ LBFDB00005791882	फ्लैट नंबर 1104, टावर ए2, फ्लोर 11, सेक्टर– 78, हैबिटेट– 78, फ़रीदाबाद/ अगस्त 09, 2023	अप्रैल 06, 2023 रु. 20,08,823/-	दिल्ली/ एनसीआर
9.	श्वेता./ सतवीर/ LBFDB00006283397 & LBPLW00006244731	खेवट खाता, नंबर 115/120, आरईसीटी नंबर 5, किला नंबर 18 (2–11), मौजा फाजलपुर, नयागांव, अलवरपुर, पलवल/ अगस्त 09, 2023	फ़रवरी 27, 2023 रु. 45,87,629/-	दिल्ली/ एनसीआर
10.	राजेश भाटिया/ रेणु भाटिया/ भगवान दास भाटिया/ सुनील कुमार भाटिया/ सर्वेश भाटिया/ सिम्मी ट्रेडर्स/ LBFDB00000967391	बंगला प्लॉट नंबर 53, नेबरहुड नंबर 2, ब्लॉक–बी, न्यू टाउनशिप, फ़रीदाबाद, फ़रीदाबाद/ अगस्त 09, 2023	अप्रैल 18, 2023 रु. 10,09,680/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अगस्त 11, 2023
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

छाया रहा मणिपुर मुद्दा

भाषा। नई दिल्ली

संसद का हंगामेदार मानसून सत्र शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया और इस दौरान मणिपुर मुद्दे को लेकर लोकसभा एवं राज्यसभा में लगातार गतिरोध बना रहा। हालांकि, लोकसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष एवं विपक्षी दलों के सदस्यों ने एक दूसरे पर जमकर तीर चलाए किंतु बाद में यह खारिज हो गया तथा सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करवाने में कामयाब रही। बीस जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और चर्चा कराए जाने की मांग सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण लोकसभा में कुल 46 प्रतिशत कामकाज हुआ वहीं राज्यसभा में व्यवधानों के कारण 50 घंटे और 21 मिनट बर्बाद हुए। मानसून सत्र के दौरान अशोभनीय एवं नियम विरुद्ध आचरण के कारण लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी एवं आम आदमी पार्टी के एकमात्र सदस्य सुशील कुमार रिंकू, वहीं राज्यसभा में आप के संजय सिंह एवं राघव चड्ढा को निलंबित कर दिया गया। वैसे राज्यसभा में कांग्रेस की निलंबित चल रही सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन समाप्त कर दिया गया और उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने का मौका दिया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निचले सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि सत्र के दौरान 17 बैठक हुईं जिनमें 44 घंटे 13 मिनट कामकाज हुआ। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में लोकसभा की कार्य उत्पादकता करीब 46 प्रतिशत रही। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा, एक बार फिर, हम संकीर्ण हितों के आकर्षण में आ गए और सदन में अव्यवस्था को सामान्य बात होने दिया। ऐसा लगता है कि मेरी अपीलों का सदस्यों पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ा। धनखड़ ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान से स्पष्ट होता है कि उनके संदेश पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया गया। सत्र के दौरान दोनों सदनों में पारित किए गए महत्वपूर्ण विधेयकों में बहु राज्य सहकारी सोसाइटी संशोधन विधेयक 2023, डिजिटल वैयक्तिक डाटा संरक्षण विधेयक 2023, राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक 2023, राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक 2023, जन विश्वास उपबंधों का संशोधन विधेयक 2023, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023 और अंतर सेना संगठन कमान, नियंत्रण और अनुशासन विधेयक 2023 शामिल हैं। लोकसभा में कांग्रेस के गौरव गोगोई द्वारा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 8 से 10 अगस्त तक चर्चा हुई। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, मनीष तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय, महुआ मोइत्रा, राकांपा की सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव, एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवेसी सहित विभिन्न विपक्षी नेताओं ने भाग लेते हुए सरकार की नीतियों एवं मंशा को लेकर जमकर तीर छोड़े। उन्होंने विशेष रूप से मणिपुर में हाल में हुई हिंसा को लेकर सरकार पर हमला बोला। सत्ता पक्ष की ओर से गृह मंत्री अमित शाह, स्मृति ईरानी, किरण रीजीजू एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा का करीब सवा दो घंटे तक जवाब देते हुए सदन के माध्यम से देश को यह विश्वास दिलाया कि मणिपुर मुद्दे का समाधान निकालने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री के जवाब के बाद निचले सदन ने अविश्वास प्रस्ताव को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। राज्यसभा में विपक्ष लगातार इस बात पर अड़ा रहा कि मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी का बयान हो और कार्यस्थगन के प्रावधान वाले नियम 267 के तहत चर्चा की जाए। हालांकि सत्ता पक्ष ने नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराने पर सहमति जताई। विपक्ष को सभापति की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि अल्पकालिक चर्चा में समय की कोई सीमा नहीं रखी जाएगी। किंतु विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा और इस कारण सदन में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी। दोनों सदनों में मानसून सत्र में एक दिन भी गैर सरकारी कामकाज सामान्य ढंग से नहीं हो पाया।

न्यायालय ने पूछा, लोक सेवकों की हत्या के कितने दोषी पूर्व सांसद आनंद मोहन के साथ रिहा हुए

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बिहार सरकार से सवाल किया कि इस साल अप्रैल में पूर्व लोकसभा सांसद आनंद मोहन के साथ सजा में छूट पाने वाले कितने गुनहगार ड्यूटी पर तैनात लोक सेवक की हत्या करने के दोषी ठहराए गए थे। बिहार सरकार ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वर्ष 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे मोहन सहित कुल 97 दोषियों को एक ही समय में वक्त से पहले रिहा कर दिया गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मोहन को दी गई छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर अंतिम सुनवाई 26 सितंबर तक के लिए टाल दी। यह याचिका मारे गए आईएएस अधिकारी की पत्नी ने दाखिल की है। शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार को एक अतिरिक्त हलफनामा दायर करने की अनुमति दी, जिसमें रिहा किए गए उन दोषियों का विवरण देने के लिए कहा गया है, जिन्हें एक लोक सेवक की हत्या का दोषी ठहराया गया था। मारे गए अधिकारी की पत्नी उमा कृष्णैया की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने अनुरोध किया कि राज्य से मोहन को दी गई छूट के मूल रिकॉर्ड उन्हें देने के लिए कहा जाए।

लक्षद्वीप प्रशासन ने विद्यालय के बच्चों के लिए नई वर्दी पेश की

भाषा। तिरुवनंतपुरम

सांसद फैजल का हिजाब पर रोक लगाने का आरोप

लक्षद्वीप प्रशासन ने अपने विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए टाई, जूते, जुराब समेत नई वर्दी पेश की है, लेकिन उसके निर्देश में इस मुस्लिम-बहुल केंद्र-शासित प्रदेश में छात्राओं के लिए हिजाब या स्कार्फ का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। लोकसभा में लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहम्मद फैजल ने आरोप लगाया है कि शिक्षा विभाग के तहत आने वाले विद्यालयों में पढ़ने वाली लड़कियों के लिए स्कार्फ या हिजाब पर पूर्ण प्रतिबंध है। फैजल ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, इसमें स्कार्फ या हिजाब का कोई उल्लेख नहीं है। यह किसी व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। हम इसके खिलाफ राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ेंगे। लक्षद्वीप प्रशासन के तहत आने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को 10 अगस्त को जारी एक परिपत्र में शिक्षा विभाग ने कहा कि स्कूली बच्चों के वर्दी पहनने से एकरूपता सुनिश्चित होगी और विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना भी आएगी।

माओवादियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक जवान की मौत, दूसरा घायल

चाईबासा (झारखंड)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के माओवादियों के साथ एक मुठभेड़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की जान चली गई और दूसरा जवान घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।पश्चिम सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि राज्य की राजधानी रांची से करीब 160 किलोमीटर दूर टोंटो इलाके के एक जंगल में सुबह करीब 11 बजे मुठभेड़ हुई।

उच्च न्यायालयों के 23 न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की गई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों से 23 न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है, जिनमें गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हेमंत एम. प्रच्छक भी शामिल हैं, जिन्होंने मोदी उपनाम टिप्पणी से संबंधित 2019 के आपराधिक मानहानि मामले में दोषसिद्धि पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी।प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की सदस्यता वाले कॉलेजियम ने तीन अगस्त को हुई अपनी बैठक में बेहतर न्यायिक प्रशासन के लिए विभिन्न उच्च न्यायालयों के नौ न्यायाधीशों के स्थानांतरण की सिफारिश की। शीर्ष अदालती वेबसाइट पर अपलोड किए गए कॉलेजियम प्रस्ताव के अनुसार, इन नौ नामों में से चार-चार न्यायाधीश गुजरात तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालयों से, जबकि एक अन्य न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय से हैं।

क्विक न्यूज

सफाई कर्मियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला हाफिज एहतियातन गिरफ्तार

इंदौर (मप्र), 11 अगस्त (भाषा) देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर मे मजहबी तकरीर के दौरान सफाई कर्मियो पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप का सामना कर रहे एक हाफिज (जिसे कुरआन कंठस्थ हो) को एहतियातन गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चंदन नगर पुलिस थाने के प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि हाफिज शादाब खान को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 151 (संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने के लिए की जाने वाली एहतियातन गिरफ्तारी) के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद हाफिज को जेल भेज दिया गया है। मिश्रा ने बताया कि इंदौर नगर निगम के वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष सुभाष धौलपुरे की शिकायत पर खान के खिलाफ अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के संबद्ध प्रावधानो के तहत नौ अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले मे पुलिस की विस्तृत जांच जारी है। शिकायतकर्ता धौलपुरे का आरोप है कि खान सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो मे शहर के एक सार्वजनिक स्थान पर भीड़ के सामने मजहबी तकरीर के दौरान सफाई कर्मियों की जाति का हवाला देते हुए उनके लिए आपत्तिजनक शब्दो का खुलेआम प्रयोग करते सुनाई पड़ रहे है।

सालासर बालाजी धाम में खुलेगा आदर्श स्कूल

जयपुर। धानुका परिवार ने सालासर बालाजी धाम में श्रीमती त्रिवेणी देवी धानुका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल खोलने की घोषणा की है। शुक्रवार को कंपनी की सामाजिक गतिविधियों एवं स्कूल के बारे में जानकारी साझा करते हुए धानुका परिवार ने बताया कि माताजी श्रीमती त्रिवेणी देवी की 100वीं जयंती पर पवित्र सालासर धाम में स्कूल का शुभारंभ करेंगे, जिसका लोकार्पण पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। 18 अगस्त को बालाजी श्री सालासर धाम की धरती पर श्रीमती त्रिवेणी देवी धानुका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर का लोकार्पण केवल एक संस्थान का लोकार्पण नहीं है, बल्कि समाज को ज्ञान के प्रकाश का उपहार देकर सशक्त करने की दिशा में एक कदम है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान सबसे बड़ी गैर-सरकारी शिक्षण संस्था है, जो 13,000 विद्यालयों का संचालन करती है जिनमें 35 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। इस संस्था की शुरुआत 1952 में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के साथ हुई थी। प्राचीन भारतीय ग्रंथों से प्रेरित विद्या भारती ने वैश्विक स्तर पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। युवाओं के समग्र विकास के लिए उनमें नैतिक मूल्यों की स्थापना और समाज में वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धान्त को बढ़ावा देती है। गत वर्ष कॉमर्स के तीनों टॉपर्स संस्था के स्कूल से थे। हमने 11 फरवरी 2023 को अपने पिताजी के जन्मदिवस समारोह पर आयोजित वार्षिक समारोह में उनको सम्मानित किया था। सालासर धाम में नए विद्यालय के उद्घाटन के अवसर पर ऐसे ही 5 प्रतिभावान विद्यार्थियों को पूर्व राष्ट्रपति सम्मानित करेंगे। इसके अलावा प्रधानाचार्य लोकेश चौमाला और भवन के प्रमुख वास्तुकार प्रमोद गुप्ता को भी सम्मानित किया जाएगा।

फ्रीडम फाइंड यु कैम्पेन से जुड़ेंगे लोग

मुंबई। भारत की स्वतंत्रता के 76 वें वर्ष के उपलक्ष्य में क्रोमा चला रहा है ष्लेट फ्रीडम फाइंड यु कैम्पेन। 16 अगस्त 2023 तक चलने वाले इस कैम्पेन में क्रोमा आपके लिए प्रस्तुत कर रहा है कई आकर्षक डील्स और ऑफर्सए जिनका लाभ उठाकर आप खरीद सकते हैं मनचाहे स्मार्टफोन्सए टीवीए होम अप्लायंसेस और अन्य कई उत्पाद। देश भर में फैले हुए 385 से ज्यादा क्रोमा स्टोर्स और क्रोमा डाट कॉम वेबसाइट पर भी इन डील्स और ऑफर्स का लाभ उठाया जा सकता है। देश भर में फैले हुए 385 से ज़्यादा क्रोमा स्टोर्स और क्रोमा.कॉम के वेबसाइट पर भी इन डील्स और ऑफर्स का लाभ उठाया जा सकता है। क्रोमा वॉशर ड्रायर की सुविधा और दक्षता का अनुभव आप कर सकेंगे, सिर्फ 1,997 रुपयों के मासिक ईएमआई की सुविधा के साथ। आकर्षक कैशबैक ऑफर्स के साथ फ्रंट लोड वाशिंग मशीनों की कीमतें क्रोमा में 19,990 रुपयों से आगे हैं। बग स्क्रीन का 55 ओएलईडी टीवी के साथंटरटेनमेंट सेटअप को पूरा नया करने का भी सही मौका मिलेगा।

विजयन की बेटी के वित्तीय लेनदेन की जानकारी पति के चुनावी हलफनामे में क्यों नहीं: कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी टी. वीना के कुछ वित्तीय लेनदेन संबंधी विवाद में उनके पति एवं लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास को घसीटते हुए शुक्रवार को पूछा कि यदि लेनदेन पारदर्शी और वैध था, तो उन्होने अपने चुनावी हलफनामे मे इसका विवरण क्यो नही दिया। विपक्षी दल ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से यह स्पष्ट करने का भी आग्रह किया कि क्या वीना ने कोच्चि स्थित खनिज कंपनी से पैसा स्वीकार नही किया था या रियास की ओर से दायर हलफनामा गलत था। इस मुद्दे पर नरम रुख अपनाने और तकनीकी कारणो का हवाला देते हुए इस विवादास्पद मामले को विधानसभा मे नही उठाने का विकल्प चुनने के एक दिन बाद कांग्रेस कई सवालो के साथ सामने आई। सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझलनदान ने यहां पार्टी मुख्यालय मे आयोजित प्रेस वार्ता मे रियास द्वारा प्रस्तुत हलफनामे की एक प्रति सहित कुछ दस्तावेज पेश किए। कांग्रेस विधायक ने बृहस्पतिवार को माकपा राज्य सचिवालय की ओर से जारी बयान का हवाला दिया, जिसमे दावा किया गया कि वीना की आईटी फर्म और खनिज कंपनी के बीच लेनदेन पारदर्शी थे।

सरकार उपभोक्ता मामलों में मध्यस्थों को देगी मेहनताना

नई दिल्ली। सरकार उपभोक्ता मामलो मे पैनल मे शामिल मध्यस्थो को 3,000 रुपए से 5,000 रुपए के बीच मेहनताना देगी। इससे ज्यादा-से-ज्यादा शिकायतो का निपटान मध्यस्थता प्रकोष्ठ के जरिए होने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलो के मंत्रालय ने शुक्रवार को यह बात कही। ।धिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्रालय ने विभिन्न पक्षो के साथ विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय किया है। इस संदर्भ मे पूर्वोत्तर और उत्तरी राज्यो मे कार्यशालाएं भी आयोजित की गई थी। यह पाया गया है कि मध्यस्थता के माध्यम से बड़ी संख्या मे मामलो का समाधान नही हो पाता है क्योकि विवादो मे शामिल पक्ष मध्यस्थ को पैसा नही देना चाहते।विज्ञप्ति मे कहा गया है कि सुझावो के आधार पर मंत्रालय ने उपभोक्ता कल्याण कोष से सूचीबद्ध मध्यस्थ को उनका मेहनताना देने का निर्णय किया है।उपभोक्ता मामलो के मंत्रालय ने बयान मे कहा कि विवाद की राशि या आयोग के अध्यक्ष के जरिए निर्धारित मध्यस्थ की राशि अथवा निर्धारित शुल्क, इसमें जो भी कम हो, मध्यस्थ को दिया जाएगा।जिला आयोग मे सफल मध्यस्थता के लिए मध्यस्थ को लगभग 3,000 रुपए दिए जाएं।

डाक विभाग को प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना होगा : मुर्मू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि त्वरित संदेश और सोशल मीडिया के युग में प्रासंगिक बने रहने के लिए डाक विभाग को विकसित होना होगा। उन्होंने वित्तीय समावेशन के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने की इसकी रणनीतिक पहल की सराहना की। राष्ट्रपति भारतीय डाक सेवा (2021 और 2022 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं, जिन्होंने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात की। मुर्मू ने कहा कि डाक विभाग ने सरकारी सब्सिडी, कल्याण भुगतान और पेंशन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय समावेशन में डाक विभाग की भूमिका की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विभाग ने वित्तीय अंतर को कम करने और उपेक्षित समुदायों को सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक पहल की है। उन्होंने कहा कि डाकघरों के माध्यम से धन के निर्बाध वितरण से बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई है और लीकेज भी कम हुआ है। डाक विभाग की 160 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र की सेवा के प्रतीक के रूप में खड़ा है। लगभग 1.60 लाख डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय डाक नेटवर्क एकीकृत रूप में कार्य करता है, जो हमारी संस्कृतियों और परंपराओं की विशाल श्रृंखला को एक सूत्र में बांधता है।

निर्वाचन आयोग ने असम परिसीमन पर अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की

एक लोकसभा, 19 विधानसभा सीट के नाम बदले

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें उनकी कुल संख्या क्रमशः 126 और 14 पर बरकरार रखी गई है।अपने अंतिम आदेश में, आयोग ने एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नाम में बदलाव किया है।निर्वाचन आयोग के एक बयान के अनुसार, 19 विधानसभा और दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। बयान के अनुसार, राज्य में एक लोकसभा और नौ विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। इसमें कहा गया कि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले ।,200 से अधिक अभ्यावेदन पर विचार किया गया। आयोग को प्राप्त सुझावों और आपत्तियों में से 45 प्रतिशत का अंतिम आदेश में समाधान किया गया। ाज्य के सभी विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया।

उसने कहा, जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित 2001 की जनगणना के आंकड़ों पर ही इस उद्देश्य के लिए विचार किया गया है। जनता की मांग को देखते हुए एक संसदीय और कुछ विधानसभा क्षेत्रों को युग्मित नाम दिए गए हैं, जैसे दरांग-उदलगिरि, हाजो-सुआलकुची, बोको-चायगांव, नागांव-बताद्रबा, भवानीपुर-सोरभोग, अल्गापुर-कतलीचेरा।
अंतिम रिपोर्ट की कुछ मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए, निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि सबसे निचली प्रशासनिक इकाई को ग्रामीण क्षेत्रों में गांव और शहरी क्षेत्रों में वार्ड के रूप में लिया गया है। इसके अनुसार गांव और वार्ड को यथावत रखा गया है और प्रदेश में कहीं भी इसे तोड़ा नहीं गया है।परिसीमन के बाद एससी विधानसभा सीट आठ से बढ़कर नौ हो गई हैं, और एसटी विधानसभा सीट की संख्या 16 से बढ़कर 19 हो गई है।बोडोलैंड जिलों में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या भी 11 से बढ़कर 15 हो गई है। निर्वाचन आयोग ने जुलाई में गुवाहाटी में आयोजित सार्वजनिक बैठकों के दौरान मसौदा परिसीमन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नागरिक संगठनों और आम जनता के विचारों को सुना।

ब्रिटेन ने खालिस्तान समर्थक चरमपंथ से निपटने के लिए नए कोष का ऐलान किया

नई दिल्ली। ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम टुगेंडहाट ने खालिस्तान समर्थक चरमपंथ से निपटने के वास्ते अपने देश की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 95000 पाउंड (करीब एक करोड़ रुपए) के नए कोष का ऐलान किया है। ब्रिटिश उच्चायोग ने टुगेंडहाट की भारत की तीन दिवसीय यात्रा के मौके पर एक बयान में यह जानकारी दी है। उनकी यात्रा बृहस्पतिवार से शुरू हुई है। ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों में बढ़ोतरी को लेकर भारत में बढ़ती चिंताओं के बीच नए कोष का ऐलान किया गया है। टुगेंडहाट सुरक्षा संबंधी पहलों पर द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने और जी20 की भ्रष्टाचार रोधी मंत्रीस्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए भारत आए हैं। शनिवार को होने वाली जी20 बैठक के लिए कोलकाता जाने से पहले टुगेंडहाट ने दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा, बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ एक बैठक के दौरान, टुगेंडहाट ने खालिस्तान समर्थक चरमपंथ से निपटने के लिए ब्रिटेन की क्षमता बढ़ाने के वास्ते नए कोष की घोषणा की। इसमें कहा गया है कि 95,000 पाउंड का निवेश ैखालिस्तान समर्थक चरमपंथै से उत्पन्न खतरे के बारे में सरकार की समझ को बढ़ाएगा और संयुक्त चरमपंथ कार्यबल के माध्यम से ब्रिटेन और भारत के बीच पहले से जारी संयुक्त कार्य को अनुकूल बनाएगा जो सराहनीय है। टुगेंडहाट ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच जीवंत सेतु हमारी गहरी और स्थाई दोस्ती को दर्शाता है।

नवचार के प्रयोग का मिलेगा अनुभव

नई दिल्ली। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आइकू ने उपभोक्ताओं के उत्साह को बरकरार रखने के लिए सबसे तेज और सबसे बेहतर परफॉर्मेंस एक्सपीरिएंस देने के लिए 31 अगस्त को अमेज़न डॉट इन पर जेड सीरीज़ का फुल्लीलोडेड स्मार्टफोन आइकू जेड 7 प्रो 5जी लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बेजोड़ शक्ति, त्रुटिहीन शैली और उल्लेखनीय प्रदर्शन के संयोजन से, आइकू जेड 7 प्रो स्मार्टफोन के लिए नए मानक स्थापित करता है। आइकू जेड 7 प्रो में असाधारण 3डी कर्व्ड 120हर्ट्ज़ एमोलेड डिस्प्ले के साथ सिर्फ 7.36 मिमी मोटाई में सेगमेंट का सबसे हल्का और सबसे पतला डिज़ाइन है। यह पीछे की तरफ एजी ग्लास फिनिश के साथ आता है जो न केवल बहुत सुंदर दिखाई देता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि यह उंगलियों के निशान से गंदा न दिखाई दें। मेक इन इंडिया के लिए आइकू की प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए आइकू जेड 7 प्रो का निर्माण विवो की ग्रेटर नोएडा सुविधा में किया जाएगा।

उत्तराखंड में भूस्खलन में दबकर पांच श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले मे केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फाटा क्षेत्र के तरसाली में भूस्खलन के मलबे के नीचे दबकर पांच श्रद्धालुओ की मृत्यु हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने बृहस्पतिवार रात भूस्खलन के मलबे मे एक कार के दबे होने की सूचना मिलने पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया। हालांकि, बारिश के कारण अभियान चलाने मे दिक्कतें आई और शुक्रवार सुबह बारिश रुकने के बाद बोल्डरो को हटाने जाने पर कार से पांच शवो को निकाला गया।

भारतीय आभूषणों की मांग

मुंबई। भारत का एक सबसे फैशनेबल ज्वेलरी ब्रांड मिआ बाय तनिष्क ने इस सीजन के आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। मिआ के सभी स्टडेड उत्पादों की खरीदारी पर ब्रांड ने बाय मोर, सेव मोर ऑफर शुरू किया है। ऑफर अवधि के दौरान मिआ बाय तनिष्क में हर दूसरी और उसके बाद की खरीदारियों पर पहले के डिस्काउंट के साथ-साथ अतिरिक्त डिस्काउंट भी दिया जाएगा। 4 सितंबर 2023 तक ऑफर का लाभ उठाया जा सकता है, सभी मिआ बाय तनिष्क रिटेल स्टोर्स में मिआ के सभी स्टडेड उत्पादों पर 20प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

अहमदाबाद जिले में खड़े ट्रक से टकराया मिनी-ट्रक, 10 लोगों की मौत

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद जिले में एक मिनी ट्रक एक खड़े ट्रक से टकरा गया, जिससे मिनी ट्रक में सवार 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक अमित वसावा ने बताया कि यह घटना राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर बगोदरा गांव के पास सुबह करीब 11 बजे हुई।उन्होंने बताया कि पीड़ित पड़ोसी सुरेंद्रनगर जिले के चोटिला से अहमदाबाद लौट रहे था।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और प्रत्एक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की।दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद अहमदाबाद रेंज के महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह मौके पर पहुंचे। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, मिनी ट्रक लोगों को ले जाने के लिए नहीं था, लेकिन उसमें 23 लोगों को ले जाया जा रहा था। टायर पंचर हो जाने के बाद सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से यह मिनी ट्रक टकरा गया। हादसे में दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मृतक और घायल व्यक्ति खेड़ा जिले के कपडवंज तालुका के एक गांव के रहने वाले थे और सुरेंद्रनगर के चोटिला शहर में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद घर लौट रहे थे।

चंबा में वाहन नदी में गिरा, सात लोगों की मौत, चार अन्य घायल

भाषा। शिमला

चंबा जिले में शुक्रवार को भूस्खलन के बाद एक वाहन के सिउल नदी में गिर जाने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दुर्घटना के संबंध में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।अधिकारियों के मुताबिक, बैरागढ़ से तिस्सा की ओर जा रहे वाहन में 11 लोग सवार थे। दुर्घटना चंबा जिले के चौराह इलाके में तरवाई पुल के समीप हुई।पुलिस ने बताया कि एक बड़ा पत्थर वाहन के ऊपर आ गिरा, जिसकी वजह से उसका संतुलन बिगड़ गया और वाहन फिसलकर नदी में जा गिरा।पुलिस के मुताबिक, मृतकों में छह पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो चंबा सीमा पर तैनात द्वितीय भारतीय रिजर्व बटालियन का हिस्सा थे। उनकी पहचान राकेश गोरा, प्रवीण टंडन, कमलजीत, सचिन, अभिषेक और लक्ष्य कुमार के रूप में हुई है जबकि सातवां मृतक चंद्ररू राम स्थानीय निवासी था।

अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो को शीर्ष अदालत ने दी जमानत

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निखत बानो को शुक्रवार को जमानत दे दी, जिन्हें जेल में अपने पति के साथ कथित गैरकानूनी मुलाकात के लिए गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने निखत को यह कहते हुए राहत दी कि याचिकाकर्ता एक महिला है और एक साल के बच्चे की मां है।शीर्ष अदालत ने बानो को निचली अदालत से अनुमति लिए बिना कासगंज जेल में अपने पति अब्बास अंसारी से मिलने पर भी रोक लगा दी।बानो ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था जिसने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आरोपों की गंभीरता और मामले में बानो की संलिप्तता को देखते हुए 29 मई को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।गत फरवरी में पुलिस और जिला प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करके अंसारी और उसकी पत्नी बानो के साथ-साथ उनके चालक नियाज की मुलाकात की जानकारी मिलने पर चित्रकूट जिला जेल में छापा मारा था।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 15.73 प्रतिशत बढ़कर 6.53 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 15.73 प्रतिशत बढ़कर 6.53 लाख करोड़ रुपए रहा है। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपए रहा है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 17.33 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बयान में कहा, प्रत्यक्ष कर संग्रह का 10 अगस्त, 2023 तक का अस्थाई आंकड़ा बताता है कि कर संग्रह में अच्छी वृद्धि हुई है।

तिरंगा यात्रा की शुरुआत करते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व केंद्रीय मंत्री अनुरागठाकुर

जापान को हराकर भारत शान से फाइनल में

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हाकी ,मलेशिया से होगा खिताबी मुकाबला

भाषा। चेन्नई

भारत ने अपने आक्रामक और रणनीतिक खेल का खूबसूरत नजारा पेश करते हुए शुक्रवार को यहां जापान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना शनिवार को मलेशिया से होगा। मलेशिया ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 6-2 से पराजित किया। भारत ने राउंड रोबिन लीग चरण में मलेशिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी थी और वह फाइनल में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा ।तीन बार के चैंपियन भारत की तरफ से आकाशदीप सिंह (19वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (23वें मिनट), मनदीप सिंह (30वें मिनट), सुमित (39वें मिनट) और सेल्वम कार्ति (51वें मिनट) ने गोल किए ।जापान ने लीग चरण में भारत को ।-। से बराबरी पर रोका था लेकिन शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में पहले क्वार्टर को छोड़कर भारतीयों के सामने उसकी एक नहीं चली। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन दूसरे क्वार्टर में उसने 12 मिनट के अंदर तीन गोल करके इसकी भरपाई कर दी ।भारत को खेल के दूसरे मिनट में ही जरमनप्रीत सिंह के प्रयासों से पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हरमनप्रीत के शॉट को जापान के गोलकीपर तकाशी योशिकावा ने पांव से बाहर का रास्ता दिखा दिया। शमशेर सिंह को इसके तुरंत बाद ग्रीन कार्ड मिलने के कारण दो मिनट तक बाहर बैठना पड़ा। भारत ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में आकाशदीप के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की। हार्दिक सिंह और सुमित ने सर्किल के दाएं तरफ से यह मूव बनाया। हार्दिक का शॉट गोलकीपर ने रोक दिया लेकिन गेंद सीधे आकाशदीप के पास चली गई जिन्होंने उसे गोल में डालने कोई गलती नहीं की।

चीन को हराकर पांचवें स्थान पर रहा पाकिस्तान

चेन्नई। पाकिस्तान की हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्राफी के पांचवे स्थान के प्लेऑफ मे चीन को 6-। से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद खान और मोहम्मद अम्माद ने दो दो गोल दागे जबकि अब्दुल शाहिद और अब्दुल राणा ने एक एक गोल किया। चीन के लिए एकमात्र गोल बेनहाई चेन ने दागा। पाकिस्तान ने अपने ज्यादातर उन्ही खिलाड़ियों को उतारा जो जूनियर विश्व हॉकी चैम्पियनशिप मे हिस्सा लेगे। अब सीनियर टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलो के लिए तैयारी करेगी। पाकिस्तान ने एक तरह से मैच पहले क्वार्टर मे ही जीत लिया था। नौवे मिनट मे अम्माद ने चीनी गोलकीपर और उनकी रक्षात्मक पंक्ति को चौंकाते हुए बढ़त दिलाई। अगले ही मिनट मे पाकिस्तान के लिए दूसरा गोल पेनल्टी कॉर्नर पर मोहम्मद खान ने दाग दिया। फिर अगले ही मिनट उन्होने यह बढ़त तिगुनी कर दी। चौथा गोल करने मे भी पाकिस्तानी टीम को ज्यादा समय नही लगा जब शाहिद ने 15वे मिनट मे अब्दुल राणा और अम्माद के पास पर गोल कर दिया। चीन की रक्षात्मक पंक्ति काफी कमजोर दिख रही थी।

मलेशिया गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 6-2 से हराकर के फाइनल में

चेन्नई। मलेशिया ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए शुक्रवार को यहां गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 6-2 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मे प्रवेश किया ।मलेशिया की तरफ से फैज़ल सारी, शेलो सिल्वरियस, अबू कमाल अजराई और नजमी जाज़लान ने जबकि कोरिया के लिए वू चेओन जी और कप्तान जोंगह्युन जांग ने गोल किए। दोनो टीम ने पहले क्वार्टर मे सकारात्मक शुरुआत की। कोरिया ने तीसरे मिनट मे ही चेओन जी के गोल से बढ़त बनाई लेकिन अजराई ने अगले मिनट मे ही गोल दागकर मलेशिया को बराबरी दिला दी। इसके बाद भी दोनो टीम ने आक्रामक रवैया जारी रखा। मलेशिया ने नौवें मिनट मे जाजलान के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन कोरिया को 14वे मिनट मे पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे जांग ने गोल मे बदलने मे कोई गलती नही की। मलेशिया को दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट मे पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे सारी ने गोल मे बदला। इसके दो मिनट बाद जाजलान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके मलेशिया को 4-2 से आगे कर दिया।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने डब्ल्यूएफआई के चुनावों पर रोक लगाई

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के शनिवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित चुनावों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। अदालत ने यह कार्वाई हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) द्वारा दायर की गई याचिका पर की। एचडब्ल्यूए ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को डब्ल्यूएफआई के चुनाव में मतदान का अधिकार देने के फैसले को चुनौती दी थी। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं। हरियाणा कुश्ती संघ का प्रतिनिधित्व कर रहे एडवोकेट रविंदर मलिक ने कहा कि एचडब्ल्यूए राज्य में एक पंजीकृत सोसायटी है और डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई के नियमों और संविधान के अनुसार कोई भी मान्यता प्राप्त पंजीकृत संस्था डब्ल्यूएफआई चुनाव में वोट डालने के लिए दो प्रतिनिधियों को भेज सकती है। एचडब्ल्यूए के वकील ने

कहा कि एक अन्य संस्था हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने दावा किया है कि वह डब्ल्यूएफआई के साथ-साथ हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) से भी मान्यता प्राप्त है। हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने दावा किया कि एचडब्ल्यूए चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकता क्योंकि वह डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त नहीं है। वकील ने कहा, चुनाव अधिकारी ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि वह हरियाणा कुश्ती संघ के साथ डब्ल्यूएफआई से मान्यता हासिल करने की शर्तो को पूरा करते हैं। हमने चुनाव अधिकारी के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जिसमें कहा गया है कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त हो सकता है।

खेल मंत्रालय ने पहलवानों को ट्रेनिंग के लिए रोमानिया भेजा

नई दिल्ली। एशियाई खेलो की टीम मे शामिल छह पहलवान खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) को सहायता देने की योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेनिंग शिविर और प्रतियोगिता के लिए तीन सहयोगी स्टाफ सदस्यो के साथ रोमानिया के लिए रवाना हुए। शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरे के दौरान टीम 18 से 20 अगस्त तक इयोन कोर्नियानू और लाडिस्लाऊ सिमोन टूर्नामेंट मे हिस्सा लेगी। विज्ञप्ति के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय दौरा 15 दिन का होगा जिसमे टीम की ट्रेनिंग का पूरा खर्चा, टिकट और ठहरने की व्यवस्था, वीजा का खर्च और आउट ऑफ पॉकेट भत्ते का पूरा खर्चा उठाया जाएगा। एशियाई खेल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ मे आयोजित होगे। रोमानिया दौरे पर गए ग्रीको रोमन पहलवान : ज्ञानेदर (60 किग्रा), नीरज (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा - खेलो इंडिया एथलीट), सुनील कुमार (87 किग्रा - टॉप्स एथलीट), नरिंदर चीमा (97 किग्रा - खेलो इंडिया एथलीट) और नवीन (130 किग्रा)।

अदिति संयुक्त 33वें और दीक्षा संयुक्त 81वें स्थान पर

वाल्टन हीथ (ब्रिटेन)। भारत की अदिति अशोक यहां महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के शुरुआती दौर के बाद इवन-पार 72 के स्कोर के साथ संयुक्त 33वे, जबकि हमवतन दीक्षा डागर 74 का कार्ड खेलकर संयुक्त 81वें स्थान पर है। अदिति ने पहले दौर मे इवन पार 72 का स्कोर किया और कट मे जगह बनाने के मामले मे बेहतर स्थिति मे है। दीक्षा ने 74 का कार्ड खेला और कट मे जगह बनाने के लिए उन्हे दूसरे दौर मे बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कट के एक ओवर के स्कोर रहने की संभावना है।

पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम का परीक्षण रद्द

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम के परीक्षण को छोड़ने का फैसला किया है क्योंकि वह मौजूदा सेट पीस नियम के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नही करना चाहता है। एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने यहां चल रही एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के मौके पर कहा, एफआईएच ने नए पेनल्टी कॉर्नर नियम ट्रायल को रोकने और छोड़ने का फैसला किया है। ट्रायल के दौरान जिस प्रारूप पर विचार किया जा रहा था, उस पर अब विचार नही किया जाएगा।

खेल पत्रकार जी राजारमन को एशियाड का प्रेस अताशे नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को अनुभवी खेल पत्रकार जी राजारमन को चीन के हांगझोउ मे होने वाले आगामी एशियाई खेलो के लिए दल का प्रेस अताशे नियुक्त किया। भारत 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चलने वाले एशियाई खेलो मे अपना सबसे बड़ा दल भेजेगा। इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने प्रेस विज्ञप्ति मे कहा, उनकी नियुक्ति खेलो के दौरान भारतीय दल और मीडिया के लिए बिना किसी बाधा के संचार सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

इंडिया की बेहतरी के लिए की लंबी यात्रा

अयोध्या। इंडियन चेंजमेकर विजनरी और इंडिया की बेहतरी के लिए दूरदर्शी खोजकर्ता रितेश रावल ए ग्रेट इंडियन ड्रीम के सार को उजागर करने के लिए एक उल्लेखनीय यात्रा पर निकले हैं। वह देश को जोड़ने वाली सड़कों से गुजरते हुए भारत की विविध जनसांख्यिकी, जटिल बुनियादी ढांच, बढ़ती अर्थव्यवस्था, गतिशील राजनीतिक परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता की खोज में जुटे हैं। बनारस, देहरादून और मसूरी में व्यापक ग्राउंड वर्क करने के बाद, रितेश रावल का महत्वाकांक्षी मिशन एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया। 7 अगस्त को रावल की यात्रा उन्हें ऐतिहासिक शहर अयोध्या तक ले गई। यहां रावल अयोध्या के लोगों के साथ उनकी आकांक्षाओं और दृष्टिकोण को समझने के प्रयास में लगे हुए थे, एक सपने को साकार करने में योगदान दे रहे थे। अपनी पूरी यात्रा के दौरान रितेश सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़े रहे, जिनमें देश के विकास को गति देने वाले मेहनतकश मजदूरों से लेकर राष्ट्र को आकार देने वाले नीति निर्माता तक शामिल थे। रावल ने अयोध्या के कमिश्नरी गौरव दयाल जी के साथ बातचीत की।

पॉलीग्रास टर्फ से ओलंपिक में फायदा होगा: पाठक

चेन्नई। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक का मानना है कि एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) में खेलने वाली टीमों को आगामी एशियाई खेलों के साथ पेरिस ओलंपिक में भी फायदा होगा क्योंकि यहां उसी पॉलीग्रास टर्फ का इस्तेमाल हुआ है जिस पर उन बड़े खेलों का आयोजन होना है।

भारत को सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

वेस्टइंडीज से चौथा टी-20 मैच आज, निगाहें श्रृंखला बराबर करने पर

भाषा। लॉडेरहिल (अमेरिका)

भारतीय टीम अपने बल्लेबाजों से उम्मीद करेगी कि वे अच्छा प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां चौथे टी20 अंतराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक और जीत से श्रृंखला बराबर करने में मदद करें। भारत भले ही तीसरे टी20 अंतराष्ट्रीय मैच में जीत से श्रृंखला में बने रहने में कामयाब हुआ हो लेकिन वेस्टइंडीज अब भी श्रृंखला में 2 - । से आगे चल रही है। मेजबान टीम की बल्लेबाजी इकाई को लेकर चिंता अब भी बरकरार है। सूर्यकुमार यादव को पिछले मैच में अपने आक्रामक रवैए में बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी सुखद था और तिलक वर्मा ने भी कुछ महत्वपूर्ण रन का योगदान किया था। लेकिन भारत की सलामी जोड़ी का लचर प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने ईशान किशन को आराम देकर यशस्वी जायसवाल को टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कराया था। लेकिन लगातार तीसरे मैच में सलामी जोड़ी फिर प्रभावित नहीं कर पाई और महज छह रन ही बना सकी। जायसवाल पहले ओवर में ही तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय का शिकार हो गए। पिछले दो मैचों में किशन और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए महज पांच और फिर 16 रन बनाए जिससे मध्यक्रम पर दबाव बन गया था। भारत इस मैच में किशन की वापसी कराएगा या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि इस करो या मरो के मैच में सलामी बल्लेबाज ज्यादा असरदार प्रदर्शन दिखाएं। यह जानते हुए कि भारत का निचला क्रम बल्लेबाजी में इतना सक्षम नहीं है तो इससे शीर्ष पर खेल रहे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना निहायती जरूरी है। भारत ने अक्षर पटेल को सातवें नंबर पर रखा है ताकि संतुलन बना रहे और वे पांच गेंदबाजों की नीति अपनाना जारी रख सकते हैं। तिलक ने जिस तरह से अपने युवा कंधों पर जिम्मेदारी उठाई, यह देखना शानदार रहा। हैदराबाद का यह बाएं हाथ का बल्लेबाज 39 (22 गेंद), 51 (41 गेंद) और 49 (37 गेंद) की पारियां खेलकर अपने करियर में बड़े मंच के लिए तैयार है। वह इस समय 69.50 के औसत से 139 रन बनाकर श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाला खिलाड़ी है। सूर्यकुमार ने मुंबई इंडियंस के अपने साथी तिलक के बारे में बात करते हुए कहा, हम अब काफी लंबे समय से एक साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं। हम एक दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। यह उसका दिन था कि परिपक्वता से बल्लेबाजी करे। वह काफी आत्मविश्वास से बल्लेबाजी कर रहा है और उसने मुझे भी बल्लेबाजी करने में मदद की। कुलदीप यादव ने तीसरे टी20 अंतराष्ट्रीय मैच के लिए टीम में वापसी की थी और उनके प्रदर्शन से निश्चित रूप से भारत के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। वह अंगूठे में सूजन की वजह से दूसरे टी20 अंतराष्ट्रीय में नहीं खेले थे। बाएं हाथ के इस कलाई के स्पिनर ने चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट झटके। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन इस पूरी श्रृंखला में भारत के लिए सबसे बड़ी समस्या रहे हैं लेकिन कुलदीप ने इस बाएं हाथ के खिलाड़ी को लय में आने से पहले ही आउट कर दिया। पिछले मैच में तीनों स्पिनरों - कुलदीप, अक्षर, युजवेंद्र चहल ने अच्छा प्रदर्शन किया था और भारत को सेंट्रल ब्रोवार्ड स्टेडियम में भी उनसे ऐसे ही प्रदर्शन की दरकार होगी।

कई तरह के प्रयोग करके अपनी टीम को बर्बाद कर रहा है भारत : सरफराज

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सरफराज नवाज का मानना है कि भारत की तुलना में पाकिस्तान की टीम अधिक स्थिर नजर आती है क्योंकि भारतीय टीम एशिया कप और वनडे विश्वकप से पहले उचित संयोजन तैयार नहीं कर पाई है। भारत 31 अगस्त से एशिया कप में भाग लेगा लेकिन अभी तक उसका मध्यक्रम तय नहीं है। सरफराज ने शुक्रवार को लाहौर में पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान की टीम भारत की तुलना में एशिया कप और विश्वकप के लिए अधिक व्यवस्थित और स्थिर नजर आती है। भारतीय टीम इन प्रमुख प्रतियोगिताओं से पहले अभी तक अपना अंतिम संयोजन तैयार नहीं कर पाई है। कप्तान बदले जा रहे हैं, कई नए खिलाड़ियों को आजमाया जा रहा है और ऐसे में भारतीय टीम उचित संयोजन तैयार नहीं कर पाई है। मेरा मानना है कि भारतीय टीम को तैयार करने के बजाए बर्बाद किया जा रहा है। सरफराज ने इसके साथ ही कहा कि भारत पर अपनी धरती पर विश्वकप खेलने और पिछले 10 वर्षों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीतने का दबाव भी रहेगा।

देवधर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुन्नुम्मल का दिल्ली कैपिटल्स ने लिया ट्रायल

बेंगलुरु देवधर ट्रॉफी मे अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के सलामी बल्लेबाजी रोहन कुन्नुम्मल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के ट्रायल मे हिस्सा लिया। देवधर ट्रॉफी मे दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रोहन ने 62.20 की औसत से 311 रन बनाए। वह टूर्नामेंट मे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाडियो की सूची मे रियान पराग (354) और मयंक अग्रवाल (341) के बाद तीसरे स्थान पर रहे। कुन्नुम्मल ने इस दौरान 123.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जो नियमित बल्लेबाजो मे पूर्व क्षेत्र के पराग (136.67) के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट था। इस प्रदर्शन के के बाद दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उन्हे अपने शिविर मे आमंत्रित किया गया और 25 वर्षीय दाएं हाथ का बल्लेबाज इससे काफी खुश है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, दिल्ली कैपिटल्स का प्रशिक्षण शिविर बहुत अच्छा रहा है। यहां, मुझे सौरव गांगुली सर और प्रवीण आमरे सर के साथ बातचीत करने का मौका मिला।

एशिया कप और विश्व कप में बांग्लादेश की अगुआई करेंगे शाकिब अल हसन

ढाका। बांग्लादेश ने शुक्रवार को अनुभवी आल राउंडर शाकिब अल हसन को एशिया कप और 2023 विश्व कप दोनो के लिए अपना वनडे कप्तान नियुक्त किया। इन दो बड़े टूर्नामेंट के अलावा बांग्लादेश सितंबर के अंत मे सफेद गेंद की श्रृंखला मे न्यूजीलैंड से भिड़ेगा जिसके बाद टीम पांच अक्टूबर से शुरु होने वाले विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा, हमने एशिया कप और विश्व कप के लिए शाकिब को कप्तान नियुक्त किया है। विश्व कप और एशिया कप की टीम की घोषणा कल की जाएगी। चयनकर्ता 17 सदस्यो की टीम चुनेगे। तमीम इकबाल पीठ की चोट के कारण एशिया कप से बाहर हो गए है जिससे शाकिब उनकी जगह लेंगे। अब शाकिब खेल के तीनो प्रारूपो मे बांग्लादेश के कप्तान बन चुके है।

विश्व कप में खेलना मुश्किल लक्ष्य : विलियमसन

क्राइस्टचर्च। केन विलियमसन ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि भारत में होने वाले आईसीसी विश्व कप 2023 मे उनके खेलने की संभावनाएं काफी कम है क्योंकि न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज सर्जरी से अब भी उबरने की प्रक्रिया मे चल रहा है। विलियमसन के घुटने के एंटीरियर क्रुसिएट लिगामेंट (एसीएल) की इस साल अप्रैल मे सर्जरी हुई थी। उन्हे इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के शुरुआती मैच मे गुजरात टाइटन्स की ओर से अहमदाबाद मे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलते हुए यह चोट लगी थी। विलियमसन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, विश्व कप मे खेलना हमेशा ही विशेष होता है। इसे (चोट को) ठीक होने मे कितना समय लगेगा या मै किस दिन वापसी करूंगा, यह इस समय बस अटकलबाजी ही है।

विश्व कप जीतने के लिए प्रतिबद्ध बोल्ट

लंदन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट पिछले दो विश्व कप 2015 और 2019 मे टीम के खिताब के करीब पहुंचकर चूकने की निराशा से गुजरे है लेकिन अब वह इस बार भारत मे होने वाले महासमर मे यह मौका गंवाना नही चाहते। न्यूजीलैंड को 2015 फाइनल मे आस्ट्रेलिया से हार मिली थी जबकि इसके चार साल बाद टीम इंग्लैड से हार गई थी। हमेशा मेरे दिमाग मे यह बात रही कि मै वापसी करूं और वनडे विश्व कप मे खेलने पर काम करूं। मै इसमे खेलने के लिए बेताब हूं और उम्मीद करता हूं कि बड़ी भूमिका निभाऊंगा। मै सिर्फ एक चमचमाती चीज (ट्राफी) उठाना चाहता हूं जिसके करीब हम चार साल पहले पहुंचे थे। बोल्ट ने इंग्लैड के खिलाफ श्रृंखला के लिए एक साल के बाद न्यूजीलैंड की वनडे टीम मे वापसी की। 99 वनडे मे उन्होने 187 विकेट चटकाए है। बोल्ट ने अमेरिका मे शुरुआती मेजर लीग क्रिकेट मे एमआई (मुंबई इंडियंस) न्यूयॉर्क को ट्राफी दिलाने मे अहम भूमिका निभाई थी जिसमे वह टूर्नामेंट के सर्वाधिक विकेट झटकने वाले गेंदबाज रहे।

रायुडू ने सेंट किट्स एवं नेविस पैट्रियट्स से करार किया

मुंबई। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने सेंट किट्स एवं नेविस पैट्रियट्स से करार किया है जिससे वह कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) मे भाग लेने वाले देश के दूसरे खिलाड़ी बन सकते है। रायुडू इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 मे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेले थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार रायुडू ने सेंट किट्स एवं नेविस पैट्रियट्स टीम से मार्की खिलाड़ी के तौर पर करार किया है। आईपीएल के बाद 37 साल के खिलाड़ी के सीएसके की अमेरिका मे मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) के लिए फ्रेंचाइजी टेक्सास सुपर किंग्स से करार करने का खुलासा हुआ था। हालांकि रायुडू ने एमएलसी मे भाग नही लेने का फैसला किया क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की थी कि वह खिलाड़ियो को संन्यास लेने के तुरंत बाद विदेशी लीग मे हिस्सा लेने से रोकने के लिए कूलिंग ऑफ पीरियड नीति लाने पर विचार कर रहा है।

शोरे ने दिल्ली छोड़ विदर्भ का दामन थामा

राणा ने भी मांगी एनओसी

रणजी में टीम का नेतृत्व कर सकते है हिम्मत

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली क्रिकेट के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं क्योंकि पूर्व कप्तान नितीश राणा और पिछले साल रणजी ट्रॉफी में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ध्रुव शोरे ने आगामी घरेलू सत्र के दौरान अन्य टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए डीडीसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की मांग की है। डीडीसीए (दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ) में बहुत से लोग अभी इस बात से अनजान हैं कि लाल गेंद के विशेषज्ञ शोरे ने पहले ही विदर्भ क्रिकेट संघ (वीसीए) के साथ एक पेशेवर के रूप में अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिया है। इस कदम से वह जाहिर तौर पर अपनी मैच फीस से अधिक की कमाई कर सकेंगे। वीसीए के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हां, ध्रुव (शोरे) ने पहले ही हमारे साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिया है। वह और पूर्व टेस्ट बल्लेबाज करुण नायर आगामी घरेलू सत्र के दौरान विदर्भ के लिए खेलेंगे। जहां तक राणा का सवाल है, उनके बड़ौदा या हरियाणा की टीम में शामिल होने की अफवाहें हैं लेकिन इससे जुड़ी कोई पुष्टि नहीं हुई है। डीडीसीए के संयुक्त सचिव राजन मनचंदा ने शुक्रवार को इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने हालांकि आश्वासन दिया कि दोनों क्रिकेटरों से बात की जाएगी और उनकी परेशानी को धैर्यपूर्वक सुना जाएगा ताकि पता लगाया जा सके कि वे ऐसा निर्णय क्यों लेना चाहते हैं। मनचंदा ने कहा, हां, यह सच है कि ध्रुव और नितीश दोनों दिल्ली क्रिकेट टीम को छोड़ना चाहते हैं और उन्होंने एनओसी मांगी है। हम निश्चित रूप से उनसे रुकने का अनुरोध करेंगे क्योंकि दोनों अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्होंने दिल्ली क्रिकेट की काफी सेवा की है। इस मामले में अंतिम निर्णय उनका ही होगा। अगर वे हम से सहमत नहीं हुए तो हम निश्चित रूप से उन्हें एनओसी देंगे। यह समझा जाता है कि पिछले साल तक टीम के सफेद गेंद (सीमित ओवर प्रारूप) के कप्तान रहे राणा को एक सत्र पुराने खिलाड़ी यश धुल को यह जिम्मेदारी दिया जाना पसंद नहीं आया। राणा को दिल्ली के ड्रेसिंग रूम में कुछ खिलाड़ियों से भी परेशानी है और उनमें मुंबई इंडियंस के हरफनमौला खिलाड़ी रितिक शौकीन भी शामिल हैं, जिन्होंने लाल गेंद की क्रिकेट में सराहनीय प्रदर्शन किया था।

ओडिशा ने राजस्थान यूनाइटेड को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें कायम रखी

डूरंड कप

भाषा। कोकराझार

अफाओबा सिंह ने पेनल्टी को गोल में बदलकर ओडिशा एफसी को शुक्रवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में आई-लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान यूनाइटेड के खिलाफ 2-। से जीत दिला दी। ओडिशा की डूरंड कप के मौजूदा सत्र में यह पहली जीत दर्ज है। ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान के लिए अब तीन-तरफा लड़ाई है, जिसमें ओडिशा, राजस्थान यूनाइटेड और भारतीय सेना के तीन-तीन अंक है और ए तीनों टीमें क्वार्टर फाइनल की दौड़ हैं। पहले हाफ के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चंद्र मोहन मुर्मू ने 48वें मिनट में गोलकर सुपर कप की विजेता टीम को बढ़त दिला दी। ओडिशा की यह बढ़त तीन मिनट तक ही रही। रिचर्डसन डेंजेल ने 51वें मिनट में गोल कर राजस्थान की टीम का खाता खोला।

डेविड ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग को पहली जीत दिलाई

कोलकाता। डेविड ललहल्संगा के शानदार खेल के दम पर मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने शुक्रवार को यहां भारतीय नौसेना को 2-। से हराकर डूरंड कप में अपनी पहली जीत दर्ज की ।डेविड ने मैच में एक गोल करने के साथ दूसरे गोल में सहायक की भूमिका निभाई। डेविड ने 50वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला और फिर 69वें मिनट में मिजोरम के अपने साथी लालरेमसांगा फैनई की मदद की। फैनई ने इसे गोल में बदल कर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया ।पीएम ब्रिटो ने आखिरी क्षणों (90 सातवें मिनट) में गोल किया लेकिन भारतीय नौसेना इससे हार के अंतर को ही कम कर सकीं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा ने दूसरे वरीय नाकामूरा को हराया

बाकू। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने दोनों रैपिड बाजियों में दूसरी वरीयता प्राप्त हिकारू नाकामूरा को हराकर शुक्रवार को यहां फिडे विश्वकप शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम 16 में जगह बनाई। क्लासिकल वर्ग में दोनों बाजियां ड्रॉ छूटने के बाद भारत के 18 वर्षीय खिलाड़ी प्रज्ञाननंदा ने टाईब्रेकर के दोनों बाजियों में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर को हराया। भारतीय शतरंज के दिग्गज और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने प्रज्ञाननंदा की प्रशंसा करते हुए कहा, प्रज्ञाननंदा ने कर दिखाया। टूर्नामेंट से पहले खिताब के प्रबल दावेदार हिकारू नाकामूरा को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रज्ञाननंदा ने वास्तव में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रज्ञाननंदा अंतिम 16 में हंगरी के ग्रैंड मास्टर फेरेंक बर्केस से भिड़ेंगे।

बप्पा श्री नारायण मेमोरियल सेवन-ए-साईंड कॉलेज फुटबॉल का आगाज

लखनऊ। बप्पा श्री नारायण मेमोरियल सेवन-ए-साईंड कॉलेज फुटबॉल प्रतियोगिता 2023 का आयोजन 11 अगस्त 2023 को स्वर्गीय बप्पा जी की जयंती के पर किया गया ।कॉलेज के प्रबन्धक के एम मिश्र जी द्वारा बप्पा जी की पूजा अर्चना की गई। प्रतियोगिता का शुभारम्भ कॉलेज के प्रधानाचार्य अनुराग दीक्षित ने किया । इस अवसर पर कॉलेज के प्रवक्ता धर्मेन्द्र कुमार, आलोक भारद्वाज, आशुतोष मिश्र, पंकज मिश्रा अमित सक्सेना एव अन्य अध्यापक ने अपना सहयोग दिया व उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का पहला मैच माध्यमिक स्कूल रजमन बाजार व कर्नल एस एन मिश्र मेमोरियल स्कूल साउथ सिटी के मध्य हुआ पहले हाफ से ही माध्यमिक विद्यालय के जबरदस्त आक्रमण किया 9वें व 13वें मिनट में आकाश ने गोल करके अपनी टीम को 2-0 की बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में भी कर्नल मिश्र स्कूल की टीम संघर्ष करती रही । 38वें मिनट में माध्यमिक विद्यालय के सिद्धांत ने गोल दागकर माध्यमिक विद्यालय रजमन बाजार को 3-0 से विजय दिलाई।

स्वियातेक ने कैरोलिना मुचोवा को बारिश से प्रभावित मैच में हराया

मांट्रियल। पोलैंड की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन के बारिश से प्रभावित मैच में चेक गणराज्य की 14वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा को 6-।, 4-6, 6-4 से शिकस्त दी। इस जीत से सुनिश्चित हो गया कि स्वियातेक सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में लगातार 72वें हफ्ते शीर्ष पर बनी रहेंगी। अब स्वियातेक का सामना डेनियल कोलिंस से होगा जिन्होंने लेलाह फर्नांडिज को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। अमेरिका की चौथी वरीय जेसिका पेगुला ने इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 6-4, 6-0 से मात दी और अब उनकी भिड़ंत कोको गॉफ से होगी जिन्होंने चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोयूसोवा को 6-3, 6-0 से हराकर उनका सफर खत्म किया। तीसरी वरीय एलिना रिबाकिना ने अमेरिका की स्लोआने स्टीफंस को 6-3, 6-3 से मात दी ।

जापान को हराकर स्वीडन सेमीफाइनल में

महिला विश्व कप

भाषा। ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)

अमेरिका को बाहर करने वाली स्वीडन ने शुक्रवार को यहां जापान को 2-। से हराकर महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2003 में विश्व कप की उप विजेता और तीन बार तीसरे स्थान पर रही स्वीडन के लिए अलमांडा इलेस्टेड ने 32वें मिनट में बढ़त दिलाई, जिसके बाद फिलिपा एंजेल्डाल ने पेनल्टी को गोल में बदला। इससे स्वीडन की टीम पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंची। फीफा रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज जापान (2011 की विजेता) के बाहर होने से विश्व कप का खिताब किसी नई टीम को मिलेगा। उसके लिए होनाका हयाशी ने 87वें मिनट में गोल दागा। तोक्यो ओलंपिक में स्वीडन ने जापान को उसकी ही जमीन पर क्वार्टरफाइनल में हराकर बाहर कर दिया था। स्वीडन की टीम स्वर्ण पदक मैच में पहुंची थी लेकिन कनाडा से हार गई थी। स्वीडन ने कभी भी विश्व कप या ओलंपिक में खिताब नहीं जीता है।

स्पेन भी अंतिम चार में

वेलिंगटन। सलमा पारालुएलो के अतिरिक्त समय मे किए गए गोल की मदद से छठी रैंकिंग पर काबिज स्पेन ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड को 2-। से हराकर पहली बार महिला विश्व कप के सेमीफाइनल मे प्रवेश किया। दो यूरोपीय मजबूत टीमो के बीच कड़े नॉकआउट मुकाबले मे पारालुएलो ने 111वे मिनट मे विजई गोल दागा। नीदरलैंड की टीम चार साल पहले फ्रांस मे फाइनल मे अमेरिका से हार गई थी और अब दोनो टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। मारियोना कालडेंटी ने 81वे मिनट मे गोल कर स्पेन को ।-0 से बढ़त दिलाई। नियमित समय के अंतिम 10 मिनट मे नीदरलैंड की डिफेंडर स्टेफानी वान डर ग्राग्ट खलनायिका से नायिका बन गई जिन्होंने अपनी टीम के लिए बराबरी गोल दागा।